शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 74 | गुवाहाटी | सोमवार, 9 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सैल्यूट तिरंगा की पूरे भारत में एक अनूठी पहचान पेज 3

वायु सेना ने अपने पड़ोसी क्षेत्र में काम करने की क्षमता विकसित की : सीडीएस पेज 4

योगी आदित्यनाथ ने बदरी-केदार धाम में दर्शन कर की विश्व कल्याण की कामना पेज 5

राजस्थान की जनता भाजपा के पक्ष में मन बना चुकी है : केंद्रीय मंत्री पेज 8

युद्ध : लगातार बढ़ रहा मौत का आंकड़ा, हजार के पार पहुंची संख्या

यरुशलम। हमास के हमले के बाद इजराइल में मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, इजराइल में मरने वालों की संख्या 100 के पार पहुंच गई है, जबकि 1500 से अधिक लोग घायल हैं। सार्वजनिक प्रसारक *कान* और *चैनल 12* के साथ ही *हारेत्ज* और *टाइम्स ऑफ इजराइल* अखबारों ने रविवार को मृतकों की संख्या से संबंधित खबरें दी हैं। इस बीच पाकिस्तान और ईरान ने हमास हमले का समर्थन किया है। शनिवार तड़के शुरू हुई लड़ाई के बाद से इजराइल की ओर से मरने वालों की संख्या की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, फलस्तीनी अधिकारियों ने कहा है कि गाजा में लड़ाकों समेत 300 से अधिक लोग मारे गए हैं। इजराइल पर हमास के चरमपंथियों के अप्रत्याशित हमले के एक दिन बाद रविवार को लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला ने भी एक विवादित इलाके में इजराइल के तीन ठिकानों पर हमला कर दिया जिससे इस संघर्ष के व्यापक पैमाने पर फैलने की आशंका बढ़ गई है। हमास के चरमपंथियों ने शनिवार को एक प्रमुख यहूदी अवकाश के दौरान इजराइल पर अप्रत्याशित हमला कर दिया, जिसमें 26 सैनिकों समेत कम से कम 600 लोगों की मौत हो गई और कई लोगों को बंधक बना लिया गया। गाजा में कम से कम 3000 लोगों की मौत हो गई। इजराइली टेलीविजन ने बंधक या लापता इजराइलियों के रिश्तेदारों की कई वीडियो प्रसारित की जो अपने प्रियजनों की जान जोखिम में होने के बीच मदद की गुहार लगाते हुए दिखे। गाजा में सीमा के निकट इजराइली हमलों से बचने के लिए निवासी अपने घरों को छोड़कर भाग गए। इजराइल के रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने पत्रकारों को बताया कि *सैकड़ों आतंकवादी* मारे गए हैं और कई अन्य को बंधक बना लिया गया है। इजराइल की उत्तरी सीमा पर इस हमले से उसके एक कट्टर शत्रु के युद्ध में शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है जिसे ईरान का समर्थन प्राप्त है और उसके पास हजारों रॉकेट होने का अनुमान है। हिजबुल्ला ने सीरिया में इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स के साथ लगती देश की सीमा पर एक विवादित इलाके में इजराइल के ठिकानों पर रविवार को कई रॉकेट दागे और गोलाबारी की। इजराइली सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए एक विवादित इलाके में हिजबुल्ला के ठिकानों पर ड्रोन हमले किए। इस इलाके की सीमा इजराइल, लेबनान और सीरिया से लगती है। हमास चरमपंथियों ने गाजा पट्टी पर एक सीमा बाड़ को तोड़ दिया और नजदीकी इजराइली समुदायों में घुसकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत कई नागरिकों को बंधक बना लिया। वहीं, इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा में कई इमारतें नेस्तनाबूद कर दी और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि देश युद्ध लड़ रहा है। हमास ने शनिवार सुबह गाजा पट्टी पर एक सीमा बाड़ को विस्फोटकों *-शेष पृष्ठ दो पर*

हिजबुल्ला ने भी इजराइल पर दागे रॉकेट

यरुशलम। इजराइल पर हमास के चरमपंथियों के अप्रत्याशित हमले के एक दिन बाद रविवार को लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला ने भी एक विवादित इलाके में इजराइल के तीन ठिकानों पर हमला कर दिया जिससे इस संघर्ष के व्यापक पैमाने पर फैलने की आशंका बढ़ गई है। हमास के चरमपंथियों ने शनिवार को एक प्रमुख यहूदी अवकाश के दौरान इजराइल पर अप्रत्याशित हमला कर दिया, जिसमें 26 सैनिकों समेत कम से कम 500 लोगों की मौत हो गई और कई लोगों को बंधक बना लिया गया। गाजा में कम से कम 250 लोगों की मौत हो गई । इजराइली टेलीविजन ने बंधक या लापता इजराइलियों के रिश्तेदारों की कई वीडियो प्रसारित की जो अपने प्रियजनों की जान जोखिम में होने के बीच मदद की गुहार लगाते हुए दिखे। गाजा में सीमा के निकट इजराइली हमलों से बचने के लिए निवासी अपने घरों को छोड़कर भाग गए। इजराइल के रियर एडमिरल डेनियल हेगारी ने पत्रकारों को बताया कि *सैकड़ों आतंकवादी* मारे गए हैं और कई अन्य को बंधक बना लिया गया है। इजराइल की उत्तरी सीमा पर इस हमले से उसके एक कट्टर शत्रु के युद्ध में शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है जिसे ईरान का समर्थन प्राप्त है और उसके पास हजारों रॉकेट होने का अनुमान है। हिजबुल्ला ने सीरिया में इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स के साथ लगती देश की सीमा पर एक विवादित इलाके में इजराइल के ठिकानों पर रविवार को कई रॉकेट दागे और गोलाबारी की। इजराइली सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए एक विवादित इलाके में हिजबुल्ला के ठिकानों पर ड्रोन हमले किए। इस इलाके की सीमा इजराइल, लेबनान और सीरिया से लगती है। हमास चरमपंथियों ने गाजा पट्टी पर एक सीमा बाड़ को तोड़ दिया और नजदीकी इजराइली समुदायों में घुसकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत कई नागरिकों को बंधक बना लिया। वहीं, इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा में कई इमारतें नेस्तनाबूद कर दी और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि देश युद्ध लड़ रहा है। हमास ने शनिवार सुबह गाजा पट्टी पर एक सीमा बाड़ को विस्फोटकों *-शेष पृष्ठ दो पर*

मेघालय के 27 नागरिक फलस्तीन में फंसे

शिलांग / नई दिल्ली। इजरायल और आतंकी संगठन हमास के बीच जंग जारी है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब हमास ने इजरायल के सात शहरों में ताबड़तोड़ रॉकेट दागे, जिसमें अब तक 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इजरायल ने भी हमास के खिलाफ ऑपरेशन एयर स्वोर्ड्स शुरू कर दिया है। हालांकि, इस दौरान भारत के मेघालय राज्य के 27 नागरिक फलस्तीन के बेथलहम शहर में फंस गए हैं। मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ने एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर एक पोस्ट में लिखा कि यरुशलम की पवित्र तीर्थयात्रा के लिए गए मेघालय के 27 नागरिक इजरायल और फलस्तीन के बीच तनाव के कारण बेथलहम में फंस गए हैं। मैं उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में हूं। बता दें, आतंकी संगठन हमास ने शनिवार को *-शेष पृष्ठ दो पर*

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
जो नास्तिक हैं उनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भगवान में विश्वास करना चाहिए इसी में उनका हित है।
- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

सिक्किम : जल प्रलय में असम के जवान की मौत

गुवाहाटी / नई दिल्ली। उत्तरी सिक्किम के ल्होनक झील में अचानक आई बाढ़ में लापता हुए असम के जवान की मौत हो गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी। हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पर लिखा कि शहीद जवान अमर रहे। असम के लिए दुखद क्षति। सिक्किम में आई दुर्भाग्यपूर्ण बाढ़ में हमने बक्सा जिले के रहने वाले भारतीय सेना के जवान मितुल कलिता को खो दिया। कलिता अलीपुरद्वार में सेना के तकनीकी विभाग में *-शेष पृष्ठ दो पर*

मणिपुर : राज्यमंत्री के आवास पर ग्रेनेड हमला, एक जवान समेत दो घायल

इंफाल। मणिपुर के पश्चिमी इंफाल जिले में राज्य मंत्री खेमचंद युमनम के आवास के पास हैंड ग्रेनेड विस्फोट में एक सीआरपीएफ जवान समेत दो लोग घायल हो गए। यह घटना शनिवार को युमनम लेकई में रात के कराब 10 बजे की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो मोटरसाइकिल सवार ने ग्रेनेड फेंका, जो कि मंत्री के आवास के मुख्य द्वार के कुछ ही मीटर दूर गिरा। घायल हुए सीआरपीएफ जवान की पहचान पश्चिम बंगाल के निवासी दिनेश चंद्र दास के तौर पर हुई है। उनके हाथ पर चोट आई है। वहीं दूसरी घायल व्यक्ति

एक महिला थी, उसके दाएं पंजे में चोट लगी थी। युमनाम ग्रामीण विकास और पंचायती राज *-शेष पृष्ठ दो पर*

अब आप पूर्व उग्रवादी नहीं, नागरिक हैं : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आत्मसमर्पण करके राष्ट्र की मुख्यधारा में लौट चुके राज्य के 1,181 पूर्व आदिवासी उग्रवादियों को संबोधित करते हुए आज कहा कि आप लोग आज से पूर्व उग्रवादी नहीं, बल्कि आम नागरिक कहे जाएंगे। ये बातें मुख्यमंत्री ने राजधानी के पंजाबारी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र प्रेक्षागृह में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर मई 2021 से असम में 7,229 विद्रोही मुख्यधारा में लौट आए। हमारी सरकार ने उनके पुनर्वास में 305 करोड़ रुपए का निवेश किया है। आज, हमने आदिवासी उग्रवादी समूहों से संबंधित 1,181 आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों को समझौते के मुताबिक 47 करोड़ रुपए के पुनर्स्थापन के लिए

दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनमें आदिवासी कोबरा मिलीटेंट ऑफ असम (एकमा), आदिवासी नेशनल लिबरेशन आर्मी (आनला), बिरसा कमांडो फोर्स (बीसीएफ), आदिवासी पीपुल्स आर्मी (एपीए) तथा संथाल टाइगर फोर्स (एसटीएफ) के पूर्व उग्रवादी शामिल हैं। *-शेष पृष्ठ दो पर*

पश्चिमी जयंतिया में भूस्खलन से दंपति व दो बच्चों की मौत

शिलांग (हि.स.)। मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले के पैथोर लांगटेन गांव में रविवार सुबह भूस्खलन की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। इनमें दंपति और उसके दो बच्चे शामिल हैं। मृतक परिवार के पिंजनाईवासी एक रिश्तेदार ने बताया कि घटना रात में हुई होगी। रविवार सुबह करीब 5 बजे पड़ोसियों ने पूरा घर मलबे में दबा देखा। भारी बारिश के कारण बियांकी फवाद का घर मलबे में दब गया था। इसके बाद पड़ोसियों ने मिलकर मलबा हटाया *-शेष पृष्ठ दो पर*

अविभाजित परिवार के मुखिया को संपत्ति बेचने का पूरा अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के *कर्ता* को परिवार की संपत्ति को बेचने या निपटाने या अलग करने का अधिकार है, भले ही परिवार के किसी नाबालिग का अविभाजित हित हो। शीर्ष अदालत ने बताया कि इसका कारण यह है कि एक एचयूएफ अपने कर्ता या परिवार के किसी वयस्क सदस्य

के माध्यम से एचयूएफ संपत्ति का प्रबंधन करने में सक्षम है। अदालत ने इस संबंध में नारायण बल बनाम श्रीधर सुतार (1996) के फैसले का हवाला दिया। अदालत ने कहा कि उस फैसले में कर्ता और एचयूएफ की स्पष्ट व्याख्या दी गई है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ऋण वसूली न्यायाधिकरण *-शेष पृष्ठ दो पर*

पूजा बोनस की मांग को लेकर माहौल गर्म

मरियानी। पूजा बोनस की मांग और अधिकारियों द्वारा दिए गए पूजा बोनस के बीच अंतर के कारण असम के जोरहाट जिले में स्थिति गरमा गई। घटना असम के जोरहाट जिले के काकोजान टी एस्टेट की है। काकोजान चाय बागान के वृक्षारोपण श्रमिकों ने आगामी पूजा के अवसर पर 20 प्रतिशत बोनस की मांग की थी। लेकिन अधिकारियों ने केवल 14 प्रतिशत बोनस की घोषणा की थी, जो उनकी मांग की तुलना में बहुत कम है। इससे श्रमिकों में गुस्सा फैल गया और उन्होंने 20 प्रतिशत बोनस की अपनी मांग के समर्थन में *-शेष पृष्ठ दो पर*

कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में साल में दो बार शामिल होना अनिवार्य नहीं : शिक्षा मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि विद्यार्थियों के लिए कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में साल में दो बार शामिल होना अनिवार्य नहीं होगा और एकल अवसर के डर से होने वाले तनाव को कम करने के उद्देश्य से यह विकल्प पेश किया जा रहा है। प्रधान ने दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि *डमी स्कूलों* के मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इस पर गंभीर चर्चा

करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के पास इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई की तरह ही साल में दो बार कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा में बैठने का विकल्प होगा। वे परीक्षा में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर चुन सकते हैं... लेकिन यह पूरी तरह से वैकल्पिक होगा, इसे लेकर कोई बाध्यता नहीं होगी। विद्यार्थी अकसर यह सोचकर तनावग्रस्त हो जाते हैं कि *-शेष पृष्ठ दो पर*

बिहार पुलिस का अमानवीय चेहरा

कुढ़नी (मुजफ्फरपुर)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिख रहा है कि कैसे कुछ पुलिसवाले एक दुर्घटना का शिकार हुए व्यक्ति की लाश को पुल से नहर में फेंक रहे हैं। वीडियो को एक राहगीर ने बनाया है। वीडियो के वायरल होते ही पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी है। इसे लेकर स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा भी किया। राष्ट्रीय राजमार्ग-77 पर फकुली ओपी क्षेत्र अंतर्गत पुल पर रविवार की सुबह अज्ञात वाहन से कुचलकर एक अधेड़ पुरुष की मौत हो गई। वहीं, दुर्घटना के उपरांत सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची फकुली ओपी पर शव को पुल के नीचे नहर में फेंक देने का आरोप लगाते हुए लोगों ने हंगामा किया। दरअसल, शव को पुल से नहर में फेंके जाने की घटना का वीडियो किसी राहगीर ने बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। वीडियो फुटेज में तीन पुलिसकर्मी शव को पुल से नीचे नहर में फेंकते दिख रहे हैं। हालांकि, प्रसारित वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है। इधर, दुर्घटना के बाद शव को पुलिस द्वारा नहर में फेंके जाने *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

NAME CORRECTION

I Kabir Hussain S/O Late Abu Taleb Ali Vill- Rangeswari, P.O. Tupamari P.S. Nagarbera, Dist. Kamrup, Before the Notary Public, Kamrup at Amingaon, Guwahati dt. 27.09. 2023. That my actual and correct name is Kabir Hussain,Which is recorded in my relevant documents. But in my HSLC documents my name has been inadver-tently recorded as Md.Kabir Hussain instead of Kabir Hussain.
Kabir Hussain
Rangeswari
P.O. Tupamari
Kamrup (Assam).

बाढ़ में मरने वालों की संख्या हुई 33, लापता लोगों की तलाश जारी

गंगटोक। सिक्किम में तीस्ता नदी में आई अचानक बाढ़ के मलबे से नौ सैन्य कर्मियों सहित 32 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं जबकि 100 से ज्यादा लापता लोगों की तलाश के लिए खोज अभियान अब भी जारी है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसएसडीएमए) के मुताबिक, बुधवार तड़के बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने 41,870 लोगों को प्रभावित किया है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों से अभी तक 2563 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इतना ही नहीं सिक्किम के ज्यादातर इलाकों का संपर्क दूसरे राज्यों से टूट गया है। एसएसडीएमए ने बताया कि 122 लापता लोगों की तलाश अब भी जारी है। सिक्किम के पकयोंग जिले में 78, गंगटोक जिले में 23, मंगन में 15 और नामची में छह लोग लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि खोज अभियान में विशेष रडार, ड्रोन और सैन्य कुत्तों को लगाया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक पकयोंग में 21, गंगटोक में छह, मंगन में चार और नामची में एक शव बरामद किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, सिक्किम की जीवन रेखा माने जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर सड़कों में दरार आने व तीस्ता नदी पर कई पुल क्षतिग्रस्त होने की वजह से आवाजाही बंद है। उन्होंने बताया कि कि रंगपो और सिंगताम के बीच खंड को खोलने और उसे चौड़ा करने की प्रक्रिया जारी है। इस बीच, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने सिक्किम के मुख्य सचिव वीबी पाठक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सीमा सड़क संगठन, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, य सेना और नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ ताशिलिंग सचिवालय में एक आपातकालीन समीक्षा बैठक की। जानकारी के मुताबिक, लगभग 1320 घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और शनिवार शाम तक 2563 लोगों को बचाया गया। बचाए गए लोगों में से 26 लोग गंभीर रूप से घायल थे जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती किया गया। यह त्रादसी चार अक्तूबर को सुबह छह बजे हुई, जिसमें तीस्ता-वी पनबिजली स्टेशन के नीचे की ओर 13 पुल बह गए, जो जलमग्न हो गए थे, जिसके कारण संचार बाधित हो गया। केंद्रीय राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि स्थिति पर पूरी नजर रखी जा रही है और राज्य के लिए सभी आवश्यक समर्थन और सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नुकसान का आकलन और बचाव एवं राहत कार्य के संबंध में मुख्यमंत्री पी एस तमांग के साथ लगातार संपर्क में हैं।

नांदेड़ स्थित सरकारी अस्पताल में 24 घंटे में फिर 15 मरीजों की मौत

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में पिछले 24 घंटे में 15 और लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 नवजात शिशु और 2 बच्चे भी हैं। अस्पताल में एक सप्ताह से लगातार मौतों का सिलसिला जारी है और पिछले 7 दिनों में 83 मौतें हुई हैं। इनमें 37 शिशु और बच्चे हैं। आश्चर्य की बात यह कि इस अस्पताल में हो रही मौतों की जांच को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया था। इस समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट में अस्पताल को क्लीन चिट दे दी है। जांच समिति की रिपोर्ट के बाद भी मौतों का सिलसिला जारी रहने से स्थानीय जनता में रोष व्याप्त है। अधिकारियों के मुताबिक इस अस्पताल में दो अक्तूबर से मरीजों की मौत का सिलसिला शुरू हुआ। उस दिन यहां 24 घंटे में 12 नवजात समेत 24 मरीजों की मौत दर्ज की गई थी। इसके बाद तीन अक्तूबर को 24 घंटे में 7 मरीजों की मौत हुई थीं, जिनमें 4 नवजात थे। इसी तरह 4 अक्तूबर को 24 घंटे में 2 शिशुओं समेत 6 मरीजों की मौत हुई थी। पांच अक्तूबर को 24 घंटे में 5 नवजात समेत 14 मरीजों की मौत, 6 अक्तूबर को 24 घंटे में 4 शिशुओं समेत 11 मरीजों की मौत, 7 अक्तूबर को 24 घंटे में 1 नवजात शिशु, 1 बच्चे सहित 6 मरीजों की मौत और 8 अक्तूबर को 24 घंटे में 6 नवजात शिशु, 2 बच्चों सहित 15 मरीजों की मौत हुई। इस तरह इस अस्पताल में पिछले सात दिनों में कुल 83 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें 37 नवजात शिशु एवं बच्चे शामिल हैं। सरकार ने दावा किया है कि सरकारी अस्पतालों में दवा की कमी नहीं है, जबकि बताया जा रहा है कि सरकारी अस्पतालों में दवाओं की भारी कमी हो गई है। मरीजों को बाहर से दवा खरीदना पड़ता है और दवा समय पर दवा नहीं मिलने से गंभीर मरीजों की जान जा रही है। इस मामले को लेकर बाम्बे हाई कोर्ट ने सरकार की खिंचाई की थी।

पटाखे की दुकान में आग से गई 14 की जान, सीएम ने जताया शोक

बंगलूरू। बंगलूरू शहर में अनेकल तालुक के अट्टीबेले में शनिवार को एक पटाखे की दुकान में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रविवार को कहा कि निष्कर्षों के आधार पर इस मामले की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना में 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, तो वहीं इलाज के दौरान दो अन्य लोगों की मौत हुई थी। मुख्यमंत्री ने इस घटना पर कहा कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। जांच में यह देखा जाएगा कि पटाके की दुकान पर एहतियाती और सुरक्षा उपाय किए गए थे या नहीं। पुलिस ने दुकान के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने बताया कि मालिक के बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। शनिवार एक लॉरी से पटाखे उतारने के दौरान यह हादसा हुआ था। घटना में दुकान के मालिक भी झुलस गए हैं इस घटना में मरने वाले ज्यादातर तमिलनाडु के रहने वाले थे। कर्नाटक सरकार ने मरने वालो के परिजनों को मुआवजे के तौर पर पांच लाख रुपए देने का एलान किया है।

न्यू माल जंक्शन पर दो एक्सप्रेस ट्रेनों का हुआ ठहराव

गुवाहाटी (हिंस)। रेलयात्रियों की सुविधा के लिए 08 अक्तूबर से अगली सूचना तक ट्रेन संख्या 19306 (कामाख्या-डॉ. अंबेडकर नगर) एक्सप्रेस का न्यू माल जंक्शन पर दो मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। साथ ही 6 अक्तूबर को आनंद विहार से प्रस्थान और 08 अक्तूबर को न्यू माल जंक्शन पर पहुंची ट्रेन संख्या 15622 (आनंद विहार-कामाख्या) एक्सप्रेस इस स्टेशन पर ठहराव के लिए पहली बार रूकी। 12 अक्तूबर से यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 19305 (डॉ. अंबेडकर नगर-कामाख्या) एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 15621 (कामाख्या-आनंद विहार) एक्सप्रेस भी न्यू माल जंक्शन पर रुकेगी।

नगांव में दीवार से टकराई गाड़ी, चालक की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव के पुरनीगोदाम में आज तड़के एक भीषण सड़क हादसा हुआ। चार लेन की सड़क के टूटे हुए डिवाइडर में लगते हुए एकगाड़ी सड़क के दूसरी ओर स्थित एक घर के दीवार से जा टकराई। गाड़ी ऊपरी असम से नगांव की ओर आ रही थी। हादसे का शिकार हुई स्कॉर्पियो वाहन (एएस-12एबी-3669) के चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। लोगों ने आरोप लगाया कि फोर लेन सड़क की बदइंतजामी के कारण अक्सर दुर्घटनाएं हो रही हैं। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। काफी देर बाद क्रेन की मदद से गाड़ी के अंदर फंसे ड्राइवर का शव निकाला गया। मृतक चालक की पहचान हीरू कुमार छेत्री के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक तेजपुर के चटाई चापरी का निवासी था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नौका दौड़ के दौरान नाव पलटी

नगरबेरा। असम में एक नाव रेसिंग कार्यक्रम के दौरान एक नाव पलटने से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना 8 अक्तूबर को कामरूप (ग्रामीण) जिले के नगरबेरा के मालीबारी में हुई। यह घटना मालीबारी में जलजली नदी पर हो रही नौका दौड़ के दौरान हुई। नाव, दौड़ के बीच में डूबने लगी और तेजी से पानी में डूब गई, जिससे सभी नाविक पानी में गिर गए। हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ क्योंकि मौके पर मौजूद एसडीआरएफ की टीम ने सभी नाविकों को समय रहते बचा लिया। दुर्घटनाग्रस्त नाव पर सवार सभी नाविकों को बचा लिया गया और सुरक्षित स्थान पर लाया गया। किसी के घायल होने या आकस्मिक रूप से रिपोर्ट न होने से, नाव पर सवार सभी नाविक बाल-बाल बच गए।

पृष्ठ एक का शेष

युद्ध : लगातार बढ़ रहा...

के हमले में कम से कम 600 लोगों की मौत हो गई और 1,500 से अधिक अन्य घायल हुए हैं। यह इजराइल में हाल के दशकों में हुए सबसे वीभत्स हमलों में से एक है। इजराइल के इस हमले का बदला लेने के संकल्प और हिजबुल्ला के हमलों के कारण इस संघर्ष के गहराने का खतरा बढ़ गया है। इजराइल और हिजबुल्ला कट्टर शत्रु हैं और दोनों ने पहले भी कई बार युद्ध लड़ा है। वर्ष 2006 में 34 दिन तक चले संघर्ष में लेबनान में 1,200 और इजराइल में 160 लोग मारे गए थे।

हिजबुल्ला ने भी ...

से उड़ा दिया और उसके बाहर 22 स्थानों में घुसकर हमला किया। हमास ने इजराइली शहरों पर हजारों रॉकेट दागे। रविवार को इजराइली सेना ने बताया कि उसके सैनिक आठ स्थानों पर हमास के आतंकवादियों से लड़ रहे हैं। इजराइली सेना ने बताया कि उसने गाजा में 426 ठिकानों पर हमले किए और बड़े-बड़े विस्फोटों से कई रिहायशी इमारतें ढेर कर दीं। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गाजा पट्टी में 20 बच्चों समेत कम से कम 256 लोगों की मौत हो गई और करीब 1,800 लोग घायल हुए हैं। इजराइली मीडिया ने बचाव सेवा अधिकारियों के हवाले से बताया कि हमास के हमले में कम से कम 500 लोगों की मौत हो गई और 1,500 से अधिक अन्य घायल हुए हैं। यह इजराइल में हाल के दशकों में हुए सबसे वीभत्स हमलों में से एक है। इजराइल के इस हमले का बदला लेने के संकल्प और हिजबुल्ला के हमलों के कारण इस संघर्ष के गहराने का खतरा बढ़ गया है। इजराइल और हिजबुल्ला कट्टर शत्रु हैं और दोनों ने पहले भी कई बार युद्ध लड़ा है। वर्ष 2006 में 34 दिन तक चले संघर्ष में लेबनान में 1,200 और इजराइल में 160 लोग मारे गए थे। इजराइल की उत्तरी सीमा पर महीनों से तनाव बना हुआ है। हिजबुल्ला ने एक बयान में कहा कि *फलस्तीनी विरोध* के साथ एकजुटता जताने के लिए *बड़ी संख्या में रॉकेट और विस्फोटकों* का इस्तेमाल कर यह हमला किया गया। उसने बताया कि इजराइली ठिकानों को सीधे निशाना बनाया गया। इजराइली सेना ने भी लेबनानी इलाकों में ड्रोन हमले किए। इजराइल के मुख्य भूभाग के बजाय एक विवादित क्षेत्र में उसके ठिकानों पर हमला कर हिजबुल्ला ने संभवत: अपने धुर विरोधी के साथ बड़े पैमाने पर लड़ाई से बचने की कोशिश की है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शनिवार रात को टेलीविजन पर दिए संबोधन में कहा कि इजराइली सेना हमास की युद्ध क्षमताओं को खत्म करने के लिए हरसंभव उपाय का इस्तेमाल करेगी और इस काले दिन का बदला लेगी। उन्होंने आगाह किया कि इस युद्ध में वक्त लगेगा। यह मुश्किल होगा। उन्होंने गाजा के निवासियों से कहा कि अब वहां से निकल जाओ। रात होने के बाद गाजा में इजराइली हमले तेज हो गए। बड़े-बड़े विस्फोटों के जरिये कई रिहायशी इमारतें ढहा दी गईं। शनिवार सुबह इस हमले के स्तर और समय ने इजराइलियों को चौंका दिया। हमास के लड़ाकों ने लंबे समय से अवरुद्ध भूमध्यसागरीय क्षेत्र को घेरने वाली सीमा बाड़ को तोड़ने के लिए विस्फोटकों का इस्तेमाल किया, फिर मोटरसाइकिल, पिकअप ट्रक, पैराग्लाइडर और तेज गति वाली नौकाओं से तट पर पहुंच गए। एक वीडियो में एक सामुदायिक कार्यक्रम में नाच रहे सैकड़ों युवाओं को हमास के आतंकवादियों के इलाके में घुसने और उन पर गोलियां चलाना शुरू करने के बाद भागते हुए देखा गया। शनिवार को मारे गए लोगों में एक वरिष्ठ अधिकारी कर्नल जोनाथन स्टीनबर्ग भी शामिल रहे जिन्होंने इजराइली सेना की एक प्रतिष्ठित इकाई नहल ब्रिगेड की कमान संभाली थी। तेल बर्गमैन के अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रविवार सुबह होने से पहले आतंकवादियों ने गाजा से और रॉकेट दागे और इजराइल के तटीय शहर एश्केलोन में एक अस्पताल को निशाना बनाया। पूरे इजराइल में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इजराइली सेना ने बताया कि हमास ने 3,500 से अधिक रॉकेट दागे। हमास की सैन्य शाखा के नेता मोहम्मद देइफ ने कहा कि यह हमला गाजा की 16 साल की नाकाबंदी और हाल की कई घटनाओं की प्रतिक्रिया है। पिछले साल इजराइल की धुर-दक्षिणपंथी सरकार ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्तियों का निर्माण तेज कर दिया। इजराइली निवासियों की हिंसा ने वहां सैकड़ों फलस्तीनियों को विस्थापित कर दिया है और यरुशलम के पवित्र स्थल के आसपास तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गाजा के हमास चरमपंथियों द्वारा इजराइल के खिलाफ इस भयावह हमले की निंदा की। व्हाइट हाउस के एक बयान के अनुसार, बाइडन ने नेतन्याहू से बात की और कहा कि इजराइल को अपनी और अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है। इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे सऊदी अरब ने एक बयान जारी करके दोनों पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया। सऊदी अरब ने कहा कि उसने बार-बार कब्जे (और) फलस्तीनी लोगों को उनके वैध अधिकारों से वंचित किए जाने के परिणामस्वरूप स्थिति के विस्फोटक होने के खतरों के बारे में चेतावनी दी थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब न्यायपालिका में आमूल-चूल परिवर्तन के नेतन्याहू के प्रस्ताव को लेकर इजराइल के भीतर भारी विरोध जारी है। योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में हजारों इजराइली प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर गए हैं। गाजा और इजराइल में लड़ाई के बीच फलस्तीनियों ने शनिवार रात को वेस्ट बैंक के आसपास के शहरों में प्रदर्शन किया।

मेघालय के 27 नागरिक...

स्वतंत्र फलस्तीन की मांग करते हुए इजरायल के सात शहरों पर अचानक हमला कर दिया। इस दौरान उसने हजारों रॉकेट दागे, जिसमें शारनेगेव शहर के मेयर समेत 300 से अधिक लोग मारे गए। हमास के आतंकियों ने कई विदेशी नागरिकों को भी बंधक बना लिया है। हमास के हमले का जवाब देते हुए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी युद्ध का एलान कर दिया। उन्होंने कहा कि हमास के सभी ठिकानों को मलबे में तब्दील किया जाएगा। उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल का समर्थन करते हुए हमास के हमले की निंदा की और हर संभव सहायता देने का भरोसा दिया। वहीं, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और जापान समेत अन्य देशों ने भी इजरायल का समर्थन किया है, जबकि सऊदी अरब, मिस्र और रूस ने युद्धविराम की अपील की है। इजरायल के जवाबी हमले में अब तक हमास के 230 आतंकी मारे गए हैं। न्यूज एजेंसी अल जजीरा ने यह जानकारी दी। हमास ने यह हमला तब किया, जब यहूदी धर्म मनाने वाले लोग अपना त्योहार मना रहे थे। ऐसा हमला 50 साल पहले 1973 में इजरायल पर किया गया था। यह हमला मिस्र और सीरिया की सेनाओं ने किया था। दोनों देश 1967 के युद्ध में इजरायल द्वारा कब्जा की गई अपनी जमीन छुड़ाना चाहते थे।

मणिपुर : राज्यमंत्री के आवास...

मंत्री हैं। इस घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने इस हमले की निंदा भी की। मणिपुर सरकार ने मंजूरी लिए बिना जिलों और संस्थानों के नाम बदलने के खिलाफ एक अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना में कहा गया है कि इस तरह का कदम समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर सकता है तथा कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति को बिगाड़ सकता है। राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यदि कोई दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते पाया गया, तो उसके खिलाफ संबंधित कानूनों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सचिव विनीत जोशी की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य सरकार की मंजूरी के बिना कोई भी जानबूझकर जिलों, उप-मंडलों, स्थानों, संस्थानों के नाम बदलने का कार्य नहीं करेगा या करने का प्रयास नहीं करेगा। इसमें आगे कहा गया कि मणिपुर सरकार को विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि नागरिक समाज से जुड़े कई संगठन, संस्थान, प्रतिष्ठान और व्यक्ति जानबूझकर जिलों का नाम बदल रहे हैं या नाम बदलने की कोशिश कर रहे हैं,जो कि आपत्तिजनक है। इससे राज्य में रहने वाले समुदायों के बीच विवाद और संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। सरकार ने यह कदम तब उठाया जब चुराचांदपुर में जो समुदाय के संगठन ने जिले को *लमका* नाम दिया है।

अब आप पूर्व ...

उल्लेखनीय है कि इन उग्रवादी संगठनों के आठ गुटों के 1,183 कैडरों ने हथियार के साथ चालू वर्ष की 6 जुलाई को इसी स्थान पर आत्मसमर्पण किया था। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इनके आत्मसमर्पण के दौरान हस्ताक्षर किए गए समझौता पत्र के अधिकांश प्रावधानों को लागू किया जा चुका है। आज उनके पुनर्संस्थापन से संबंधित एकॉर्ड के क्लाज 3 के प्रावधान को भी पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक कैडरों के नाम से स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया में 4 लाख रुपए की फिक्स डिपाजिट कर दी जाएगी। इस फिक्स्ड डिपॉजिट के आधार पर तत्काल ही 3 लाख 20 हजार रुपए का ऋण बगैर किसी गारंटी के लिया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि 3 वर्ष की अवधि में किस्तों में 3 लाख 20 हजार रुपए का कर्ज चुका दिया जाता है तो 4 लाख रुपए की फिक्स डिपाजिट की राशि वे बैंक से निकाल सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके अलावा सरकार द्वारा राज्य के बेरोजगारों के लिए जो सब्सिडी वाले ऋण की घोषणा की गई है, उसके तहत भी आप सभी भी ऋण ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा यदि कोई कौशल विकास संबंधी ट्रेनिंग लेना चाहता है तो वह असम पुलिस की विशेष शाखा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हिरेन नाथ से सीधे संपर्क कर सकता है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने इन सबके लिए शुभकामनाएं दी। राज्य के गृह विभाग तथा असम पुलिस की विशेष शाखा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ राज्य के मुख्य सचिव पवन कुमार बरठाकुर, राज्य के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हिरेन नाथ, आईएएस अधिकारी रवि कोटा, नीरज वर्मा समेत कई वरिष्ठ पुलिस एवं नागरिक प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

पश्चिमी जयंतिया में ...

लेकिन तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। मृतकों में गृहस्वामी 29 वर्षीय बियांकी फवा, बियांकी की पत्नी पिंजनाई रिंखालेम और उनके 5 और 3 साल के बेटे एडफिफाई रिन्खालेम और इवाडारोई रिन्खालेम थे। पड़ोसियों ने बताया कि फवाद एक मेहनती व्यक्ति था और दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करके अपनी आजीविका चलाता था। उनकी पत्नी भी उनके साथ काम करती थीं।

अविभाजित परिवार ...

में कार्यवाही को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मद्रास हाईकोर्ट ने भी न्यायाधिकरण के फैसले को बरकार रखा था। इसके बाद एनएस बालाजी के सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। याचिकाकर्ता बालाजी ने दावा किया कि विचाराधीन संपत्ति एक संयुक्त परिवार की संपत्ति या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) की संपत्ति थी, जिसे उसके पिता ने गारंटर के रूप में गिरवी रखा था। शीर्ष अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता के पिता, एचयूएफ के *कर्ता* के रूप में एचयूएफ की संपत्ति गिरवी रखने के हकदार थे। एचयूएफ के अन्य सदस्यों को इसमें सहमति देने वाले पक्ष होने की आवश्यकता नहीं है। अलगाव के बाद एक समान उत्तराधिकारी (कोपार्सनर) उस स्थिति में कर्ता के कार्य को चुनौती दे सकता है, यदि अलगाव कानूनी आवश्यकता या संपत्ति की बेहतरी के लिए नहीं हो। इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में दखल का कोई कारण नहीं बनता।

पूजा बोनस की ...

प्रशासनिक कार्यालय और चाय बागान के कारखाने दोनों को घेर लिया। खबरों के मुताबिक, मजदूरों के गुस्से से बचने के लिए चाय बागान के डायरेक्टर और डिप्टी डायरेक्टर दोनों मौके से भाग गए। उनकी मांग के समर्थन में बड़ी संख्या में लोग परिसर में एकत्र हुए। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए सर्कल इंस्पेक्टर के नेतृत्व में मरियानी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों और कर्मियों की एक टीम वहां पहुंची। इससे पहले, वर्ष 2022-23 के लिए चाय बागान श्रमिकों को बोनस के भुगतान के मुद्दे की समीक्षा के लिए एक विशेष बैठक बुधवार को नगांव डीसी के सम्मेलन हॉल में आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता जिला आयुक्त नरेंद्र कुमार साह ने की। बैठक के दौरान, अतिरिक्त जिला आयुक्त लक्ष्यज्योति दास ने बैठक के प्राथमिक एजेंडे पर प्रकाश डाला, जिसमें आगामी दुर्गा पूजा के मद्देनजर नगांव जिले के अंतर्गत चाय बागान श्रमिकों को बोनस के समय पर भुगतान से संबंधित मामलों पर चर्चा करना है। सहायक श्रम आयुक्त नरेश दास ने बैठक में सदस्यों को मानदंडों के अनुसार बोनस भुगतान से संबंधित तकनीकी मुद्दों से अवगत कराया और चाय बागान प्रबंधन के प्रतिनिधियों से इस पर काम करने को कहा। संबंधित श्रमिकों के साथ-साथ श्रमिक संघ भी बोनस प्रतिशत और संवितरण के संबंध में एक सौहार्दपूर्ण समझौते पर पहुंचेंगे।

कक्षा 10 और 12 की...

उनका एक साल बर्बाद हो गया, उनका मौका चला गया या वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे... एकल अवसर के डर से होने वाले तनाव को कम करने के लिए यह विकल्प पेश किया जा रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि वह पूरी तरह से तैयार है और परीक्षा के पहले सेट में प्राप्तांक से संतुष्ट है, तो वह अगली परीक्षा में शामिल न होने का विकल्प चुन सकता है तथा कुछ भी अनिवार्य नहीं होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा अगस्त में घोषित नई पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) के अनुसार, बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विद्यार्थियों के पास अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय और अवसर हो तथा उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए रखने का विकल्प मिले। प्रधान ने कहा कि साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की योजना पर उन्हें विद्यार्थियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि नई पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) की घोषणा के बाद मैं कई विद्यार्थियों से मिला। उन्होंने इसकी सराहना की है और इस विचार से खुश हैं। हमारी कोशिश है कि 2024 से साल में दो बार परीक्षाएं आयोजित की जाए। इस साल राजस्थान के कोटा में रिकॉर्ड संख्या में विद्यार्थियों के आत्महत्या करने के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। किसी की जान नहीं जानी चाहिए...वे हमारे बच्चे हैं। यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि विद्यार्थी तनाव मुक्त रहें। इंजीनियरिंग के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) जैसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना दो लाख से अधिक विद्यार्थी देश भर से कोटा जाते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस साल कोटा में 23 छात्रों ने आत्महत्या की, जो वहां अब तक की सबसे अधिक संख्या है। पिछले साल यह आंकड़ा 15 था। प्रधान ने कहा कि अब समय आ गया है कि डमी स्कूलों के मुद्दे पर गंभीर चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, ऐसे विद्यार्थियों की संख्या कुल विद्यार्थियों की संख्या की तुलना में बहुत अधिक नहीं है...अब समय आ गया है कि इस विषय पर गंभीर चर्चा और विचार-विमर्श किया जाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है कि विद्यार्थियों को कोचिंग की आवश्यकता न पड़े। नीट और जेईई की तैयारी करने वाले कई उम्मीदवार अपने गृह राज्यों के स्कूलों में दाखिला लेते हैं और कोचिंग कक्षाओं के लिए कोटा जाते हैं। ज्यादातर समय वे स्कूल नहीं जाते हैं और सीधे बोर्ड परीक्षा में शामिल होते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू नहीं करने के कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के फैसले के बारे में पूछे जाने पर प्रधान ने कहा कि इन राज्यों की आपत्तियां अकादमिक नहीं बल्कि राजनीतिक हैं। उन्होंने कहा कि मैं अब तक नहीं समझ पाया हूं कि उनकी असल आपत्ति किस बात पर है। पश्चिम बंगाल ने वैकल्पिक मसौदा जारी किया है। हमने इसे देखा है और यह 99 प्रतिशत एनईपी के समान ही है। प्रधान के मुताबिक, शिक्षा और कौशल विकास मंत्रालय 21वीं सदी के कार्यस्थल क्षेत्र में आगे बढ़ने के वास्ते नई पीढ़ी को तैयार करने के लिए साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

बिहार पुलिस का...

की जानकारी मिलते ही बड़ी तादाद में ग्रामीण घटनास्थल पहुंच हंगामा करने लगे। हंगामे की सूचना मिलने पर फकुली ओपी पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और दो सैप जवानों ने नहर में प्रवेश कर उक्त शव को पानी से निकाला। हालांकि, फकुली ओपी प्रभारी मोहन कुमार ने दुर्घटना के बाद शव को नहर में फेंके जाने की घटना से साफ इनकार किया। उन्होंने कहा कि अज्ञात वाहन ने अधेड़ पुरुष को कुचल दिया था। मृतक की पहचान अभी नहीं हुई है। उनका कहना था कि शव के सुरक्षित हिस्से को पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है, जबकि दुर्घटना के बाद शव का जो हिस्सा रोड से बुरी तरह चिपक गया था, उस हिस्से को नहर में प्रवाहित कर दिया गया है। वहीं, इस पूरी घटना पर वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने बाद में बताया कि वायरल वीडियो की जांच कराई गई जिसमें तीन पुलिसकर्मियों को दोषी पाया गया है। इनमें चालक सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, दो गृहरक्षकों को ड्यूटी से क्लोज कर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

सिक्किम : जल प्रलय में ...

कार्यरत थे। बता दें कि शनिवार को तीस्ता नदी में आई अचानक बाढ़ में लापता हुए 62 लोग जीवित मिल गए। कुल 22 सैनिक लापता हुए थे, जिनमें से शनिवार तक नौ के शव बरामद हो गए हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सिक्किम में आई बाढ़ में जान गंवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने एक्स पर किए गए एक पोस्ट में लिखा कि 13 सैनिकों और 81 लापता नागरिकों को बचाने के लिए सर्च अभियान जारी है। बाढ़ में बहकर आए 42 शवों को बंगाल के विभिन्न हिस्सों से निकाला गया है। सिक्किम के मंगन जिले के लाचेन और लाचुंग में तीन हजार से अधिक पर्यटक फंसे हुए हैं। बाढ़ से कुल 41 हजार 870 लोग प्रभावित हुए हैं। इनमें से 30 हजार 300 लोग सिर्फ मंगन जिले के हैं। उत्तरी सिक्किम में बाढ़ में 13 पुल बह गए। छह हजार 875 लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली। एक हजार 320 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उधर सिक्किम में बाढ़ के कारण बड़ी आबादी प्रभावित हुई है। सेना के जवानों समेत कई नागरिकों की मौत हो चुकी है। हालात की गंभीरता के मद्देनजर गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी आज हालात का जायजा लेने सिक्किम के मानगन पहुंचे। सिक्किम में बाढ़ प्रभावित लोगों को रिलीफ कैंप में रखा गया है। गृह राज्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित महिलाओं और स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी परेशानी जानने के बाद केंद्र सरकार की तरफ से मदद का पूरा भरोसा दिलाया। इसी बीच बाढ़ के कारण जान गंवाने वाले असम निवासी भारतीय सेना के जवान को सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पोस्ट कर श्रद्धांजलि दी। बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद सिक्किम के मानगन में मीडिया से बात करते हुए गृह राज्यमंत्री ने कहा कि यह एक बहुत बड़ी त्रासदी है। वास्तव में बाढ़ का संकट बड़ा है, बहुत बड़ा नुकसान हुआ है, लोग लापता हैं, और कई लोग हताहत भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि सिक्किम के कई इलाकों में सड़क संपर्क टूटने के कारण भी भारी नुकसान हुआ है। गृह राज्यमंत्री ने केंद्र सरकार की तरफ से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। गृह राज्यमंत्री के अनुसार, पीएम मोदी ने सिक्किम के सीएम से बात कर हालात सामान्य बनाने के प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से तैनात किए गए राहत और बचाव कर्मी के साथ-साथ सुरक्षाबल लगातार लापता लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह ने कृषि, सड़क और परिवहन, ऊर्जा, जल, वित्त सहित छह मंत्रालयों की एक टीम बनाई है। गृह मंत्रालय इसका नेतृत्व कर रहा है। इस टीम का मकसद सिक्किम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में हालात की समीक्षा करना और बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान की समीक्षा के बाद दोबारा इनका निर्माण करने के प्रयास करना है।

सैल्यूट तिरंगा की पूरे भारत में एक अनूठी पहचान

गुवाहाटी (हिंस)। सैल्यूट तिरंगा अपनी कार्यशैली के लिए पूरे भारत में एक अनूठी पहचान स्थापित करने में सफल रहा है। यह सब भारत के 22 राज्यों और 18 देशों में मेहनतकश सदस्यों की निष्ठा, परिश्रम और देशभक्ति के कारण संभव हुआ है। इस संगठन का कार्य अभी भी देश के कई राज्यों में विस्तारित हो रहा है। यह असम, दिल्ली, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, दमन एवं दीप, उत्तर प्रदेश, झारखंड, राजस्थान आदि में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जो एक सक्रिय संगठन का संकेत है। सैल्यूट त्रिरंगा हमेशा 2 अक्तूबर को गांधी जयंती पर *तिरंगा दिवस* मनाता है और उस दिन देश के महत्वपूर्ण शहरों में मेगा मैराथन का आयोजन किया जाता है। सैल्यूट तिरंगा पूरे देश में, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, कारगिल दिवस, पुलवामा दिवस और तिरंगा दिवस मनाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, संगठन जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को राष्ट्रवाद और देशभक्ति का संदेश भेजता है। सैल्यूट तिरंगा संगठन के मुख्य उद्देश्य हैं देश के लोगों में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना पैदा करना, शहीद सैनिकों के घर, परिवार और शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना, गरीब विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान में योगदान देना, स्वच्छ भारत के निर्माण में योगदान देना, रक्तदान करके जीवन बचाना, खुद को आम लोगों की सेवा में समर्पित करना, पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण, भारत के सभी राज्यों में गरीबों और आम लोगों के लाभ के लिए भारत सरकार और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं तक पहुंच को सुविधाजनक बनाना, किसानों और कृषक समुदायों के हितों और लाभों की दिशा में काम करना, समाज में भ्रष्टाचार और खतरों के खिलाफ बोलना आदि। देश के प्रमुख राष्ट्रवादी संगठन, सैल्यूट त्रिरंगा ने 2021 में असम में अपना संगठन शुरू किया। *सैल्यूट तिरंगा* की राज्य समिति का गठन 2022 में किया गया था। उसी वर्ष, 10 जिलों और छह अलग-अलग प्रकोष्ठों में 150 सदस्यीय पूर्ण समितियां बनाई गईं। असम के 22 जिलों में संगठन की गतिविधियों को चलाने के लिए सदस्य राज्य समिति का गठन पहले ही किया जा चुका है। *सैल्यूट त्रिरंगा* ने एक बाइक रैली आयोजित की है। जिसका उद्देश्य देश में जनसंख्या असंतुलन के खिलाफ लोगों में जागरूकता पैदा करना है। सैल्यूट तिरंगा राज्य स्तर पर स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए समय-समय पर पुरस्कार समारोह आयोजित करता रहा है। स्वतंत्रता दिवस पर लोगों में राष्ट्रवादी भावना और देशभक्ति की भावना जगाने के लिए राज्य भर में 10 हजार झंडे बांटे गए हैं। स्थापना दिवस पर मरीजों के बीच फल और सब्जियां बांटी गई हैं। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की याद दिलाने के लिए रक्षा बंधन पर गुवाहाटी में 500 राखियां वितरित की गई हैं। सैल्यूट तिरंगा के लक्ष्यों और उद्देश्यों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 200 नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों को *सैल्यूट तिरंगा* की पुस्तिकाएं और मोमेंट्स इसी बीच वितरित किए जा चुके हैं। सैनिक कल्याण कार्यालय में एक शहीद स्मारक पट्टिका लगाई गई। समाज में योग्य खिलाड़ियों को सामने लाने के लिए वॉलीबॉल, फुटबॉल और क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया है। सैल्यूट तिरंगा ने हमेशा लोगों में देशभक्ति और देशप्रेम की भावना जगाने का काम किया है। सैल्यूट तिरंगे ने हमेशा देश के वीर सपूतों के सम्मान के लिए काम किया है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए नारा *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए *सैल्यूट तिरंगा* असम में विभिन्न कार्यक्रम शुरू कर रहा है, जिसका उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे सामाजिक दृष्टिकोण को मौलिक रूप से बदलना है। मोदी ने देश के लोगों को तेजी से सार्वभौमिक स्वच्छता के अंतर्गत लाने और लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता की आवश्यकता और देश को स्वच्छ रखने की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने के लिए 2 अक्तूबर 2014 को गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया था। भारत सरकार के इस आह्वान को सफल बनाने के लिए सैल्यूट तिरंगा ने असम में विभिन्न कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। आज की बैठक में इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा एवं सचिव सच्चिदानंद पोखरियाल उपस्थित रहे। बैठक में असम के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों और प्रत्येक आमंत्रित राष्ट्रवादी व्यक्ति और शुभचिंतकों ने भाग लिया।

रोटरी स्मार्ट सिटी का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। भरलुमुख स्थित सोनाराम एचएस स्कूल में रोटरी क्लब गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के तत्वावधान में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर शंकरदेव नेत्रालय, गुवाहाटी के विशेषज्ञ टीम द्वारा नेत्र जांच की। स्कूल परिसर में कुल 126 विद्यार्थियों व शिक्षकों के नेत्रों की नि:शुल्क जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। स्कूल की प्राचार्य मंजू नाथ ने क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस तरह के शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। क्लब के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने प्राचार्य को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी क्लब की ओर से इस तरह के सहयोग जारी रहेगा। इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष रवि अग्रवाल, सचिव अभिषेक जैन, कार्यक्रम संयोजक डॉ. बीपी तोदी, सह-संयोजक मानस मजुमदार आदि सदस्य मौजूद थे।

बिहदिया में अमृत कलश यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा

सीएम ने की एक किलोमीटर पैदल यात्रा

रंगिया (विभास)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कामरूप जिले के कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बिहदिया विकास खंड कार्यालय में आयोजित अमृत कलश यात्रा में भाग लेकर *मेरा देश मेरी माटी* कार्यक्रम को एक विशेष मात्रा प्रदान की। आज सुबह मुख्यमंत्री जालिकोना पहुंचे और स्थानीय लोगों के साथ ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर से ब्लॉक कलश लेकर तक मिट्टी का रहे स्थानीय लोगों शोभायात्रा कर एक किलोमीटर के साथ लगभग वहां उन्होंने उक्त तक पैदल चले। अंतर्गत आने वाले विकास खंड के सभी गांव-पंचायतों से शोभायात्रा के साथ कलश में लायी गई मिट्टी को एकसाथ मिलाकर पीतल के कलश में भरा। इस अवसर पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ की यह अमृत कलश यात्रा देश की एकता को मजबूत करेगी और हमें देश के प्रति और अधिक प्रतिबद्ध बनाएगी। बैठक में स्वागत भाषण कमलपुर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक दिगंतो कलिता ने दिया और मंगलदै लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया ने भी एक संक्षिप्त भाषण दिया। इस अवसर पर जल संसाधन और जनसंपर्क राज्यमंत्री पीयूष हजारिका, जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली, रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन, बिहदिया विकास खंड की अधिकारी बैशाली भट्टाचार्य भी उपस्थित रही। मुख्यमंत्री ने विकासखंड कार्यालय परिसर में महात्मा गांधी एनरेगा योजना के तहत निर्मित बहुउद्देश्यीय सुविधा केंद्र का भी उद्घाटन किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले कामरूप जिले के ददरा में ग्राम स्तरीय अमृत कलश यात्रा में भी हिस्सा लिया था।

मायुमं, गुवाहाटी अमृत शाखा ने नारी चेतना कार्यक्रम के अंतर्गत नाटक का मंचन किया

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के अंतर्गत नवगठित शाखा मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी अमृत शाखा ने नारी चेतना कार्यक्रम के अंतर्गत आजादी फ्रॉम लव जिहाद नामक नाटक का मंचन मालीगांव गौशाला प्रांगण में किया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष स्वीटी बजाज गोयनका ने बताया कि लव जिहाद हमारे राष्ट्र व समाज के लिए कोढ़ की बीमारी जैसी है। जिसमें हमारी बहन बेटियां को छल कपट से प्रेम जाल में फंसा कर धर्मांतरण के लिए मजबूर कर उनका जीवन बर्बाद कर दिया जाता है। इस समस्या के लिए जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस नाटक का मंचन कर इसे सोशल मीडिया पर भी प्रचारित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक अवकाश जम्मड़ के निर्देशन में उक्त नाटक का मंचन किया गया। जिसमें राधा के रूप में मुख्य भूमिका मीनाक्षी बुच्चा ने निभाई। जिसे एक मुस्लिम युवक ने हिंदू युवक के रूप में परिचय कर उससे विवाह कर लिया था। राधा की मां का किरदार किरण खजांची तथा सुल्ताना की मां का किरदार मंजू डागा ने निभाया। सुनीता पटवा ने सीता और संगीता बैद ने सुल्ताना का चरित्र अभिनीत किया। निरंजन अग्रवाल ने रिपोर्टर की व अवकाश जम्मड़ ने लव जिहादी की भूमिका निभाई। बाल कलाकार हर्षवर्धन गोयंका, परी, अवनी और चित्राक्षी ने शानदार अभिनय किया। कार्यक्रम में प्रांतीय कार्यकारीणी सदस्य गौतम गोयंका, प्रांतीय मीडिया सेल के सलाहकार संपत मिश्र, शाखा सलाहकार आमित कंसल शाखा जनसंपर्क सचिव सुनीता जैन और बेलतला शिखर शाखा के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। शाखा सचिव अनित बिहानी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

अमृत कलश यात्रा में 20 लाख महिलाओं की भागीदारी

राज्य के गांवों में जश्न का माहौल है : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। पूरे देश के साथ-साथ असम में भी उत्सव सदृश्य माहौल में *मेरी माटी मेरा देश* अभियान के तहत अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अब तक राज्य की 20 लाख से ज्यादा महिलाएं अमृत कलश यात्रा में सीधे तौर पर हिस्सा ले चुकी हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी से असंबद्ध महिलाओं की भागीदारी को अभूतपूर्व और अविस्मरणीय बताया है। पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से अखबारों को जारी बयान में पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रंजीव कुमार शर्मा ने अमृत कलश यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि यह यात्रा लोगों के मन में एकता की भावना जागृत करने में अग्रणी भूमिका निभाएगी। गौरतलब है कि सरकार अमृत कलश यात्रा के जरिए समानता और मैत्री के संदेश के साथ समाज का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम एक भारत, श्रेष्ठ भारत और अखंड भारतीय समाज की नींव को भी मजबूत करेगा। इस अवसर पर कमलपुर में आयोजित अमृत कलश यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा तथा प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने रंगिया में आयोजित अमृत कलश यात्रा में भाग लिया। दोनों यात्राओं में हजारों लोग शामिल हुए, जिससे उत्सव जैसा माहौल बन गया।

परशुराम सेवा सदन में कलश यात्रा से भागवत कथा का शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। सकल विप्र समाज के सौजन्य से छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम सेवा सदन (ब्राह्मण भवन)में पितृ पक्ष के उपलक्ष में श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का शुभारंभ आज कलश यात्रा से हुआ। इस अवसर पर प्रात: काल छत्रीबाड़ी स्थित श्याम मंदिर में 111 कलश की मुख्य यजमान कमल तिवारी ने पूजन कर भागवत पूजा की। व्यास गुरु पंडित दिनेश शर्मा ओझा अनूपगढ़ वाले ने कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा छत्रीबाडी, एटी रोड, आठ गांव होते हुए परशुराम सेवा सदन में समापन हुई। मुख्य यजमान कमल तिवारी द्वारा भागवत को व्यास पीठ पर स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। कलश यात्रा का संचालन बुआ जी भक्त मंडल की सदस्योंओ ने किया। इस अवसर पर प्रथम दिन व्यास गुरु पंडित दिनेश भाई ओझा में भागवत की रचना विषय प्रसंग पर बोलते हुए कहा कि भागवत की रचना से पहले वेदों की रचना हुई थी। वेद साक्षात् नारायण है। वेद हमारे धर्म का मूल है। वेदों में ऋग्वेद सबसे प्राचीन ग्रंथ है। ऋषियों ने बहुत साधना व मंथन करके इस ग्रंथ को लिखा है। वेदों के अर्थ को समझना बड़ा जटिल है। इसे बड़े-बड़े पंडित भी ठीक से अर्थ नहीं निकाल पाए। जब हमें वेद समझ नहीं आए तब हमारे मनीषीयों ने वेदों के तीन भाग कर कर अलग-अलग वेदों की रचना की। अथर्ववेद में केवल विज्ञान संबंधी ही ज्ञान भरा पड़ा है। इसके बाद भी जब वेद समझ में नहीं आए तो उपनिषदों को बड़ी सरल भाषा में हमारे ऋषि मुनियों ने रचना की। फिर उपसर्ग फिर स्मृतियां लिखी गई। अंत में भगवान नारायण ने द्वापर युग में वेदव्यास को जन्म देकर पुराणो की रचना कर 17 पुराण लिखे गए। इसके बाद महर्षि नारद ने व्यास जी को प्रेरणा देकर श्रीमद् भागवत की रचना कराई। श्रीमद् भागवत की रचना अनेक पुराण व ग्रंथों के मंथन के पश्चात हुआ। जो आति ही सरल भाषा में रचित किया गया। कलयुग में इसी ग्रंथ को मोक्ष का मार्ग माना गया है।

गुवाहाटी में हत्या के बाद बाईलेन में छोड़ गया शव

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी में एक बार फिर सनसनीखेज हत्या की घटना घटित हुई है। पुलिस ने बताया है कि आज सुबह नूनमाटी के गणेश मंदिर के निकट से एक बाईलेन से एक शव बरामद किया गया। यह रहस्यमय हत्या शनिवार को की गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद बताया कि मृतक की हत्या करके स्कूटी के सामने रखकर शव को शाम को ही यहां तक लाया गया था। यह भयावह घटना नूनमाटी गणेश मंदिर के निकट बाईलेन नंबर 14 की है। शनिवार शाम करीब पांच बजे शव को स्कूटी पर लाने का दृश्य सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। बदमाशों ने शव को पहले बाईलेन में फेंकने की कोशिश की। लेकिन, वहां स्थानीय लोगों की मौजूदगी के कारण शव को वापस बाईलेन नंबर 14 में ले गए।

अणुव्रत समिति, बरपेटारोड ने मनाया जीवन विज्ञान दिवस

बरपेटारोड। आचार्य श्री महाश्रमण जी द्वारा उद्घोषित अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का आज सातवां दिवस जीवन विज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया। अणुव्रत समिति बरपेटा रोड द्वारा सिमलागुड़ी विद्यालय में प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान पर प्रार्थना सभा में बालक बालिकाओं को समिति के मंत्री व जीवन विज्ञान संयोजक अनिल बैंगानी द्वारा जीवन विज्ञान के अनेक प्रयोग कराए। छात्र-छात्राओं को आसन, प्राणायाम, महाप्राण ध्वनि, दीर्घ स्वास के प्रयोग व अन्य सूक्ष्म व्यायाम कराए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक व अन्य शिक्षक भी मौजूद रहे। प्रशिक्षक ने जीवन विज्ञान के नियमों को भी छात्र-छात्राओं को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। अंत में संकल्प शक्ति के उच्चारित प्रयोग कराकर कार्यक्रम को संपन्न किया गया। दूसरे चरण में दक्षिण बरपेटा रोड स्कूल में भी जीवन विज्ञान के अनेक प्रयोग कराए गए। सभी छात्र-छात्राओं को गर्दन, आंखों, कान, कंधों के सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, मुद्रा में अन्य अनेक प्रयोग कराए गए। सभी को जीवन विज्ञान के नियमों के बारे में विस्तार से बताया गया। सभी को जीवन विज्ञान के नियमों को संकल्पित कराया गया। कुल मिलकर दोनों स्कूलों में 400 बालक बालिकाओं को जीवन विज्ञान के प्रयोग कराए गए। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक श्री भूषण बर्मन व अन्य शिक्षक भी मौजूद रहे। अंत में आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न किया गया।

नबी व कुरान तिलावत का आयोजन

गुवाहाट(विभास)। शनिवार की रात 8 बजे से-रविवार की सुबह 4 बजे फजर की नमाज तक प्रोग्राम हुआ। जिसकी जानकारी- कमिटी के ओर से-मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रांतों से आए-पिर-ए-तरिकत-शायर व मौलानाओ ने तशरीफ लाए तथा जलसे में शामिल हुए-जैसे पीर हामिद हसन अल जिलानी, मुफ्ती शाहिद रज्जा अल अजहरी, अल्लमा गुलाम रब्बानी (एलाहाबाद), सैफुल्लाह आलमी (कोलकाता) पश्चिम बंगाल, महबूब गौहर (समस्तीपुर) बिहार, दिलकश रंचवी (झारखंड), जैनुल आबेदीन (कानपुरी) यूपी इत्यादि लोगों ने हिस्सा लिया। आगे मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि यह जलसा आठगांव कब्रिस्तान (मस्जिद) कंपाउंड में मनाया गया। जलसे में रातभर कुरान तिलावत, तकरिरें व नातिया कलाम पढ़ी गई। आगे उन्होंने ने बताया कि इस जलसे में हजारों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। महफिल को बहुत ही बढ़िया ढंग से रौशन किया गया था व पंडाल, स्टेज तथा कुर्सियों से सजाई गई थी तथा मेहमानों व आम लोगों के लिए लंगर का भी आयोजन किया गया था। अंत में पीर हामिद हसन अल जिलानी द्वारा तमाम लोगों व देश व दुनियां में अमन-चैन के लिए दुआएं की गई। जलसा सही सलामत संपन्न होने पर कमेटी के तरफ से कार्यकर्ताओं, असम सरकार व पुलिस प्रशासन को धन्यवाद दिया गया।

गुवाहाटी में आयोजित होगी त्रिदिवसीय श्री रामदेव भागवत कथा अमृत

गुवाहाटी (विभास)। बाबा रामदेव भक्त संगम की वार्षिक साधारण सभा आज दिनांक 8 अक्तूबर को आठगांव स्थित होटल किरणश्री होम में आयोजित की गई। सभा के अंतर्गत समिति के कोषाध्यक्ष संजय जैन ने पिछले वर्ष का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जिसे सहृस स्वीकार कर लिया गया। सभा में समिति में जुड़े नए सदस्यों का अभिवादन किया गया और 16 वार्षिक महोत्सव के आयोजन पर विचार विमर्श किया गया। ज्ञात हो की समिति के द्वारा पिछले 15 वर्षो से प्रत्येक वर्ष भादवा दशमी पर भव्य भजन संध्या एवं वार्षिक महोत्सव पर बाबा रामदेव जी विशाल जम्मा जागरण आयोजित किया जाता रहा है। इस वर्ष वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में 19 जनवरी से 21 जनवरी, 2024 तक वृन्दावन गार्डन, श्री गौहाटी गौशाला, गुवाहाटी (असम) में त्रिदिवसीय श्री रामदेव भागवत कथा अमृत का ऐतिहासिक भव्य आयोजन करने का निर्णय लिया गया। सभा के दौरान समिति द्वारा गुवाहाटी में बाबा रामदेव जी के भव्य मंदिर निर्माण कार्य की रूप रेखा पर भी विस्तृत चर्चा की गई। समिति के सचिव रवि सुरेका ने बताया की समिति मंदिर निर्माण हेतु भूमी कर्य करने का प्रयास कर रही है। समिति के अध्यक्ष दीपक पोद्दार ने बताया की अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जम्मा गायक सुशिल गोपाल बजाज के द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में तीन दिवसीय बाबा रामदेव अमृत कथा प्रथम बार प्रस्तुत की जाएगी जिसके अंतर्गत प्रथम दिवस 19 जनवरी, 2024 को सुबह विशाल कलश एवं निशान यात्रा आयोजित की जाएगी तथा दोपहर 3 बजे कथा अमृत प्रारंभ होगी जिसमे सजीव झाकियां सहित भगवान रामदेव जी की जन्म कथा, पहला पर्चा (माता मेणादे को प्रदान), दूसरा पर्चा (रूपा दर्जी को प्रदान), तीसरा पर्चा (भैरव राक्षस को प्रदान) की गाथा प्रस्तुत की जाएगी। द्वितिय दिवस 20 जनवरी को कथा अमृत में बाबा के भजन, चौथा पर्चा (बोयता राम को प्रदान), आठवां पर्चा (पांच पीरों को प्रदान) के अलावा हनुमान जी तथा श्याम बाबा के भावनामयी विषेश भजन भी प्रस्तुत किए जायेंगे। कथा के अंतिम दिन 21 जनवरी को बाबा रामदेव जी का मंत्र शक्ति पर्चा (सेठ दल्ला जी को प्रदान), रामदेव जी का ब्यवाला, पांचवा पर्चा (पुंगलगड में प्रदान), रामदेव जी की सजीव बारात, छठा पर्चा (नेतल दे की काया कंचन करना), सातवां परचा (भाजें शक्तिसिंह को जीवनदान प्रदान) की भावपूर्ण प्रस्तुती की जाएगी। इसी के साथ पूर्णावती हवन एवं महाप्रसाद के समावेश के साथ इस भव्य आयोजन का समापन होगा। असम के विभिन्न स्थानों के अलावा भारत के कई राज्यो से बाबा के भक्त इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे और उनके ठहरने की उचित व्यवस्था भी समिति द्वारा की जाएगी। समिति के उपाध्यक्ष घेवरचन्द सिपानी ने बताया की समिति के सभी सदस्य इस त्रिदिवसीय कथा अमृत के आयोजन एवं मंदिर निर्माण के विचार से अत्यंत उत्साहित है और इस आयोजन में समिति के सभी पुरुष एवं महिला सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका तथा सक्रिय योगदान रहेगा। समिति के सदस्य सुभाष केजरीवाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर इस सभा का समापन हुआ।

वायु सेना ने अपने पड़ोसी क्षेत्र में काम करने की क्षमता विकसित की : सीडीएस

प्रयागराज, (हि.स.)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान रविवार को वायु सेना दिवस पर प्रयागराज में आयोजित वार्षिक परेड में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वायु सेना ने वैश्विक वायु सेनाओं के साथ युद्धाभ्यास करके अपने पड़ोसी क्षेत्र में प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता विकसित की है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने देश की ओर से लड़े गए सभी युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और दंडात्मक हवाई हमले किए हैं। मुसीबत के समय भारतीय प्रवासियों को संघर्ष क्षेत्रों से निकाला है और मानवीय सहायता और आपदा के माध्यम से राहत प्रदान की है। भारतीय वायुसेना के पास मित्र देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में नियमित और सफल भागीदारी का एक समृद्ध इतिहास है। साथ ही वैश्विक वायु सेनाओं के साथ युद्धाभ्यास किए हैं, जिससे निकटतम पड़ोस में और हमारे विस्तारित वातावरण में भी प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता विश्वसनीय रूप से स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना ने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन के माध्यम से क्षमता विकास को प्रोत्साहित किया है। इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के रूप में बल गुणकों की क्षमता बढ़ाने, कल के युद्ध से लड़ने के लिए अंतरिक्ष और साइबर क्षमताओं का उपयोग करने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित निर्णय उपकरण और स्वार्म मानव रहित युद्ध प्रणाली जैसी नवीनतम तकनीक को शामिल करने वाली प्रणालियों की दिशा में एक सराहनीय प्रयास किया गया है। जनरल अनिल चौहान ने कहा कि भारतीय वायुसेना आधुनिकीकरण, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता के साथ 21वीं सदी की चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए तैयार है। इस 91वें स्थापना दिवस पर हम सभी वायु सेना के सम्मान में एक साथ खड़े हों और उन पुरुषों और महिलाओं के प्रति अपना आभार व्यक्त करें, जो हमारे आसमान की रक्षा करने और हमारे भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ऊंची उड़ान भरते हैं। यह हमारे देश की ताकत और संकल्प का प्रतीक बना रहेगा। भारतीय वायुसेना सदैव गौरव की नई ऊंचाइयों को छुए।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 9 से 12 अक्टूबर तक इटली व फ्रांस के दौरे पर

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 09 से 12 अक्टूबर तक इटली और फ्रांस का दौरा करेंगे। अपनी दो देशों की यात्रा के पहले चरण के दौरान रक्षा मंत्री का रोम में इतालवी रक्षा मंत्री गुइडो क्रिसेटो से मिलने का कार्यक्रम है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। मार्च 2023 में इतालवी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक दूसरे और अंतिम चरण के दौरान राजनाथ सिंह पेरिस में अपने समकक्ष फ्रांसीसी सशस्त्र बल मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ 5वीं वार्षिक रक्षा वार्ता का संचालन करेंगे। भारत और फ्रांस ने हाल ही में रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण औद्योगिक सहयोग सहित गहरे और व्यापक द्विपक्षीय रक्षा संबंध हैं। रोम और पेरिस में रक्षा मंत्री औद्योगिक सहयोग के संभावित अवसरों पर चर्चा करने के लिए रक्षा उद्योग के सीईओ और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ भी बातचीत करेंगे।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री से सिक्किम में हुए नुकसान पर की चर्चा

- केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्र ने सिक्किम के मुख्यमंत्री से की मुलाकात
- आपदाग्रस्त सिक्किम की हर मदद के लिए प्रतिबद्ध है केंद्र सरकार: मिश्रा

गंगटोक, (हि.स.)। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने रविवार सुबह मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से राजधानी के मिंतोकगांग स्थित उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने आपदा से सिक्किम को हुए नुकसान पर विस्तार से चर्चा की। केंद्रीय राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री को मुख्य सचिव और राज्य सरकार, सेना और सभी संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि उन्होंने शनिवार को रंगपो और सिंगताम में कुछ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य को सामान्य स्थिति में लाने के लिए सभी आवश्यक सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री तमांग ने राज्य का दौरा कर आपदा की जानकारी लेने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशन और देखरेख में केन्द्र सरकार की तत्काल प्रतिक्रिया की सराहना की। मुख्यमंत्री ने राज्य को जल्द से जल्द राहत और पुनर्वास कार्य करने में सक्षम बनाने के लिए 2023-24 के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ बजट का अग्रिम भुगतान के लिए भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की एक अंतर-मंत्रालयी टीम बनाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व को भी धन्यवाद दिया, जो आज से सिक्किम का दौरा करेगी और नुकसान का आकलन करेगी। मुख्यमंत्री ने रंगपो, सिंगताम और मंगन जिलों के कुछ हिस्सों के प्रभावित इलाकों का दौरा करने और सभी संबंधित एजेंसियों के स्थानीय लोगों के सक्रिय समर्थन और भागीदारी से किए जा रहे बचाव और राहत कार्यों की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री चौहान ने सरपंचों के साथ किया पौध-रोपण, पीपल, बेलपत्र और जामुन के पौधे लगाए

-अशोक नगर जिले के सरपंचों ने लगाए पौधे

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने रोजाना पौध रोपण संकल्प क्रम को जारी रखते हुए रविवार को भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी पार्क में अशोकनगर जिले के सरपंचों के साथ पीपल, बेलपत्र और जामुन के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री चौहान ने सरपंचों को अपने-अपने क्षेत्र में समर्पित भाव से विकास और जनकल्याण गतिविधियां संचालित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन बेहतर और सरल बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से प्रयास करने में ही सार्वजनिक जीवन की सार्थकता है। मुख्यमंत्री चौहान के साथ अशोक नगर जिले के सरपंच रणीत सिंह यादव, ब्रजभान सिंह यादव, अवधेश रघुवंशी, शिवराज सिंह रघुवंशी, विकास जैन, शिवकुमार यादव, जीतू यादव, राजीव यादव, वीरेन्द्र कुमार शर्मा, सुनील रघुवंशी, सोनू रघुवंशी, दिव्यपाल यादव, धर्मेन्द्र सिंह रघुवंशी, नेपाल सिंह यादव, बुद्धा अहिरवार, देवेन्द्र सिंह यादव, कल्याण सिंह यादव, रणजीत सिंह यादव, इंद्रजीत सिंह यादव, हरविंदर सिंह, सुरेश अहिरवार और गोपाल सिंह यादव, देवेंद्र सिंह, रूप कुमार शर्मा, अशोक यादव तथा हरवीर सिंह पौध-रोपण में शामिल हुए।

अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है आदित्य एल-1 : इसरो

नई दिल्ली, (हि.स.)। आदित्य एल-1 मिशन को लेकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को बताया कि अंतरिक्ष यान ठीक तरह से काम कर रहा है और यह एल-1 बिंदु की ओर बढ़ रहा है। छह अक्टूबर को अंतरिक्ष यान की दिशा को ठीक करने के लिए ट्रैजेक्टरी करेक्शन मैन्युवर (टीसीएम) की प्रक्रिया की गई, जिसमें 16 सेंकड लगे। इसरो ने एक्स के जरिए बताया कि टीसीएम 19 सितंबर को किए गए ट्रांस-लैग्रेंजियन प्वाइंट-1 इंसर्शन को ट्रैक करने के बाद यान के पथ को सही करने के लिए यह कदम जरूरी था। टीसीएम के जरिए सुनिश्चित किया गया कि अंतरिक्ष यान एल-1 अपने इच्छित पथ पर सही दिशा में है। जैसे-जैसे आदित्य एल-1 आगे बढ़ता रहेगा, इसका मैग्नेटोमीटर फिर से चालू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि आदित्य एल-1, 15 लाख किलोमीटर की दूरी से सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष आधारित वेधशाला श्रेणी का भारतीय सौर मिशन है। एल-1 बिंदु तक पहुंचने में इसे लगभग 125 दिन लगेंगे। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी के लैग्रेंजियन बिंदु 1 (एल-1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया जाएगा। इससे पहले इसरो ने बताया था कि अंतरिक्ष यान ने नौ लाख किलोमीटर से अधिक की दूर तय कर ली है।

राजस्थान में होगा जाति आधारित सर्वेक्षण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने जारी किया आदेश

जयपुर, (हि.स.)। सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी। सर्वेक्षण में राज्य के समस्त नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर के सम्बंध में जानकारी एवं आंकडे. एकत्रित किए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा इनका विशेष अध्ययन कराया जाकर वर्गों के पिछडेपन की स्थिति में सुधार लाने के लिए विशेष कल्याणकारी उपाय और योजनाएं लागू की जाएगी। इससे सभी वर्गों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा द्वारा इस सम्बंध में आदेश जारी किया गया है। सर्वेक्षण कार्य आयोजना (आर्थिक एवं सांख्यिकी) विभाग द्वारा नोडल विभाग के रूप में सम्पादित किया जाएगा। साथ ही, सभी जिला कलेक्टर सर्वेक्षण के लिए नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम, ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के अधीनस्थ कार्मिकों की सेवाएं ले सकेंगे। कार्य के लिए नोडल विभाग द्वारा प्रश्नावली तैयार की जाएगी। इसमें उन समस्त विषयों का उल्लेख होगा, जिससे प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। सर्वेक्षण से प्राप्त सूचनाएं एवं आंकड़ें ऑनलाइन फीड किए जाएंगे। इसके लिए सूचना, प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा पृथक से विशेष सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप बनाया जाएगा। सर्वेक्षण से प्राप्त संकलित की गई सूचनाएं विभाग सुरक्षित रखेगा।

मेट्रो कॉलोनी में फंदे से लटकती मिली विवाहिता, दहेज हत्या का आरोप

झज्जर, (हि.स.)। बहादुरगढ़ स्थित मेट्रो स्टाफ कॉलोनी के एक घर में फंद से विवाहित का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका के पिता ने अपने दामाद और उसके परिजनों पर अपनी बेटी की दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। बहादुरगढ़ शहर थाना पुलिस ने मृतका के पति समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। बिहार के जिला गया के विष्णुपद थाना क्षेत्र के कस्बा चांद चौरा के मोहल्ला सेवा दल रोड की चम्पत गली निवासी रामेश्वर प्रसाद भूषण ने रविवार को शहर थाना बहादुरगढ़ की सेक्टर-9 पुलिस चौकी में सूचना दी कि मेट्रो कॉलोनी में रह रही उसकी बेटी की हत्या कर दी गई है। इस पर पुलिस उक्त मकान पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। रामेश्वर प्रसाद ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी निशिता कुमारी का विवाह 26 अप्रैल 2016 को उत्तम कुमार के साथ किया था। उत्तम कुमार जिला औरंगाबाद के मदनपुर थाना क्षेत्र के गांव पत्या के निवासी हैं। वह दिल्ली मेट्रो में कार्यरत हैं और बहादुरगढ़ में मेट्रो स्टाफ क्वार्टर में निशिता के साथ करीब 4 साल से रहते थे। रामेश्वर ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी में सामर्थ्य से अधिक दान दहेज दिया था, लेकिन विवाह के बाद से ही उनकी बेटी निशिता को के 2-3 महीने बाद से ही ताना मारा जाने लगा कि वो बांझ है और बच्चा पैदा नहीं कर सकती। निशिता ने तीन बच्चे एक बेटा और दो बेटी हैं। रामेश्वर ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि अंततः उत्तम कुमार ने निशिता की हत्या कर फंदे से लटका दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर निशिता के पति उत्तम कुमार, उसकी मां बसंती देवी, पिता सुरेन्द्र सिंह, ननद ललिता देवी और ननदोई राजेश कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव निशिता के पिता रामेश्वर प्रसाद को सौंप दिया। रामेश्वर प्रसाद ने अपने नाती व नातिन को भी मांगा और पुलिस से ये बच्चे उनके पिता उत्तम कुमार को न सौंपने का अनुरोध किया। जिस पर फैसला सोमवार तक होने की संभावना है।

लाल किला में नौ दिसंबर से इंडिया आर्ट, आर्किटेक्चर एंड डिजाइन बीनाले प्रदर्शनी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला में संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में नौ से 15 दिसंबर तक इंडिया आर्ट, आर्किटेक्चर एंड डिजाइन प्रदर्शनी बीनाले-2023 आयोजित की जाएगी। यह प्रदर्शनी हर दिन अलग अलग थीम पर आधारित होगी। इसमें ऐतिहासिक अलंकृत दरवाजों, प्राचीन भव्य मंदिरों, ऐतिहासिक बावड़ी, समृद्ध वस्त्र डिजाइन, भारत की वास्तुकला में महिलाओं की भूमिका, आजाद भारत की आधुनिक कला, और कलात्मक बगीचे की वास्तुकला को शामिल किया गया है। लाल किला के इस आयोजन को पांच राज्यों में भी ले जाएगा और यह हर दो साल में आयोजित होगा। पहले इंडिया आर्ट, आर्किटेक्चर एंड डिजाइन बीनाले (आईएएडीबी) में सात "विशेष रूप से क्यूरेटेड" विषयगत प्रदर्शनियां शामिल होंगी जिसमें 400 से साल से अधिक पुराने वास्तुकला को करीब से देखने का मौका मिलेगा। शनिवार शाम राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय में आयोजित इंडिया आर्ट, आर्किटेक्चर एंड डिजाइन प्रदर्शनी के लोगो का अनावरण किया गया।

इस मौके पर केन्द्रीय संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी से भारत की कला, वास्तुकला के क्षेत्र में समृद्ध और इतिहास के साथ देश दुनिया की कला की कला एवं परंपराओं को जानने समझने का मौका मिलेगा। इस बीनाले के माध्यम से वास्तुकला के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका के बारे में भी समझा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि कला-संस्कृति दुनिया को एक-दूसरे से जोड़ते है। 19वीं-20वीं शताब्दी तक मिडल ईस्ट में भारत से दरवाजे जाया करते थे। भारत अपनी कलाकृतियों के लिए मशहूर था। इस क्षेत्र में बड़ा व्यापार हुआ करता था। इस मंच से महिला वास्तुशास्त्री के साथ देश दुनिया के नए वास्तुशास्त्रियों को भी इस मंच से पहचान मिलेगी। लाल किला में ब्रिटिश काल के बैरक में आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी में देश-विदेश के वास्तुशास्त्री, इतिहासकार, इससे जुड़े विशेषज्ञ भाग लेंगे।

इजराइल में फंसी अभिनेत्री नुसरत भरूचा से हुआ संपर्क

मुंबई (ईएमएस)। आइफा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने गई अभिनेत्री नुसरत भरुचा इजराइल में फंस गई थी। काफी समय तक उनकी टीम का उनसे संपर्क नहीं होने के कारण चिंताएं बढ़ गई थी। इसी बीच खबर आई कि उनकी टीम का उनसे संपर्क हो गया है और वे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गई हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की टीम का कहना था कि नुसरत से आखिरी बार बीते रोज दोपहर 12:30 बजे संपर्क हुआ था। उस दौरान वह बेसमेंट में थी और पूरी तरह से सुरक्षित थीं। हालांकि, तब से उनका संपर्क नहीं कर पा रहे थे। बता दें कि फिलिस्तीन और इजराइल के बीच संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। फिलिस्तानी आतंकवादी समूह हमास ने इजराइल पर ताबड़तोड़ पांच हजार से अधिक रॉकेट दागे, जिसके बाद दोनों देशों के बीच जंग छिड़ गई है। इसी बीच नुसरत भरूचा को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। नुसरत भरूचा इजराइल में फंसी हुई हैं। नुसरत की टीम बीते दिन से उनसे बात करने की कोशिश कर रही है लेकिन अभी तक उनकी एक्ट्रेस से बात नहीं हो पाई है।

भाजपा एक उल्टा सर्वेक्षण करवा रही है, इनके नाटक का पर्दा गिरने वाला है : कमलनाथ

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक घमासान जारी है। राजनेता हर दिन एक नए मुद्दे को लेकर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने भी इन दिनों रोजाना विभिन्न मुद्दों को लेकर भाजपा पर तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को एक बार फिर कमलनाथ ने चुनावी माहौल को गर्म करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से भाजपा की चुनावी रणनीति को लेकर हमला बोला है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मप्र की जनता के बीच अब ये बात हास्य-उपहास का विषय बन गयी है कि भाजपा एक ऐसा उल्टा सर्वेक्षण करवा रही है जिससे ये मालूम पड़े कि कौन सा भाजपाई प्रत्याशी सबसे कम वोट से हारेगा, तो फिर उसे ही टिकट दिया जाये, जिससे डबल इंजन का डबल अपमान थोड़ा कम हो सके। कमलनाथ ने भाजपा द्वारा केंद्रीय नेताओं को मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में उतारने को लेकर भी निशाना साधते हुए कहा कि और तो और जनता के बीच ये बात भी चर्चा का विषय है कि मप्र का जो भी वरिष्ठ भाजपाई कल को दिल्ली के दावेदारों को चुनौती दे सकता है, उसको इसी विधानसभा में निपटाने की तैयारी है। इसीलिए इस शर्तिया हारे हुए विधानसभा चुनाव में ही उसे लड़वाकर और हरवाकर उसकी चुनौती को खत्म करने की रणनीति का खेल खेला जा रहा है। कमलनाथ ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के मंच प्रहसन-एकांकी के मंच जैसे बन गये हैं, जिसमें न कथा सच्ची है, न पात्र-अभिनय लेकिन नाटकीयता भरपूर है। भाजपा के नाटक का पर्दा गिरने वाला है। बता दें कि इससे पहले कमलनाथ ने भाजपा द्वारा शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किए जाने को लेकर भी हमला बोला था।

किसानों के पैसे को सैर सपाटे पर खर्च ना करे सुक्खू सरकार : भाजपा

शिमला, (हि.स.)। विपक्षी दल भाजपा ने प्रदेश की सुक्खू सरकार से आग्रह किया है कि किसानों के पैसे को सैर सपाटे पर खर्च न करें। भाजपा प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने रविवार को एक बयान में कहा कि जब भी कोई वर्ल्ड बैंक या कोई बड़ा प्रोजेक्ट आता है तो उसमें एक एक्सपोजर टूर का बजट होता है। इसमें कृषक, उद्यमी, अफसर, विभाग के प्रमुख प्रोजेक्ट शुरू होने से पहले टूर पर जाते हैं। इसके माध्यम से उनको पूरे विश्व से उस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतरने के लिए अच्छी जानकारी प्राप्त होती है, लेकिन हैरानी की बात है की वर्तमान में हिमाचल राज्य बागवानी मिशन प्रोजेक्ट जो सरकार के एक्सटेंशन और वायु-प्रवाहक पर है और जिसके अंतर्गत 60 लाख रुपए बचे हैं, उसमें विदेश दौरे बना दिया गए हैं। उन्होंने कहा है कि इस दौरे में कोई किसान नहीं जा रहा है। कांग्रेस के कुछ विधायकों को इस दौरे में जाने की तैयारी चल रही है। उन्होंने मांग की है कि मुख्यमंत्री इस दौरे को लेकर फिर विचार करें, यह किसानों का पैसा है और इसको सैर सपाटे के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड बैंक प्रोजेक्ट के तहत होने वाला दौरा शुरूआत में किया जाता है ना की समापन पर।

बंगाल में बारिश थमने के बाद तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी

कोलकाता, (हि.स.)। महानगर कोलकाता समेत राज्य के अन्य हिस्से में बारिश थम गई है जिसके बाद एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू हो गया है। मौसम विभाग की ओर से रविवार को जारी बयान में बताया गया है कि पिछले 24 घंटे के दौरान बिल्कुल बारिश नहीं हुई है जिसके बाद तापमान एक बार फिर बढ़ने लगा है। कोलकाता में न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है जबकि अधिकतम तापमान भी 31.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा है। हावड़ा, हुगली, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, पुरुलिया, बांकुड़ा, उत्तर और दक्षिण 24 परगना में भी बारिश थमी हुई है। इसके कारण तापमान में बढ़ोतरी का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है।

हालांकि उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग में हल्की बारिश हो रही है। यहां तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ने की वजह से पहले से ही बाढ़ जैसे हालात हैं। अभी सोमवार तक बारिश की संभावना नहीं है जिसकी वजह से हालत में सुधार हो सकती है।

सपा के शासन में हावी रहे कुकृत्य, बुन्देलखण्ड भी नहीं रहा अछूता : ब्रजेश पाठक

झांसी, (हि. स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जब- जब समाजवादी पार्टी की सरकार प्रदेश में रही, उन्होंने गुंडों माफियाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। उनकी सरकार में ऐसे कुकृत्य प्रदेश में हुए हैं। बुन्देलखण्ड उससे अछूता नहीं रहा। आज प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार है। उप्र. देश में नंबर 01 बनने की ओर अग्रसर है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मध्य प्रदेश के दतिया जाने से पहले रविवार को यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जन-जन में व्याप्त है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के सहारे लोगों में भाजपा के प्रति विस्वास बढ़ा है। सर्व समाज के लोग भाजपा को आशीर्वाद देते हुए प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं। सभी वर्गों के लोग गरीब कल्याण योजनाओं से लाभान्वित होकर मोदी को अपना अभिभावक मानते हैं। मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों के चुनाव पर उन्होंने कहा कि जिस ढंग से देश व प्रदेश में भाजपा काम कर रही है। सभी का आशीर्वाद भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा की प्रदेश और देश में भाजपा की सरकार है। और सरकार ने देश की दशा और दिशा बदलने का काम किया है। वहीं अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने का काम किया है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में आगामी चुनाव को लेकर चुनाव प्रचार प्रसार जोरों पर है। इसमें उत्तर प्रदेश के दिगज्ज नेता भी जगह-जगह कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं। इसको लेकर आज उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक झांसी पहुंचे। वहां से वह मध्य प्रदेश के दतिया में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के लिए रवाना हो गए।

योगी आदित्यनाथ ने बदरी-केदार धाम में दर्शन कर की विश्व कल्याण की कामना

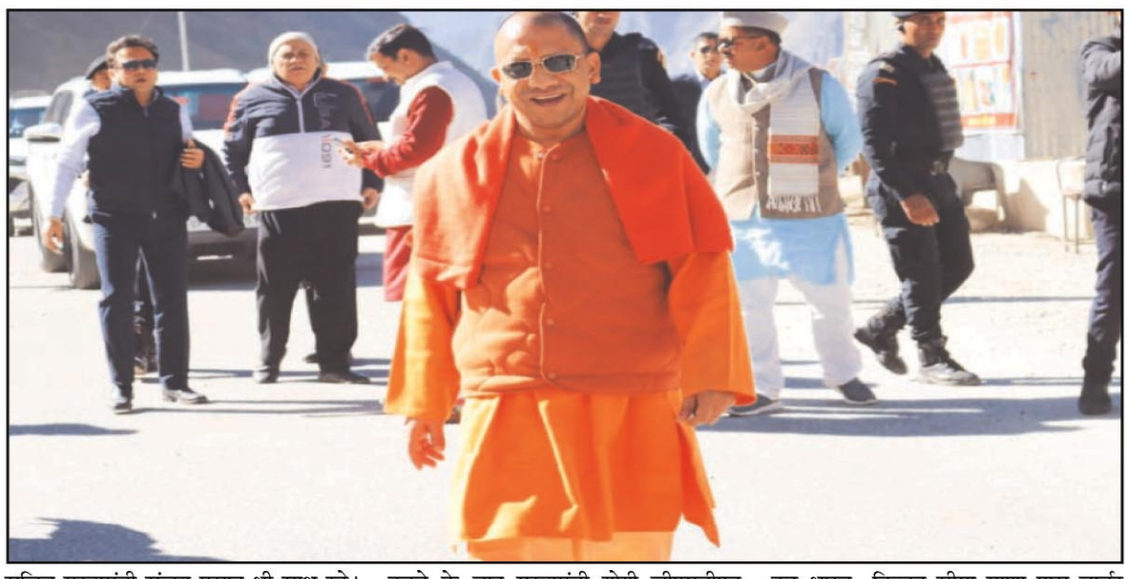

देहरादून, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भगवान बदरीनाथ और बाबा केदारनाथ के दर्शन कर विश्व में सुख समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। रविवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बदरीनाथ के ब्रह्मकपाल तीर्थ में पितृ तर्पण कर भगवान बदरी विशाल के दर्शन किया। मुख्यमंत्री योगी ने प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण बैकुण्ठ धाम की सौन्दर्य एवं मनमोहक प्राकृतिक सुन्दरता की प्रशंसा की। योगी आदित्यनाथ ने नीलकण्ठ पर्वत के भी दर्शन किये। इसके पश्चात वे केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नौसर्गिक सुन्दरता से परिपूर्ण देश के प्रथम गांव माणा के स्थानीय निवासियों की ओर से जिस प्रकार इस आधुनिकता के युग में अपनी पौराणिक संस्कृति, वेशभूषा एवं रीति-रिवाजों को संजो कर रखा गया है, वह अविस्मरणीय एवं सराहनीय है। प्राकृतिक सुंदरता और पौराणिक महत्व के लिए प्रसिद्ध बद्रीनाथ के दर्शन कर मन प्रसन्न और जीवन धन्य हो गया है। योगी के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव, पुलिस उपाधीक्षक प्रमोद शाह, पुलिस उपाधीक्षक अमित सैनी और पुलिस उपाधीक्षक नताशा सिंह सहित जनपद के आला अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी इसके पश्चात केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। उन्होंने बाबा केदारनाथ में भी विशेष पूजा अर्चना कर विश्व में सुख समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री के साथ मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव गृह/सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद भी साथ रहे। केदारनाथ हेलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष अजय अजयेंद्र, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रप्रयाग अमरदेई शाह, भाजपा जिला अध्यक्ष महावीर पंवार, जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार, पुलिस अधीक्षक डॉ विशाखा, केदारनाथ उत्थान चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव/बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह समेत अन्य गण्यमान्य व्यक्तियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। पुरोहित समाज ने परंपरागत मंत्रोच्चारण के साथ उनका स्वागत और अभिनंदन किया। तीर्थ पुरोहितों से भेंट करने के बाद मुख्यमंत्री योगी जीएमवीएन अतिथि गृह में कुछ देर विश्राम किया। यहीं पर पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों से भेंट किया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे हैं। मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल हुए। तय कार्यक्रम के अनुसार योगी आदित्यनाथ को शनिवार को केदारनाथ जाना था, लेकिन खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम के लिए उनका हेलीकॉप्टर उड़ नहीं सका। फिर वह सीधे बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हो गए थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को बदरीनाथ धाम पहुंच कर भारत- तिब्बत सीमा माणा पास बार्डर घसतोली में सेना के जवानों के बीच गये। तत्पश्चात आर्मी हेलीपैड पर देश के प्रथम गांव माणा के स्थानीय निवासियों ने पारम्परिक परिधानों में उनका तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया। इसके पश्चात आईटीबीपी, सेना, प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों और जवानों के साथ फोटो ली। मुख्यमंत्री आर्मी हेलीपैड माणा में सेरिमोनियल ड्रेस में सजे चमोली पुलिस के जवानों की सलामी गार्द का मान प्रणाम ग्रहण किया गया।देर शाम भगवान बदरीविशाल की शयन आरती में शामिल हुए और बदरीनाथ धाम में प्रवास किया।

कांग्रेस नेता के होटल से पकड़ी गईं 06 युवतियों को न्यायालय में पेश करेगी पुलिस

कानपुर, (हि.स.)। रेल बाजार थाना क्षेत्र में स्थित कांग्रेस नेता के होटल में शनिवार रात अनैतिक देह व्यापार लिप्त गिरोह पकड़ा गया। ग्राहक बनकर पहुंची पुलिस टीम ने पूरे राज का खुलासा करते हुए छह युवतियां और एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। सभी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सोमवार को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया जाएगा। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्वी आकाश पटेल ने बताया कि अनैतिक देह व्यापार के कारोबार में कुल छह युवतियां और एक युवक को मौके से शनिवार रात पकड़ा गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि रायबरेली जनपद के बिशनपुर निवासी हितेश ने बताया कि एक अंजली नाम की युवती व उसका प्रेमी मिलकर संचालित कर रहे थे। मौके से पुलिस ने अंजली को भी गिरफ्तार किया है। इस कारोबार में होने वाली आमदनी को ग्राहक लाने वाले राज को दो सौ रुपये और शेष बचा हुआ पैसा राजू शर्मा, हितेश एवं अंजली के बीच में बंट जाता था।

पुलिस का कहना है कि यह होटल कांग्रेस नेता राजेश सिंह के भाई प्रकाश सिंह के नाम से है। होटल में चल रहे अनैतिक देह व्यापार मामले में मुकदमा दर्ज करके, फरार होटल संचालक अन्य दो लोगों की तलाश जारी है। पकड़े गए आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए सोमवार को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा। होटल के मालिक कांग्रेस नेता राजेश सिंह का कहना है कि मैंने होटल एक दूसरे व्यक्ति को चलाने के लिए किराए पर दे दिया है। मेरा होटल पर आना-जाना नहीं है। होटल मेरे भाई के नाम पर बना है।

किसानों की जरूरत पूरा करने को तत्पर योगी सरकार

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार किसानों की हर जरूरत को पूरा करने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी के कुशल नेतृत्व में रबी अभियान 2023 में खाद्यान्न व तिलहनी फसलों के उत्पादन व उत्पादकता को बढ़ाने की रणनीति तैयार की है। योगी सरकार ने खाद्यान्न व तिलहनी फसलों के अंतर्गत 448.66 मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य तय किया है, जबकि 2022-23 में 427.83 मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ था। वहीं योगी सरकार ने यह भी तय किया है कि अधिकतम उत्पादकता वाले जनपदों के प्रगतिशील किसानों के यहां अन्य जनपदों के किसानों, वैज्ञानिकों व अधिकारियों को फील्ड विजिट या प्रशिक्षण के लिए भेजा जाए। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि रबी 2023 में खाद्यान्न व तिलहनी फसलों के अंतर्गत 134.85 लाख हेक्टेयर क्षेत्र आच्छादन व 448.66 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। रबी की फसलों की बोआई समय से करने पर भी जोर है। रबी 2023 के लिए निर्धारित कुल खाद्यान्न उत्पादन के 428.77 लाख मीट्रिक टन व तिलहन उत्पादन के 19.90 लाख मीट्रिक टन का फसलवार विवरण भी तैयार किया है। इसके तहत गेहूं के उत्पादन का लक्ष्य 397.80 लाख मीट्रिक टन है। जौ का 6.13 लाख मीट्रिक टन, चना का 9.71 लाख मीट्रिक टन, मटर का 08 लाख मीट्रिक टन व मसूर का 6.69 लाख मीट्रिक टन, राई सरसो का 19.50 लाख मीट्रिक टन उत्पादन लक्ष्य है।

बदल गया वायुसेना का ध्वज, एयर चीफ मार्शल चौधरी ने किया अनावरण

प्रयागराज, (हि.स.)। भारतीय वायुसेना का 91वां स्थापना दिवस समारोह इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन के रूप में दर्ज हो गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रविवार को नए वायुसेना ध्वज का अनावरण किया। वार्षिक परेड में वायु योद्धाओं को 'जोश' से भरे कदम मिलाते हुए देखा गया। इसी के साथ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 08 अक्टूबर, 2023 की तारीख भारतीय वायुसेना के इतिहास में ऐतिहासिक अवसर के रूप में दर्ज हो गई। भारत की ड्रोन शक्ति का प्रदर्शन वायुसेना के नए ध्वज के साथ किया गया। इसके बाद निशान टोली ने नए ध्वज के साथ सलामी मंच के सामने से गुजरकर मान्यता दी, जिसका अभिवादन सभी लोगों ने अपनी-अपनी जगह खड़े होकर किया। इतिहास में पीछे जाएं, तो आजादी से पहले वायुसेना ध्वज के ऊपरी हिस्से में अंग्रेजी हुकूमत की झलक मिलती थी। स्वतंत्रता के बाद भारतीय वायु सेना का झंडा बदला गया। यूनियन जैक को भारतीय तिरंगे के साथ मिलाकर वायुसेना का फ्लैग तैयार हुआ। अब भारतीय वायु सेना के मूल्यों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिए नया ध्वज बनाया गया है। नए झंडे के ऊपरी दाएं कोने में फ्लाई साइड की ओर वायु सेना क्रेस्ट को शामिल किया गया है। वायुसेना स्टेशन बमरौली को वार्षिक औपचारिक परेड की तैयारियों के अनुरूप तैयार किया गया। सबसे पहले पैरा हैंड ग्लाइडर्स ने परेड स्थल पर आकर आगंतुकों का स्वागत किया और दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से जवाब दिया। इसके बाद एएन-32 विमान से आकाशगंगा टीम के 10 वायु योद्धाओं ने 10 हजार फीट की ऊंचाई पर आसमान में कूदकर पैराशूट के जरिए परेड स्थल पर उतरने का प्रदर्शन किया।

बजरंग दल के शौर्य जागरण यात्रा और धर्मसभा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

रांची, (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल के शौर्य जागरण यात्रा और धर्मसभा को लेकर रांची में रविवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी। रांची के हर चौक चौराहे पर पुलिस बल की तैनाती है। हर चौक चौराहों से बाइक सहित अन्य वाहनों से केसरिया झंडा लिए युवक धर्म सभा में शामिल रहे। खास्कर डोरंडा इलाके में डीएसपी हटिया राजा मित्रा और डोरंडा थाना प्रभारी सहित पुलिस बल के साथ विभिन्न चौक चौराहों में पुलिस अधिकारी तैनात रहे। दूसरी ओर चुटिया थाना स्थित महादेव मंडा से जुलूस में विधायक सीपी सिंह, डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय सहित सैकड़ों लोग वाहन के साथ शामिल रहे। वहां भी सिटी डीएसपी दीपक कुमार, चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश कुमार दलबल के साथ मौजूद थे।

मुख्य सचिव 4 साल से लंबित कांडों की करेंगे समीक्षा

रांची, (हि.स.)। मुख्य सचिव सुखदेव सिंह 10 अक्टूबर को चार साल से लंबित कांडों की समीक्षा करेंगे। इसको लेकर मुख्य सचिव कार्यालय ने गृह सचिव और डीजीपी को पत्र लिखा है। लिखे पत्र में कहा गया है कि मुख्य सचिव चार साल और इससे अधिक समय से लंबित कांडों की समीक्षा जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, सभी जिलों के एसएसपी, एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। इससे पहले बीते पांच अक्टूबर को एडीजी अभियान ने जिले के एसएसपी और एसपी के साथ चार से लंबित कांडों की समीक्षा की थी। लंबे समय से लंबित केस के निष्पादन के लिए मार्गदर्शन और अनुवीक्षण समिति बनायी गयी है। इस समिति के अध्यक्ष एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर और उपाध्यक्ष, आईजी और सीआईडी असीम विक्रांत मिंज को बनाया गया है। जबकि सभी रेंज के डीआईजी इसके सदस्य है। पुराने लंबित आपराधिक मामलों के निष्पादन में तेजी आयी है।

रांची में पीएलएफआई उग्रवादियों का जल जीवन मिशन कार्यालय पर हमला

रांची, (हि.स.)। झारखंड की राजधानी रांची के पास जल जीवन मिशन कार्यालय पर कथित रूप से पीएलएफआई उग्रवादियों के हमले से प्रशासन और पुलिस अफसरों के हाथ-पांव फूल गए हैं। यह वारदात शनिवार देररात लापुंग थाना क्षेत्र के दोलाइचा गांव में हुई है। इस दौरान कार्यालय में मौजूद 15 लोगों को पीटकर अधमरा कर दिया गया। रंगदारी न मिलने से आगबबूला उग्रवादियों ने एक कमरा भी फूंक दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस वारदात में अब तक पीएलएफआई उग्रवादियों के शामिल होने के साक्ष्य नहीं मिले हैं। इस बीच यह पता चला है कि कुछ दिन पहले जल जीवन मिशन कार्यालय का संचालन करने वाली कंपनी के साइट इंचार्ज शंटी पटेल ने प्रबंधन को सूचना दी थी कि अंकित सिंह नाम का व्यक्ति खुद को पीएलएफआई कमांडर बताता है। वह पांच लाख रुपये की रंगदारी मांग रहा है। बताते हैं कि कंपनी ने रंगदारी देने से इनकार कर दिया था। इस वारदात के बाद क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि इस कंपनी में पीएलएफआई के नाम पर दो लोगों को नौकरी पर रखवाया गया था। शंटी पटेल ने रविवार सुबह बताया है कि शनिवार देररात अचानक 20-25 नकाबपोशों कार्यालय में चढ़ाई कर दी। जो सामने मिला उसे बुरी तरह पीटा। यह नकाबपोश खुद को पीएलएफआई नक्सली कह रहे थे। इस दौरान यह चीखते रहे कि जब तक लेवी नहीं दोगे तब तक काम नहीं करने दिया जाएगा। इन नकाबपोशों ने बर्बरता करने के बाद एक कमरे को आग के हवाले कर दिया। डीएसपी (बेड़ो) रजत मणि बखला का कहना है कि वारदात की जांच की जा रही है। इस वारदात में अंकित नाम के व्यक्ति की भूमिका सामने आई है। प्रारंभिक जांच में यह नक्सली घटना नहीं है। गांव के ही कुछ युवकों ने जल जीवन मिशन के दफ्तर पर हमला किया है। इन सभी की पहचान हो चुकी है। मुखबिरों का जाल बिछा दिया गया है। पुलिस ने धरपकड़ के प्रयास तेज कर दिए हैं।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

पटना, (हि.स.)। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर रविवार को पटना के गांधी मैदान के दक्षिण-पश्चिम छोर पर स्थित उनकी प्रतिमा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि सम्पूर्ण क्रांति के अग्रदूत, प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रखर समाजवादी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री आलोक कुमार मेहता, पूर्व मंत्री श्याम रजक, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, विधान पार्षद रविन्द्र कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, बिहार राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह, बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य शिवशंकर निषाद सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत-शत नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा आरती पूजन, भजन-कीर्तन, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

ओबीसी के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाना बंद करें राहुल, भाजपा ने किया है कल्याण : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि कांग्रेस, लालू यादव और नीतीश कुमार सब के सब ओबीसी विरोधी हैं। जब-जब भाजपा की सरकार आई, इसने आरक्षण दिया। कांग्रेस ने काका कालेकर के कमिशन को खारिज किया। अटल-आडवाणी सरकार में आए तो मंडल कमीशन बना। रविवार को बेगूसराय में आयोजित प्रेसवार्ता में गिरिराज सिंह ने कहा कि मंडल कमीशन के रिपोर्ट पर दस साल तक इंदिरा गांधी ने कोई कार्रवाई नहीं किया। आज राहुल गांधी का रहे हैं कि केंद्रीय स्तर पर ओबीसी के तीन सेक्रेटरी ही क्यों हैं। उनकी दादी इंदिरा गांधी ने अगर कानून लागू किया होता तो आज ओबीसी वर्ग के 30 सेक्रेटरी होते। राहुल गांधी बताएं कि वह सही बोल रहे हैं या मनमोहन सिंह ने जो कहा था वह सही था। मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि देश के संसाधन पर पहला हक मुसलमानों का है। आज राहुल गांधी ओबीसी-ओबीसी चिल्लाकर घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। राजस्थान कह रहा है कि बिहार के तर्ज पर जाति गणना कराऊंगा। यह राजनीतिक लाभ लेने के लिए खेल चल रहा है। झारखंड में कांग्रेस के चार और राजद के एक मंत्री हैं, वहां पंचायती राज में ओबीसी को आरक्षण नहीं किया गया। आज कुछ लोग ओबीसी का नकाब लगाकर गरीबों को ठग रहे हैं। जबकि नरेन्द्र मोदी के सरकार में 35 प्रतिशत ओबीसी मंत्री हैं। राहुल गांधी या कोई भी मुझे आइना दिखाने के बदले खुद देखे कि मोदी सरकार में 27 मंत्री ओबीसी के हैं। लालू यादव, नीतीश कुमार और कांग्रेस बताए कि झारखंड में आरक्षण नहीं दिया तो आज चिल्ला क्यों रहे हैं। ओबीसी का हक मुसलमान को क्यों दे रहे हैं, यह नहीं चलेगा। 1989 में जब अटल-आडवाणी के समर्थन से बीपी सिंह की सरकार बनी तो ओबीसी को भाजपा ने 27 प्रतिशत आरक्षण दिलाया। हम जातीय सर्वेक्षण के समर्थक हैं, लेकिन ऊलजुलूल बात का नहीं। नरेन्द्र मोदी ने बिहार में 12 प्रतिशत ओबीसी को ऊपर उठाया, उनका कल्याण किया। नरेन्द्र मोदी ने देश के साढे 13 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया। मोदी की सरकार का उद्देश्य गरीबों को उठाना है, नौटंकी करना नहीं। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं है तो मुस्लिम को जात में बांटकर ओबीसी का लाभ दिलाने वाले धर्म के आधार पर संविधान की धज्जियां क्यों उड़ा रहे हैं। राजीव गांधी ने सदन में ओबीसी का विरोध किया था। राहुल गांधी कुछ भी बोलने से पहले अपने वंशजों की ओर झांक कर देखें। पिछड़ा वर्ग आयोग को कांग्रेस ने संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। मोदी प्रधानमंत्री बने तो संवैधानिक दर्जा दिया। नवोदय से आईआईटी तक चार लाख ओबीसी के बच्चे को पढ़ाई में आरक्षण का लाभ मिला। लालू यादव और नीतीश कुमार ओबीसी विरोधी कांग्रेस की गोद में खेल रहे हैं। नरेन्द्र मोदी ने जितनी योजना चलाई सब में ओबीसी को लाभ मिला। जनधन योजना हो या उज्जवला, स्वनिधि योजना, मुद्रा हो या नल का जल, सबको ओबीसी से जोड़ा। आज 13 हजार करोड़ से विश्वकर्मा योजना शुरू की गई। उसमें भी सबसे अधिक लाभ ओबीसी को मिला। ओबीसी आरक्षण की आड़ में मुस्लिम को शामिल करना, हिन्दू ओबीसी का हक मारना है। उन्होंने कहा कि बिहार सहित कई राज्यों की सेक्युलर सरकारों ने धर्म के आधार पर मुस्लिम को आरक्षण दिया। हिंदू ओबीसी की हकमारी किया। इसके लिए लालू यादव सहित सभी माफी मांगे। आज बिहार में जाति सर्वेक्षण हुआ, उसमें भी हमारे सुशील मोदी ने बढ़-चढ़कर कार्य किया था। नरेन्द्र मोदी ने भी समर्थन किया। आखिर लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे लालू यादव और रावड़ी देवी ने जातीय सर्वे क्यों नहीं कराया तो आज ऊंची आवाज में क्यों बोल रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस के सिद्धरमैया की सरकार ने जाति सर्वेक्षण नहीं कराया और आज राजनीतिक लाभ के लिए याद आ गई। राहुल गांधी तो सही में आज के रावण हैं जो विदेश जाते हैं तो भारत और लोकतंत्र को गाली देते हैं। देश में रहने पर क्या बोलते हैं, उन्हें खुद भी पता नहीं है। कांग्रेस ने जब-जब नरेन्द्र मोदी को गाली दिया है, तब-तब देश की जनता ने और अधिक समर्थन किया, इनका खेल नहीं चलेगा।

बेगूसराय में प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण पर बुलडोजर

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय जिला प्रशासन ने इन दोनों अतिक्रमणकारियों पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। लगातार अतिक्रमण को खाली कराया जा रहा है। रविवार को तेघड़ा नगर क्षेत्र में सड़क किनारे अतिक्रमणकारियों पर बुलडोजर चलाया गया है। तेघड़ा नगर परिषद में सड़क किनारे वर्षों से अतिक्रमित जमीन पर बनाए गए मकान और दुकान को खाली करवाने के लिए पहुंचे अधिकारियों ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारी मात्रा में पुलिस बल के साथ वार्ड संख्या-छह में वर्षों से अतिक्रमित एक बीघा चार कट्ठा जमीन जेसीबी चलाकर खाली कराया है। इस जमीन पर वहां के स्थानीय लोगों द्वारा अवैध तरीके से अतिक्रमित कर लिया गया था। उसके बाद घर निर्माण करके उस पर लोग रह रहे थे। इस पूरे प्रकरण को लेकर तेघड़ा अंचल अधिकारी द्वारा प्रतिपादित आवेदन के आधार पर बेगूसराय जिला पदाधिकारी के न्यायालय में वाद संख्या 11/23 प्रारंभ किया गया था। जिस पर निर्णय आने के बाद तेघड़ा अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ. रविन्द्र मोहन प्रसाद एवं विभाग के अन्य अधिकारियों से नेतृत्व में अतिक्रमण को खाली कराया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारी मात्रा में पुलिस के जवान मौजूद रहने के कारण लोगों की कुछ नहीं चली। इससे पहले कल शाम अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने उक्त जमीन पर पहुंचकर लोगों से जमीन खाली करने का आदेश दिया गया था। इसके लिए माइकिंग भी कराई गई थी, लेकिन किसी ने भी जमीन खाली नहीं किया। इसके बाद आज दस से अधिक जेसीबी लेकर पहुंचे अधिकारियों ने कार्रवाई की है।

संपादकीय

शराब घोटाले में फंसी

राजनीति को बदलने का वायदा करके सत्ता तक पहुँची आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार एवं कदाचार के मामलों में बुरी तरह फंस गई है। जिस राजनीतिक शुचिता की बातें समाजसेवी अन्ना हजारे के नेतृत्व में किए गए जनांदोलन के मंच पर चढ़कर कही गईं, उनमें से एक आआपा की राजनीति में दिखायी नहीं पड़ती है। यही कारण है कि अरविंद केजरीवाल एवं उनके साथियों के प्रति अन्ना हजारे के मन में भी सदाशयता के भाव नहीं हैं। वे कई बार आआपा की सरकार की कठोरतम आलोचना कर चुके हैं। वर्तमान समय में आम आदमी पार्टी शराब घोटाले के आरोपों में बुरी तरह उलझ गई है। आआपा के प्रमुख नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है। न्यायालय ने भी पूछताछ के लिए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री मनीषा सिसोदिया भी शराब घोटाले के मामले में जेल में हैं। भारत की राजनीति में यह पहली बार हुआ होगा कि एक शिक्षा मंत्री शराब घोटाले में फंसा है। दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने अपने पास कोई विभाग नहीं रखा है, जबकि एक ही मंत्री को अनेक विभाग बांट रखे थे। विभागों के वितरण में भी कोई सुसंगत दृष्टिकोण नहीं रखा गया। आम आदमी पार्टी के एक और मंत्री सतेन्द्र जैन भी जेल की हवा खा रहे हैं। राशनकार्ड के बदले रेप और पत्नी को प्रताड़ति करने के मामले से लेकर फर्जी डिग्री के मामलों में अब तक आआपा के 5 मंत्री जेल जा चुके हैं। इसके अलावा विधायक एवं अन्य नेतागणों पर भी दाग लगते रहे हैं। कुल मिलाकर कहना होगा कि यह ऐसी पार्टी है, जो शुरुआत से ही अपने सिद्धांतों से डिग गई है। आआपा ने एक राजनीतिक दल के तौर पर आर्थिक, नैतिक और राजनीतिक शुचिताओं की धज्जियां उड़ा दी हैं। जिस तरह से आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई से बौखलाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति निचने स्तर की बयानबाजी प्रारंभ की थी, उससे भी जनता को इस दल के नेताओं की गंभीरता एवं परिपक्वता ध्यान में आने लगी है। हैरानी की बात है कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से ही आद आदमी पार्टी का जन्म हुआ है लेकिन यही पार्टी अपनी शैशव अवस्था में ही भ्रष्टाचार के आरोपों में बुरी तरह घिर गई है। ऐसा भी नहीं है कि आआपा पर लग रहे आरोप निराधार है। प्रारंभिक तौर पर जो तथ्य सामने आए हैं, उनके आधार पर तो यही दिखायी दे रहा है कि कहीं तो आग लगी है, ये धुंआ यूँ ही नहीं उड़ रहा है। बाकी सत्य तो जाँच के बाद ही सामने आएगा। आम आदमी पार्टी के नेताओं को चाहिए कि वह जाँच में सहयोग करे। हो-हल्ला करने से उनकी ईमानदारी साबित नहीं हो सकती क्योंकि जनता देख रही है कि आंदोलन के दौरान केजरीवाल एवं उनके साथियों ने जिन नेताओं पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, अब ये उन्हीं के साथ गलबहियां कर रहे हैं। यहाँ तक की भ्रष्टाचार के मामले में सजायाफ्ता नेताओं के साथ भी मंच साझा करने, उनके गले मिलने और उनके साथ राजनीतिक गठबंधन में साथ रहने में आम आदमी पार्टी को कोई दिक्कत नहीं है। इस तरह की राजनीति का वायदा तो अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी ने नहीं किया था। बहरहाल, सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी में जिस प्रकार का हो-हल्ला मचाया जा रहा है उसके पीछे एक डर भी है कि अब कहीं प्रवर्तन निदेशालय पूरी पार्टी को ही आरोपी न बना ले। यदि ऐसा होता है तब आम आदमी पार्टी की रही-सही साख भी समाप्त हो जाएगी।

न्यायालय ने भी पूछताछ के लिए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री मनीषा सिसोदिया भी शराब घोटाले के मामले में जेल में हैं। भारत की राजनीति में यह पहली बार हुआ होगा कि एक शिक्षा मंत्री शराब घोटाले में फंसा है। दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने अपने पास कोई विभाग नहीं रखा है, जबकि एक ही मंत्री को अनेक विभाग बांट रखे थे। विभागों के वितरण में भी कोई सुसंगत दृष्टिकोण नहीं रखा गया। आम आदमी पार्टी के एक और मंत्री सतेन्द्र जैन भी जेल की हवा खा रहे हैं। राशनकार्ड के बदले रेप और पत्नी को प्रताड़ति करने के मामले से लेकर फर्जी डिग्री के मामलों में अब तक आआपा के 5 मंत्री जेल जा चुके हैं। इसके अलावा विधायक एवं अन्य नेतागणों पर भी दाग लगते रहे हैं। कुल मिलाकर कहना होगा कि यह ऐसी पार्टी है, जो शुरुआत से ही अपने सिद्धांतों से डिग गई है। आआपा ने एक राजनीतिक दल के तौर पर आर्थिक, नैतिक और राजनीतिक शुचिताओं की धज्जियां उड़ा दी हैं। जिस तरह से आम आदमी पार्टी ने भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई से बौखलाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति निचने स्तर की बयानबाजी प्रारंभ की थी, उससे भी जनता को इस दल के नेताओं की गंभीरता एवं परिपक्वता ध्यान में आने लगी है। हैरानी की बात है कि भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोख से ही आद आदमी पार्टी का जन्म हुआ है लेकिन यही पार्टी अपनी शैशव अवस्था में ही भ्रष्टाचार के आरोपों में बुरी तरह घिर गई है। ऐसा भी नहीं है कि आआपा पर लग रहे आरोप निराधार है। प्रारंभिक तौर पर जो तथ्य सामने आए हैं, उनके आधार पर तो यही दिखायी दे रहा है कि कहीं तो आग लगी है, ये धुंआ यूँ ही नहीं उड़ रहा है।

कुछ अलग

बचाव की तैयारी

सिक्किम की तीस्ता नदी में मंगलवार रात को अचानक बाढ़ आने और सेना के 23 जवानों के लापता होने की खबर चिंतित करने वाली है। इस फ्लैश फ्लड के कारण जगह-जगह इन्फ्रास्ट्रक्चर का भी काफी नुकसान हुआ है। सड़कें तो टूटी ही हैं, सैन्य प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। अभी स्वाभाविक ही सबसे ज्यादा ध्यान लापता सैनिकों की तलाश करने और यह सुनिश्चित करने पर दिया जा रहा है कि जहां भी जरूरी हो जल्द से जल्द मदद उपलब्ध करवाई जाए ताकि इस प्राकृतिक आपदा के चलते किसी के जान गंवाने की नौबत न आए। लेकिन इसके बाद इस पूरे क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान का भी जायजा लेकर उन्हें जल्द से जल्द पुरानी स्थिति में लाना होगा। उत्तरी सिक्किम का यह इलाका भारत-नेपाल सीमा के करीब पड़ता है। हालांकि फ्लैश फ्लड का मूल कारण बादल फटना है, लेकिन कई वजहें रहीं जिनसे यह हादसा अधिकाधिक गंभीर रूप लेता गया। बादल फटने की यह घटना उत्तर सिक्किम के चुंगथाम इलाके में स्थित ल्होनक झील के ऊपर हुई। यह झील ल्होनक ग्लेशियर पर बनी है। बादल फटने के बाद पानी के तेज बहाव के चलते लेक की दीवारें टूट गईं और भारी मात्रा में मलबे के साथ पानी तीस्ता में आया, जिससे नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया। हालांकि बचाव और राहत कार्यों को लेकर सिक्किम सरकार के साथ पश्चिम बंगाल सरकार का तंत्र भी सक्रिय हो गया है और सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में गौर करने वाली एक बात यह भी है कि आपदा प्राकृतिक जरूर है, लेकिन पूरी तरह अप्रत्याशित नहीं कही जा सकती। ल्होनक झील इस क्षेत्र की 14 उन ग्लेशियल लेक्स में शामिल है, जिन्हें पहले से ही संवेदनशील माना जा रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभावों से पिघल रहे ल्होनक ग्लेशियर का पानी इसी झील में जमा हो रहा था, जिससे इसका क्षेत्रफल लगातार बढ़ता जा रहा था। इसी साल मार्च महीने में संसद में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया था कि हिमालय के तमाम ग्लेशियर अलग-अलग दर से, लेकिन तेजी से पिघल रहे हैं और इस वजह से हिमालय की नदियां किसी भी समय बड़ी प्राकृतिक आपदा का कारण बन सकती हैं। यह सही है कि ग्लोबल वॉर्मिंग वैश्विक मसला है और किसी एक देश की सरकार अकेले अपने बूते इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती, लेकिन फिर भी बड़े और संवेदनशील ग्लेशियरों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हुए संभावित हादसों से निपटने की तैयारी जरूर की जा सकती है। इन हादसों के दायरे में आने वाले इलाकों के लोगों को भी अपेक्षाकृत ज्यादा जागरूक रखा जा सकता है। इन उपायों से हादसे भले न टलें लेकिन उनसे होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

25 हजार प्रकाश वर्ष दूर पृथ्वी की निकटतम गैलैक्सी से प्रकाश को हम तक पहुंचने में 25 हजार वर्ष लगते हैं

हम अतीत की यात्रा में रहते हैं, टाइम मशीन की परिकल्पना में है विरोधाभास

लूसी स्ट्रैंग

क्या आपको मालूम है कि हम हर रात अतीत की यात्रा कर सकते हैं। प्रकाश की गति बहुत तेज है। लेकिन, ब्रह्मांड में चीजें हमसे इतनी दूर हैं कि दूर के तारों और ग्रहों से प्रकाश को हम तक पहुंचने में लंबा समय लगता है। सूर्य से जो प्रकाश आता हमें दिखाई देता है, वह वास्तव में आठ मिनट और बीस सेकंड पहले सूर्य को छोड़ चुका होता है। मतलब यह है कि सूर्य को हम वैसे देखते हैं, जैसा वह आठ मिनट और बीस सेकंड पहले था। हमारी आकाशगंगा (गैलेक्सी) मिल्की वे से निकटतम कैनिस मेजर ड्वार्फ आकाशगंगा है, जो 25 हजार प्रकाश वर्ष दूर है। इसका मतलब यह है कि प्रकाश को वहां से हम तक पहुंचने में 25 हजार वर्ष लगेंगे। इसका मतलब हुआ कि आज जब हम टेलिस्कोप की मदद से कैनिस मेजर ड्वार्फ आकाशगंगा को देखते हैं, तो वह हमें वैसी दिखाई देती है, जैसी वह 25 हजार साल पहले थी। सवाल यह है कि अगर उस आकाश गंगा में कोई है, जो पृथ्वी को देख रहा हो, तो क्या उसे महाभारत या रामायण या उससे भी पहले की पृथ्वी दिख रही होगी? समय के बारे में हमारी आधुनिक समझ भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन के सामान्य सापेक्षता के सिद्धांत और कार्य-कारण संबंधों पर आधारित है। आइंस्टीन का सिद्धांत 100 से ज्यादा वर्षों से अस्तित्व में है और यह माना जाता है कि यह हमारे ब्रह्मांड की संरचना का सटीक विवरण देता है। दशकों से भौतिक विज्ञानी सापेक्षता के सिद्धांत के जरिये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या वाकई समय की यात्रा संभव है। दिक्कत यह है कि सापेक्षता के सिद्धांत की मदद से आप ऐसे समीकरण लिख सकते हैं, जो समय की यात्रा का वर्णन करते हों, लेकिन इनका कोई अर्थ नहीं रह जाता अगर वास्तविक दुनिया में इनके जैसा कुछ न हो। सापेक्षता सिद्धांत के आधार पर समय यात्रा की बात सोचने में दो दिक्कते हैं। पहली, टाइम मशीन बनाने के लिए हमें नकारात्मक ऊर्जा की जरूरत होगी, जबकि अपने रोजमर्रा के जीवन में हमें जो भी ऊर्जा दिखती है, वह सकारात्मक ऊर्जा है। क्वांटम भौतिकी बताती है कि ऐसा नकारात्मक ऊर्जा वाला पदार्थ सैद्धांतिक तौर पर पैदा किया जा सकता है, वह भी थोड़े समय के लिए और थोड़ी मात्रा में। क्वांटम सिद्धांत की यही सीमा है। समय-यात्रा के साथ दूसरी दिक्कत यह है कि इस विचार में विरोधाभास छिपे हैं। मान लीजिए कि किसी व्यक्ति की हत्या हो चुकी हो और आप अतीत में जाकर उस व्यक्ति की हत्या रोक दें।

फिर, जब आप वर्तमान में लौटेंगे, तब वह व्यक्ति जिंदा होगा या नहीं। अगर वह जिंदा होगा, तब अतीत की यात्रा से पहले जिस वर्तमान के आप गवाह रहे थे, उसका क्या? एक दूसरा उदाहरण देखिए। अगर मैं टाइम मशीन में प्रवेश करता हूं और इसके जरिये मैं समय में पांच मिनट पहले जाने के लिए कमांड देता हूं। जब मैं पांच मिनट अतीत में पहुंचता हूं, तो मशीन को नष्ट कर देता हूं। तो पांच मिनट बाद मैं इसका इस्तेमाल कैसे करूंगा? जब हम समय के बारे में सोचते हैं, तब हम सोचते हैं कि यह एक सीधी रेखा में चल रहा है, जिसमें एक के बाद एक चीजें घटित होती हैं। अगर हम अतीत में जाकर जो पहले हुआ उसे बदल सकें, तो हम समय की पंक्ति का क्रम बदल देंगे। इसका मतलब होगा कारण-कार्य के नियम का टूटना। मान लीजिए, आप गिरे और आपका हाथ टूट गया। तो, गिरना कारण और हाथ टूटना उसका प्रभाव यानी परिणाम हुआ। ब्रह्मांड की हर क्रिया इस कार्य-कारण नियम से बंधी है। इसी विरोधाभास से निपटने के लिए विज्ञान कथाओं में समय यात्रियों को अतीत में महत्वपूर्ण बदलाव न करने और अतीत में खुद से बचने की सलाह दी जाती है। लेकिन असल जिंदगी में यह विरोधाभास केवल सैद्धांतिक है, यह वास्तविक हो ही नहीं सकता। इसी विरोधाभास के चलते सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग के मुताबिक समय यात्रा संभव ही नहीं है। समय यात्रा के इन विरोधाभासों को बदलने का एक प्रयास भौतिक विज्ञानी इगोर दिमित्रीविच नोविकोव ने किया था, जो कहते हैं कि मनुष्य अतीत की यात्रा कर सकता है, लेकिन उसे बदल नहीं सकता। आप पूछ सकते हैं कि अगर अतीत को बदला नहीं जा सकता, तो समय यात्रा का कोई मतलब नहीं निकलता। तो, क्या समय यात्रा की बहस का यहीं अंत मान लिया जाए? शायद नहीं। नोविकोव के अनुसार इस विरोधाभास का अंत तभी मुमकिन है, जब समानांतर समय रेखाएं हों। यह विचार बेहद सरल है। जब आप टाइम मशीन से बाहर निकलें, तो आप एक अलग टाइम लाइन में हों, जहां आप कुछ भी कर सकते हों। आप चाहें तो टाइम मशीन को ध्वस्त भी कर सकते हों। चूंकि जिस मूल टाइम लाइन से आप आए हैं, उसमें मौजूद मूल टाइम मशीन में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है, इसलिए कोई विरोधाभास नहीं है। जाहिर है कि समय यात्रा तभी मुमकिन है, जब हमारा ब्रह्मांड कई इतिहासों के सह-अस्तित्व की अनुमति दे सके। लेकिन, क्या यह संभव है? क्वांटम विज्ञान इसके संकेत जरूरत देता है। तकनीकी तौर पर देखें, तो हम पहले ही समय में आगे बढ़ रहे हैं। हर सेकंड हम भविष्य की यात्रा कर रहे हैं। अनुभव बताता है कि जो व्यक्ति तेज गति से चल रहा हो, उसके लिए समय अलग तरह से चलता है, उसकी तुलना में जो स्थिर खड़ा है। अगर आप दिल्ली से चेन्नई जाते किसी हवाई विमान में बैठे हों, तो आपको समय जल्दी गुजरते लगेगा, उसकी तुलना में जो चेन्नई हवाई अड्डे पर एक जगह बैठा आपका इंतजार कर रहा है। जाहिर है कि समय के गुजरने को विभिन्न लोग अलग-अलग दरों पर महसूस करते हैं। इसका एक पहलू और भी है। अगर आप दिल्ली में बैठकर भविष्य का अनुमान लगाते हुए कहें कि आप साढ़े पांच घंटे बाद कानपुर में होंगे। आप तेज गति से कार चलाते हुए ऐसा कर भी लेते हैं। लेकिन, आपके साथ ही दूसरी कार में चला एक व्यक्ति सामान्य गति से कार चलाते हुए दस घंटे में दिल्ली से कानपुर पहुंचता है। पहले व्यक्ति ने जो पांच घंटे बचाए, उसमें भविष्य की समय यात्रा के सूत्र छिपे हो सकते हैं। तो, अगर भविष्य की समय यात्रा का रहस्य गति में छिपा है, तो यह माना जा सकता है कि अगर आप बहुत तेज गति से चल रहे हों, तो आप कई वर्ष भी बचा सकते हैं। किसी भी चीज की सबसे तेज गति प्रकाश की चाल है। प्रकाश हर घंटे में करीब एक अरब किलोमीटर की यात्रा करता है। अब तक सबसे तेज मानव निर्मित चीज नासा का पार्कर सोलर प्रोब मानी जाती है, जो 2018 में सूर्य पर भेजा गया एक अंतरिक्ष यान था। लेकिन इसकी गति प्रकाश की चाल की महज 0.064 फीसदी थी। यानी प्रकाश इससे 1,000 गुना ज्यादा तेज चलता है। जाहिर है कि अगर मनुष्य भविष्य की यात्रा करना चाहता है, तो भी उसे बहुत लंबा रास्ता तय करना होगा।

हमारी आकाशगंगा (गैलेक्सी) मिल्की वे से निकटतम कैनिस मेजर ड्वार्फ आकाशगंगा है, जो 25 हजार प्रकाश वर्ष दूर है। इसका मतलब यह है कि प्रकाश को वहां से हम तक पहुंचने में 25 हजार वर्ष लगेंगे। इसका मतलब हुआ कि आज जब हम टेलिस्कोप की मदद से कैनिस मेजर ड्वार्फ आकाशगंगा को देखते हैं, तो वह हमें वैसी दिखाई देती है, जैसी वह 25 हजार साल पहले थी।

परिदृश्यः कलाकृतियों के बाजार में भारत, बढ़ती रुचि अगले दशक को लेकर जगाती है उम्मीद

विगत सितंबर में भारतीय कला जगत ने इतिहास रच दिया। अमृता शेरगिल की 1937 की पेटिंग 'द स्टोरी टेलर' 61.8 करोड़ में बिकी, जो भारत की कला जगत की सबसे महंगी बिकने वाली कृति है। इसके 15-16 दिन पहले ही एसएस रजा की पेंटिंग 'गैस्टासन' लंबी चली नीलामी के बाद 51.75 करोड़ रुपये में बिकी थी। नीलामी करने वाली कंपनी पुंडीले ने तो उसकी बेस प्राइस ही 25 करोड़ रुपये रखी थी। पर उन्हें तब आश्चर्य हुआ, जब दोगुनी कीमत में सौदा तय हुआ। रजा के पहले यह रिकॉर्ड वीएस गाइतोंडे के नाम था। उनकी पेंटिंग 2022 की नीलामी में 48.3 करोड़ रुपये में बिकी थी। इस तरह भारत के कलाकारों का रिकॉर्ड एक के बाद एक टूटता रहा, ऐसा पहली बार हुआ है। नीलामी करने वाली विश्व की ऐसी शिखर कंपनियों में स्थान रखने वाली 'क्रिस्टी' की अब भारत में भी शाखा है। रजा की पेंटिंग की विश्व में सबसे अधिक मांग है। वर्ष 2018 में 'तपोवन' नाम का उनका आर्टवर्क लंदन की नीलामी में 28 करोड़ रुपये में बिका था, जबकि 'सौराष्ट्र' नाम की पेंटिंग 18 करोड़ में बिकी थी। पेंटर फ्रांसिस न्यूटन सूजा की 'हंगर' शीर्षक वाली पेंटिंग 34.5 करोड़ में बिकी थी। देश के ही अन्य पेंटर तैयब मेहता की कृति 'टू हीड्स' भी प्रसिद्ध है। एमएफ हुसेन और अकबर पद्मसी की पेंटिंग की भी मांग है। देश में भारतीय और विदेशी आर्टवर्क खरीदने- बेचने और नीलामी करने वाली कंपनियां बढ़ती जा रही हैं। देश की नई पीढ़ी अब आर्ट को केवल शौक के रूप में ही नहीं अपना रही, बल्कि उसे भारत या विश्व के बाजार में किस तरह लाया जाए, इसमें भी रुचि लेने लगी है। इस क्षेत्र में सलाहकार और एजेंट भी बढ़ते जा रहे हैं। नीलामी करके देने वाली स्टार्ट अप कंपनियां भी खुलती जा रही हैं। देश में कला बाजार पिछले 20 वर्षों में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो गया है। डिजिटल टेक्नोलॉजी के कारण वैश्विक संपर्क आसान हुआ है। आगामी 16 से 19 नवंबर को मुंबई के महालक्ष्मी रेसकोर्स में देश का सर्वप्रथम आर्ट फेयर आयोजित हो रहा है, जिसमें भारतीय शहरों की 50 से अधिक आर्ट गैलरी के अलावा लंदन की ग्रोस्वेनोर भी भाग लेने वाली है। आगामी फरवरी महीने में नई दिल्ली में भी इसका आयोजन होने वाला है। कलाकृतियों का वैश्विक बाजार 68 अरब डॉलर (5,44,000 करोड़ रुपये) का है, जबकि वर्ष 2022-23 में भारत का आर्ट बाजार 1,120 करोड़ रुपये का था और इसमें भारत की कुल 3,883 कलाकृतियां बिकी थीं। कहा जाता है कि पांच साल में यह आंकड़ा दोगुना हो गया है, और अगले दो साल में इसके भी दोगुना बढ़ने की संभावना है। विश्व के कुल आर्ट बाजार में अमेरिका का 42 प्रतिशत का हिस्सा है, तो यूरोप का 23 प्रतिशत। भारत की पेंटिंग 18 से 80 करोड़ में बिकती है, तो हमारी आंखें फैल जाती हैं। पर दुनिया की सबसे ऊंची कीमत पर नजर डालें, तो चौंक जाएंगे। इतनी अंधाधुंध रकम देकर यह पेंटिंग खरीदता कौन है? एक ऐसा वर्ग खरीदार है, जो शेयर बाजार में और सोना-चांदी या जमीन में जिस तरह पैसा निवेश करता है, उसी तरह कलाकृति में भी निवेश करता है और भविष्य में जरूरत पड़ती है, तो उसे विश्व बाजार में या नीलामी में रखता है। दूसरा वर्ग ऐसा है, जो नीलामी में अन्य बोली लगाने वालों को पछाड़ कर बाजार में अपनी आर्थिक ताकत की धाक खड़ी करता है। कला बाजार में कुछ ऐसे भी एजेंट होते हैं, जो किसी खिलाड़ी, फिल्मी कॉरपोरेट हस्ती या श्रीमंत के लिए कलाकृतियां खरीदते हैं। कलाकृतियों की खरीद दरअसल स्मार्ट निवेश है। भारी खर्च दिखाना हो, तो आर्ट कृति इसमें काफी मदद करती है। 25 लाख रुपये की पेंटिंग या कलात्मक वस्तु या एंटीक का दाम एक करोड़ रुपये भी बताया जा सकता है। आगामी दशक भारत के कलाकारों का हो सकता है, क्योंकि दुनिया का ध्यान भारत ने खींचा है। अब तो कला और डिजाइन की शिक्षा देने वाली संस्थाएं भी खुलती जा रही हैं। एक समय यूरोप विश्व में आर्थिक ताकत था, क्योंकि वह कला और संस्कृति तथा म्युजियम की संस्कृति वाला था। अब हम भी अपनी प्राचीन अतुलनीय परंपरा को जीवित कर सकते हैं।

अमृता शेरगिल की 1937 की पेटिंग 'द स्टोरी टेलर' 61.8 करोड़ में बिकी, जो भारत की कला जगत की सबसे महंगी बिकने वाली कृति है। इसके 15-16 दिन पहले ही एसएस रजा की पेंटिंग 'गैस्टासन' लंबी चली नीलामी के बाद 51.75 करोड़ रुपये में बिकी थी। नीलामी करने वाली कंपनी पुंडीले ने तो उसकी बेस प्राइस ही 25 करोड़ रुपये रखी थी। पर उन्हें तब आश्चर्य हुआ, जब दोगुनी कीमत में सौदा तय हुआ। रजा के पहले यह रिकॉर्ड वीएस गाइतोंडे के नाम था। उनकी पेंटिंग 2022 की नीलामी में 48.3 करोड़ रुपये में बिकी थी। इस तरह भारत के कलाकारों का रिकॉर्ड एक के बाद एक टूटता रहा, ऐसा पहली बार हुआ है। नीलामी करने वाली विश्व की ऐसी शिखर कंपनियों में स्थान रखने वाली 'क्रिस्टी' की अब भारत में भी शाखा है। रजा की पेंटिंग की विश्व में सबसे अधिक मांग है।

देश दुनीया से

न्यूजक्लिक पर तगड़ा फ्लिक

विदेश से मिले फंड खास तौर पर चीन से मिले पैसों के खुलासे के बाद विवादों से घिरे इंटरनेट समाचार सूचना प्लेटफार्म देश के न्यूजक्लिक पर दिल्ली पुलिस ने तगड़ा फ्लिक किया है। दिल्ली पुलिस ने इससे संबद्ध नोएडा और गाजियाबाद समेत कुछ स्थानों पर दबिश दी है। इसके कर्ता-धर्ता यानी प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ हैं। पुरकायस्थ को इससे पहले दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंसेस विंग की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 अगस्त को नोटिस भी दिया था। याचिका में अंतरिम आदेश वापस लेने की अपील की गई थी। अंतरिम आदेश में प्रबीर के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाया गया था। दिल्ली पुलिस ने इस बार अपने रडार पर कई चर्चित पत्रकारों को लिया है। इनमें पुरकायस्थ के अलावा अभिसार शर्मा, उर्मिलेश, संजय राजौरा, भाषा सिंह, औनिंद्यो चक्रवर्ती और सोहेल हाशमी हैं। इसकी वजह यह है कि यह सभी न्यूजक्लिक से किसी न किसी तरह संबद्ध हैं। इनको कुछ न कुछ पैसे मिले हैं। दो साल पहले 2021 में दिल्ली हाई कोर्ट ने सात जुलाई को प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार न करने का आदेश पुलिस को दिया था। मगर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पुरकायस्थ को अधिकारियों के निर्देशों के मुताबिक जांच में सहयोग करना होगा। न्यूजक्लिक के वित्तपोषण की गूंज इस साल संसद के मानसून सत्र में हो चुकी है। सात अगस्त को लोकसभा में भाजपा के निशिकांत दुबे ने न्यूजक्लिक को मिलने वाली चाइना की फंडिंग का मुद्दा जोरशोर से उठाया था। यह वही दिन है जब राहुल गांधी सदस्यता बहाल होने पर 137 दिन बाद संसद भवन पहुंचे थे। दुबे ने कहा था कि देश में पड़ोसी देश के पैसे से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ माहौल बनाया गया। न्यूजक्लिक में पड़ोसी देश से पैसा आया। इस पर कांग्रेस ने काफी बवाल किया। आखिर में दुबे की टिप्पणी के कुछ अंश हटाए गए। विरोध की लपटें शांत न होने पर केंद्रीयमंत्री अनुराग ठाकुर को सामने आना पड़ा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि 'कांग्रेस, चीन और विवादित न्यूज वेबसाइट न्यूजक्लिक एक ही गर्भनाल से जुड़े हैं। राहुल गांधी की 'नकली मोहब्बत की दुकान' में पड़ोसी सामान साफ देखा जा सकता है। चीन के प्रति उनका प्रेम नजर आ रहा है। वे भारत विरोधी अभियान चला रहे हैं।' अनुराग ठाकुर ने कहा था कि न्यूजक्लिक को कहां-कहां से पैसा मिला, इस सबकी जानकारी है। इनकी फंडिंग का जाल देखेंगे तो नेवल रॉय सिंघम ने इसको फंडिंग की। फंडिंग उसे चीन की ओर से आई। दिल्ली पुलिस की न्यूजक्लिक पर ताजा कार्रवाई को कांग्रेस को पच नहीं रही। तीन अक्टूबर दिन मंगलवार की यह कार्रवाई 17 अगस्त को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और आईपीसी की अन्य धाराओं के तहत दर्ज मामले पर आधारित है। इसमें धारा 153ए (दो समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और धारा 120बी (आपराधिक साजिश) लगी हैं। यहां यह भी जानना जरूरी है कि न्यूजक्लिक के संबंध में न्यूयॉर्क टाइम्स ने विस्फोटक रिपोर्ट छापी थी। इसमें भी दावा किया गया था कि इस वेबसाइट को चीन से वक्त बे वक्त पर फंड मिलता है। इसके बाद यह भी आरोप लगे कि इस वेबसाइट को 'अमेरिकी टेक मुगल नेविल रॉय सिंघम' वित्त पोषित करते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि साल 2021 में जब भारत की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने मनी लॉन्ड्रिंग के पुख्ता सबूतों के आधार पर न्यूजक्लिक के खिलाफ जांच शुरू की तो कांग्रेस और पूरे वाम उदारवादी पारिस्थितिकी तंत्र ने उसका बचाव किया। उल्लेखनीय है कि दो साल पहले ईडी की जांच में पता चला था कि न्यूजक्लिक को चीन और विदेशी स्थानों से लगभग 38 करोड़ रुपये की फंडिंग मिली। यह किसी से छुपा नहीं है कि नेविल रॉय सिंघम काफी उदार हैं। वह एनजीओ, शिक्षण संस्थानों और मीडिया संस्थानों को फंड करने को लेकर चर्चित हैं। 69 वर्षीय नेविल समाजवादी चिंतक और यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क में प्रोफेसर रहे आर्चिबॉल्ड डब्ल्यू सिंघम के बेटे हैं।

पुरकायस्थ को इससे पहले दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंसेस विंग की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने 22 अगस्त को नोटिस भी दिया था। याचिका में अंतरिम आदेश वापस लेने की अपील की गई थी। अंतरिम आदेश में प्रबीर के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर प्रतिबंध लगाया गया था। दिल्ली पुलिस ने इस बार अपने रडार पर कई चर्चित पत्रकारों को लिया है। इनमें पुरकायस्थ के अलावा अभिसार शर्मा, उर्मिलेश, संजय राजौरा, भाषा सिंह, औनिंद्यो चक्रवर्ती और सोहेल हाशमी हैं। इसकी वजह यह है कि यह सभी न्यूजक्लिक से किसी न किसी तरह संबद्ध हैं। इनको कुछ न कुछ पैसे मिले हैं। दो साल पहले 2021 में दिल्ली हाई कोर्ट ने सात जुलाई को प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तार न करने का आदेश पुलिस को दिया था। मगर दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पुरकायस्थ को अधिकारियों के निर्देशों के मुताबिक जांच में सहयोग करना होगा।

दृष्टिकोण

श्रद्धा की अभिव्यक्ति ही श्राद्ध

श्रद्धा भाव है और श्राद्ध कर्म। श्रद्धा मन का प्रसाद है। पतंजलि ने श्रद्धा को चित्त की स्थिरिता या अक्षोभ से जोड़ा है। श्रद्धा की अभिव्यक्ति श्राद्ध है। भारत में पूर्वजों पितरों के प्रति श्रद्धा की स्थाई भावना है। हम भारतवासी पूर्वजों के प्रति प्रतिपल श्रद्धालु रहते हैं लेकिन नवरात्रि उत्सवों के 15 दिन पहले से पूरा पखवारा पितर पक्ष कहलाता है। लोकमान्यता है कि इस पक्ष में पूर्वज पितर आकाश लोक आदि से उतरकर धरती पर आते हैं। हम सब पूरे वर्ष व्यस्ते रहते हैं। इसी में 15 दिन पितरों के प्रति गहन श्रद्धा का प्रसाद सुख निराला है। वैदिक निरूक्त में श्रत और श्रद्धा को सत्य बताया गया है। पितरों का आदर प्रत्यक्ष मानवीय गुण है। पिता और पूर्वज हमारे इस संसार में जन्म लेने का माध्यम हैं। वे थे, इसलिए हम हैं। वे न होते, तो हम न होते। उन्होंने पालन पोषण दिया। स्वयं की महत्वाकांक्षाएं छोड़ी। उन्होंने हमारी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए तमाम कर्म किए। वे सदा सर्वदा नमस्कारों के योग्य हैं। भारतीय विद्वानों ने श्रद्धा भाव को श्राद्ध कर्म बनाया। पिता, पितामह और प्रपितामह के लिए अन्न भोजन जल आदि के अर्पण तर्पण का कर्मकाण्ड बनाया। श्रद्धा है कि अर्पित किया गया भोजन पितरों को मिलता है। वे प्रसन्न होते हैं और सन्तति को सभी सुख साधन देते हैं। लेकिन तमाम कर्मकाण्ड आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण की संगति में नहीं आते। वे अंधविश्वास जान पड़ते हैं। लेकिन कर्मकाण्ड निरूद्देश्य नहीं होते। सभ्य समाज में पितरों का आदर होता ही है, होना भी चाहिए। श्राद्धकर्म को लेकर चलने वाली बहस पुरानी है। मत्स्य पुराण (19.2) में प्रश्न है कि श्राद्ध का भोजन पुरोहित या अग्नि को अर्पित होता है, क्या वह मृत पूर्वजों द्वारा खाया जाता है? जो मृत्यु के बाद अन्य शरीर धारण कर चुके होते हैं?' इस प्रश्न का उत्तर भी दिया गया है, 'पिता, पितामह और प्रपितामह को वैदिक मंत्रों में क्रमशः वसु, रूद्र और आदित्य देव के समान माना गया है। वे नाम परिचय सहित उच्चारण किए गए मंत्रों आहुतियों को पितरों के पास ले जाते हैं। यदि पितर सत्कर्म के कारण देवता हो गए हैं तो वह भोजन आनंद रूप में उनके पास पहुंचता है, यदि पशु हो गए हैं तो भोजन घास हो जाता है यदि सर्प जैसे रेंगने वाली योनि में हैं तो यह भोजन वायु आदि के रूप में उन्हें मिलता है।' मत्स्य पुराण का यह उल्लेख महत्वपूर्ण है। यहां आए प्रश्न तत्कालीन समाज के ही तर्क हैं। उत्तर श्राद्ध समर्थकों के स्पष्टीकरण माने जा सकते हैं। असल में श्रद्धा कर्म परम्परा पुरानी है और पुनर्जन्म मान्यता भी। ऋग्वेद में भी पुनर्जन्म का उल्लेख है। संतानों द्वारा प्रेषित भोजन पितरों तक पहुंच जाने के सिद्धांत का मूल श्रद्धा है। पुनर्जन्म सिद्धांत के कारण आत्मा के नए शरीर धारण की बात आई। आर्य समाज श्राद्धकर्म के पक्ष में नहीं है। उसने वैदिक दर्शन को प्रतिष्ठा दी। आर्य समाज ने ऋग्वैदिक पितरों को मृत नहीं माना। उन्हें जीवित वानप्रस्थी बताया। शतपथ ब्राह्मण में मंत्र है 'यह भोजन पिता जी आपके लिए है।' याज्ञवल्क्य की व्यवस्था है 'वसु, रूद्र और आदित्य हमारे पितर हैं। वे श्राद्ध के देवता हैं। पितरों का ध्यान वसु रूद्र और आदित्य के रूप में ही करना चाहिए। वृहदारण्यक उपनिषद् में याज्ञवल्क्य ने शाकल्य को रूद्र और वसु का अर्थ समझाया है। यहां पृथ्वी, आकाश आदि वसु हैं, प्राण, इन्द्रियां मन आदि रूद्र हैं। आदित्य प्रकाश हैं। यहां प्रकृति की शक्तियों के प्रति पितर श्रद्धा है। ऋग्वेद के दसवें मण्डल (सूक्त 14) में मृत पितरों पर रोचक विवरण हैं।

शरणार्थियों को देश छोड़ने के आदेश की तालिबान ने की आलोचना, यूएनएचआरसी ने की पुनिर्विचार की अपील

कराची ।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के 17 लाख शरणार्थियों व अवैध रूप से रह रहे सभी प्रवासियों को 31 अक्तूबर तक देश छोड़ देने की योजना पर अमल करने का फैसला किया है। इस फैसले को पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप बता रहा है। वहीं देश के इस फैसले की आलोचना हो रही है। एमनेस्टी और यूएन समेत कई वैश्विक संगठनों ने निंदा की है और सरकार से इसपर पुनर्विचार करने को कहा है। वहीं काबुल में तालिबान सरकार ने भी इस कदम पर आपत्ति जताई है।

शरणार्थियों में डर का माहौल – इधर, इस फैसले के बाद पाकिस्तान में रह रहे शरणार्थियों के बीच डर का माहौल देखा जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर अफगानी आबादी वाले दो इलाकों में कई युवा और मध्यम आयु वर्ग के शरणार्थियों के पास पुलिस के साथ झड़पों और गिरफ्तारियों के बारे में बताने के लिए दर्दनाक कहानियां सामने आ रही हैं। अफगान बस्ती में समुदाय के प्रमुख हाजी अब्दुल्ला ने बताया कि यहां तक कि जिनके पास कानूनी शरणार्थी दर्जा/कार्ड हैं, उन्हें भी पुलिस नहीं बख्श रही है, और पूरे कराची में हमारे लोगों को शातिर तरीके से निशाना बना रहे हैं।

कार्ड भी फाड़ देती है पुलिस – अब्दुल्ला ने कहा कि पुलिस हमारे लोगों से पैसे वसूलने में मस्त रहती है, तब भी जब हमारे शरणार्थी कार्ड वाले लोग उन्हें अपने कार्ड दिखाते हैं, वे फाड़ दिए जाते हैं और हमारे लोगों को पुलिस स्टेशनों में ले जाया जाता है और केवल तभी छोड़ा जाता है जब पुलिस को रिश्वत दी जाती है। हाजी रहीम, जो समुदाय के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी हैं, ने कहा कि पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के डर से अधिकांश युवा घर पर ही रह रहे हैं और काम के लिए बाहर नहीं निकल रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम नहीं जानते कि क्या करें, क्योंकि कानूनी स्थिति वाले शरणार्थियों को भी परेशान किया जा रहा है और पैसे देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। सदर में ठेला लगाने वाले और चिप्स बेचने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने उठा लिया था और वह अभी भी जेल में बंद है, क्योंकि उसका परिवार रहीम ने कहा कि मैं पुलिस द्वारा मांगे गए पैसों का इंतजाम नहीं कर सकता। उस व्यक्ति की पत्नी सानिया नाज़ ने कहा कि उसके पति और भाई दोनों जेल में हैं, इसलिए पांच बच्चों का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। मौजूदा स्थिति के कारण, कई परिवारों ने पहले ही घर लौटने का फैसला कर लिया है और कुछ पहले ही बलूचिस्तान में चमन सीमा के रास्ते सड़क मार्ग से निकल चुके हैं।

न्यूज ब्रीफ

युवाओं में कट्टरपंथ सिख समुदाय के लिए चिंता का विषय, सिख अखबार के संपादक का दावा

कैलिफोर्निया । खालसा टुडे के प्रधान संपादक सुखी चहल ने ब्रांपटन में आठ सिख युवाओं को शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि युवाओं में ये कट्टरपंथ सिख समुदाय के लिए चिंता का विषय है। चहल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि युवाओं के पास हथियार तक पहुंच है और वे संगठित अपराध का हिस्सा बनते जा रहे हैं। सिख समुदाय के लिए चिंता व्यक्त करते हुए चहल ने कहा, वैंकुवर या टोरंटो की तरफ इस तरह की गतिविधियां बहुत ही दुखद, चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है। हम लंबे समय से ही इस पर बात कर रहे हैं कि युवाओं में कट्टरपंथ सिख समुदाय के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने आगे कहा, यह सिख समुदाय के लिए अच्छा नहीं है। यह बहुत बड़ा चिंता का विषय है और मैं आशा करता हूं कि सिख और पंजाबी समुदाय इस मुद्दे पर चर्चा करें, क्योंकि यह सभी के लिए चिंता का विषय है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का भारत सरकार पर खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप लगाने के बाद ही भारत और कनाडा के रिश्तों के बीच लगातार तनाव देखने को मिल रहा है। निज्जर एक कुख्यात आतंकी था, जिसकी ब्रिटिश कोलंबिया के गुरुद्वारे के बाहर 18 जून को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। निज्जर की हत्या के बाद कनाडा के पीएम ट्रूडो ने कनाडाई संसद में बहस के दौरान निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंट का हाथ होने का दावा किया था। हालांकि, भारत ने दावों को बेबुनियाद करार दिया था। कनाडा ने अभी तक अपने दावों पर कोई सबूत पेश नहीं किया है।

तंजानिया की राष्ट्रपति का तीन दिवसीय भारत दौरा, पीएम मोदी के साथ करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

डोडोमा। तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन तीन दिवसीय भारत की यात्रा पर दिल्ली पहुंचेंगी। अपनी भारत यात्रा के दौरान हसन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगी और राष्ट्रपति मुर्मू उनके लिए एक राजकीय भोज की मेजबानी भी करेंगी। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा और उसके बाद वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन 10 अक्तूबर को नई दिल्ली में एक व्यापार और निवेश मंच में भी भाग लेंगी। तंजानिया के किसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा आठ वर्षों की अवधि के बाद हो रही है। विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि आगामी यात्रा भारत और तंजानिया के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करेगी। बता दें कि सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे दो से पांच अक्टूबर तक तंजानिया की आधिकारिक यात्रा पर थे, जिससे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को मजबूती मिली। अपनी यात्रा के दौरान जनरल पांडे ने मेजर जनरल विल्बर्ट ऑगस्टीन इबुगे कमांडेंट और फैकल्टी से भी मुलाकात की और दोनों सेनाओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। राष्ट्रपति सामिया के दौरान सुलुहु हसन की भारत यात्रा से दोनों देश अपने रक्षा संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाएंगे। इस यात्रा में चार स्तंभों में एक विकास निगम, समुद्री सुरक्षा, रक्षा निगम और व्यापार निवेश शामिल हैं। इसके अलावा वह भारत में द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति शाम 5: 15 बजे पहुंचेंगी और बाद में 6: 30 बजे विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगी।

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में विमान दुर्घटनाग्रस्त, भारत के दो ट्रेनी पायलट सहित तीन की मौत

वैंकूवर । कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में दो इंजन वाले हल्के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से भारत के दो प्रशिक्षु पायलटों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के चिलिवैक शहर में यह विमान हादसा हुआ, जो वैंकूवर से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। कनाडा के परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने कहा कि हादसे की जांच के लिए अधिकारियों को मौके पर भेज गया है। हादसे में जान गंवाने वाले भारत के ट्रेनी पायलटों की पहचान अभय गडरू और यश विजय रामुगड़े के रूप में की गई है, दोनों मुंबई के रहने वाले थे। अधिकारियों ने कहा कि हादसे में किसी अन्य नागरिक के घायल होने की सूचना नहीं है। कनाडा की पुलिस ने एक बयान में कहा कि दो इंजन वाला हल्का विमान पाइपर पीए-34 सेनेका उड़ान भरने के बाद स्थानीय हवाई अड्डे के पास झाड़ियों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें पायलट सहित विमान पर सवार सभी तीन लोग मारे गए।

नवाज शरीफ को पीएम पद से हटाने के लिए तीन बार हुई साजिश, कश्मीर-कारगिल का जिक्र कर भाई शहबाज का दावा

लाहौर ।

पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की लंदन से पाकिस्तान वापसी की उल्टी गिनती शुरू होने के बीच उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा, नवाज शरीफ को तीन बार किसी न किसी साजिश के तहत सत्ता से बेदखल किया गया। कारगिल युद्ध में भारत से मिली करारी मात का जिक्र करते हुए शहबाज ने कहा, उनके भाई को 1999 सहित तीन बार किसी न किसी साजिश के तहत सत्ता से बेदखल किया गया। बता दें कि शहबाज भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

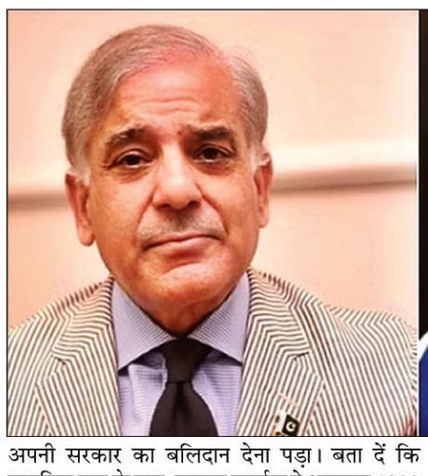

चार साल से लंदन में हैं पूर्व प्रधानमंत्री

गौरतलब है कि 73 वर्षीय नवाज के लंदन में लगभग चार साल से आत्म-निर्वासन का जीवन बिता रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवाज 21 अक्टूबर को पाकिस्तान लौट सकते हैं। नवंबर 2019 में इलाज कराने लंदन गए नवाज शरीफ पाकिस्तान में गिरफ्तारी की आशंकाओं से बचने के लिए लंदन में रह रहे हैं।

नवाज को युद्ध रोकने अमेरिका जाना पड़ा

शहबाज़ भी पूर्व प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि सबसे महत्वपूर्ण साजिश उस समय हुई जब 1999 में उन्हें सत्ता से बाहर करने के लिए कारगिल युद्ध में मिली हार का ठीकरा नवाज पर फोड़ दिया गया। दिवंगत सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ का नाम लिए बिना, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष ने कारगिल को साहसिक कार्य करार दिया। उन्होंने कहा कि कारगिल के मद्देनजर नवाज शरीफ को युद्ध रोकने के लिए अमेरिका जाना पड़ा।

कारगिल का ठीकरा नवाज शरीफ पर फोड़ा

शहबाज ने लाहौर में मीडिया से बात करते हुए तंज भरे अंदाज में कहा, कारगिल की पराजय (1999 में) तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर आसानी से थोप दी गई थी। अगर इस साहसिक कार्य के मद्देनजर कश्मीर पर कब्जा कर लिया गया होता, तो इतिहास अलग हो सकता था।

मुशर्रफ ने किया तख्तापलट

शहबाज ने कहा, भारत के साथ युद्ध खत्म करने के लिए नवाज को अमेरिका जाना पड़ा और देश हित में अपनी सरकार का बलिदान देना पड़ा। बता दें कि कारगिल युद्ध के बाद, जनरल मुशर्रफ ने अक्टूबर 1999 में नवाज शरीफ की चुनी हुई सरकार के खिलाफ सैन्य तख्तापलट किया, सत्ता छीन ली और अगले नौ वर्षों तक देश पर शासन किया।

1999 में कारगिल, पाकिस्तान को मिली करारी मात

गौरतलब है कि 26 जुलाई 1999 को, भारतीय सेना ने कारगिल की बर्फीली ऊंचाइयों पर लगभग तीन महीने की लंबी लड़ाई के बाद पाकिस्तानी सेना पर जीत की घोषणा की थी। कारगिल की इस लड़ाई में भारत की जीत को याद करने के लिए ऑपरेशन विजय का जश्न विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कोट लखपत जेल में सात साल की जेल

बता दें कि लाहौर उच्च न्यायालय से मिली चार सप्ताह की जमानत के बाद, तीन बार के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ नवंबर 2019 से चिकित्सा आधार पर लंदन में रह रहे हैं। पाकिस्तान की अदालत ने उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। विदेश में इलाज के लिए जमानत मिलने से पहले वह अल-अजीजिया मिल्स भ्रष्टाचार मामले में पाकिस्तान की कोट लखपत जेल में सात साल की जेल की सजा काट रहे थे। इमरान खान का धरना, 2014 में रद्द हुआ चीनी राष्ट्रपति का पाक दौरा शहबाज ने कहा, नवाज अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान में चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) लेकर आए। उन्होंने दावा किया, नवाज के खिलाफ साजिश तब शुरू हुई जब 2014 में इस्लामाबाद में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान के धरने के कारण चीनी राष्ट्रपति का पाकिस्तान दौरा रद्द हो गया।

नवाज शरीफ 21 अक्टूबर को सरेंडर करेंगे

शहबाज ने कहा, 2014 के बाद 2017 में, नवाज को पनामा पेपर्स मामले में बाहर कर दिया गया, जिसके कारण पाकिस्तान के विकास में अड़चनें आईं। पीएमएल-एन पार्टी का कहना है कि नवाज अपने निर्धारित आगमन से पहले अदालत से एहतियाती जमानत हासिल कर लेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, 21 अक्टूबर को मीनार-ए-पाकिस्तान में एक रैली को संबोधित करने के बाद अल अजीजिया भ्रष्टाचार मामले में नवाज पाकिस्तान की अदालत में आत्मसमर्पण कर देंगे।

पाकिस्तान में चुनाव कब होंगे

एक अन्य बयान में शहबाज ने कहा था, नवाज वापस लौटेंगे और देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालेंगे। उन्होंने कहा, उनके बड़े भाई प्रधानमंत्री पद के लिए पीएमएल-एन के उम्मीदवार होंगे। बता दें कि पाकिस्तान चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि जनवरी 2024 के अंत तक आम चुनाव होंगे।

अमेरिका के समाज विज्ञान पाठ्यक्रम में अब सिख धर्म भी हुआ शामिल, कनेक्टिकट प्रांत ने किया फैसला

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राज्य कनेक्टिकट के 'कनेक्टिकट स्टेट बोर्ड ऑफ एजुकेशन' ने सामाजिक विज्ञान के अपने नए पाठ्यक्रम में सिख धर्म को शामिल करने का फैसला किया है। इस पहल से कनेक्टिकट के लगभग 5,14,000 छात्र-छात्राओं को सिख समुदाय के बारे में जानने का मौका मिलेगा। सिख समुदाय लंबे समय से अपने धर्म को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की मांग कर रहा था।

नॉर्विच सिटी के काउंसिलमैन स्वर्णजीत सिंह ने कहा, नया पाठ्यक्रम छात्र-छात्राओं को शिक्षा के तीनों स्तर पर सिख समुदाय के बारे में जानने का अवसर प्रदान करेगा। छात्र-छात्राओं को कम उम्र से ही सिख धर्म के इतिहास और समुदाय के योगदान के बारे में पढ़ाने से हमारे छात्रों के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार होगा। वहीं, 'सिख कोएलिशन' ने कहा, कनेक्टिकट में नया कोर्स अपनाने व लागू करने की प्रक्रिया आने वाले वर्षों में शुरू होगी। संगठन इस प्रक्रिया के दौरान कनेक्टिकट शिक्षा विभाग के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा, ताकि पूरे प्रांत के स्कूलों में 'सिख धर्म' का अध्ययन सुनिश्चित किया जा सके। कनेक्टिकट अमेरिका का 18वां राज्य बन गया है, जिसने सिख धर्म को सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने के लिए 'सिख कोएलिशन' के साथ हाथ मिलाया है।

अमेरिका में 125 वर्षों से योगदान

जून में वाशिंगटन ने सिख धर्म को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया था। इससे प्रांत के ढाई करोड़ से अधिक छात्र-छात्राओं को ज्यादा समावेशी और समग्र शिक्षा प्रदान करने की पहल को बढ़ावा मिला। सिख धर्म दुनिया के सबसे बड़े धर्मों में से एक है और इस समुदाय के सदस्यों ने नागरिक अधिकारों, राजनीति, कृषि, इंजीनियरिंग और चिकित्सा के क्षेत्र में 125 वर्षों से अधिक समय तक अमेरिकी समाज में योगदान दिया है।

सिर्फ दवा खाकर ठीक हो गया महिला के तीसरे चरण का कैंसर, छह महीनों में कैसे हुआ चमत्कार

वेल्स ।

वेल्स में रहने वाली एक महिला के साथ कुछ ऐसा चमत्कार हुआ, जिसके बारे में जानकर महिला खुद चकित रह गई। दरअसल, महिला तीसरे चरण के आंत कैंसर से ग्रस्त थी और एक नई दवाई के इस्तेमाल से ही वह पूरी तरह से ठीक हो गई।

छह महीनों में खत्म हुआ कैंसर

वेल्स की रहने वाली कैरी डाउनी ने महज छह महीने ही उस दवाई का सेवन किया था, और इतने कम समय में ही उनका कैंसर पूरी तरह से गायब हो गया। 42 वर्षीय कैरी डाउनी को एक साल पहले ही कैंसर का पता चला था जिसके बाद उन्हें छह महीनों तक डोस्टारलिमैब इन्फ्यूजन दिया गया था। हालांकि, इसके टेस्ट कराने पर पता चला कि उनका कैंसर पूरी तरह से ठीक हो चुका है।

डोस्टारलिमैब इम्यूनोथेरेपी का एक रूप है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर को नष्ट करने में मदद करता है। हर्निया प्रत्यारोपण के कारण महिला को दर्द हो रहा था। जांच के दौरान डॉक्टरों को उनके कैंसर के बारे में मालूम पड़ा। उन्हें स्वानसी में सिंगलटन अस्पताल के ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. क्रेग बैरिंगटन के पास भेजा गया, उन्होंने ही महिला को डोस्टारलिमैब निर्धारित किया था। छह महीने के लिए महिला डोस्टारलिमैब दिया गया।

महिला ने बताया, मैं थक चुकी थी, मुझे इधर-उधर दाने निकल गए थे, लेकिन यह कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी या सर्जरी की तुलना में कुछ भी नहीं था। उनके उपचार के दौरान स्कैन से पता चला कि उनका ट्यूमर काफी ज्यादा सिकुड़ गया था और अंत में उनका कैंसर पूरी तरह से खत्म हो गया। पिछले साल भी 18 मलाशय कैंसर मरीजों को छह महीने तक यही दवाई दी गई थी और इस दवाई के उपयोग से सभी मरीजों का कैंसर पूरी तरह से खत्म हो गया।

कैलिफोर्निया गवर्नर ने जातिगत भेदभाव रोकने वाले विधेयक पर किया वीटो, भारतीय अमेरिकी संगठनों ने बताया जीत

वॉशिंगटन ।

अमेरिका के कैलिफोर्निया के गवर्नर ने भारतीय समुदाय के पक्ष में फैसला लिया है। उन्होंने कैलिफोर्निया जाति विधेयक पर वीटो कर दिया है, जिसे भारतीय समुदाय बड़ी जीत बता रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने जाति के आधार पर भेदभाव को खत्म करने के लिए पारित किए गए कैलिफोर्निया जाति विधेयक पर वीटो कर दिया है। उन्होंने तर्क दिया कि कैलिफोर्निया में जाति के आधार पर भेदभाव पर रोक लगाने वाला कानून पहले से है, इसलिए यह विधेयक गैर-जरूरी है। कुछ भारतीय अमेरिकी संगठनों ने इस कदम को अमेरिका में बसे हिंदुओं की जीत बताया है। उनका कहना है कि यह विधेयक भारतीयों और हिंदुओं के खिलाफ भेदभाव कर रहा था। साथ ही अमेरिका में जातिगत भेदभाव के खिलाफ कानून की जरूरत नहीं है। गेविन न्यूसम ने कैलिफोर्निया राज्य सीनेट के सदस्यों से कहा, मैं अपने हस्ताक्षर के बिना सीनेट बिल 403 लौटा रहा हूं। यह विधेयक निष्पक्ष रोजगार और आवास अधिनियम और शिक्षा संहिता के उद्देश्यों के लिए वंश को परिभाषित करेगा, जिसमें जाति और वंश के अन्य आयामों को शामिल किया जाएगा।

एचएएफ ने गवर्नर को धन्यवाद कहा

गवर्नर ने आगे कहा कि हमारा मानना है कि कैलिफोर्निया में हर कोई समान और सम्मान के साथ रह रहा है। कोई कहीं से भी आया हो या वह कोई भी हो या कहीं भी रहता हो इससे फर्क नहीं पड़ता। वह सम्मान का हकदार है। कैलिफोर्निया में पहले से ही लिंग भेद प्रतिबंधित है। जातिगत भेदभाव भी प्रतिबंधित है, इसलिए यह विधेयक अनावश्यक है। एचएएफ के प्रबंध निदेशक ने गवर्नर को इस फैसले के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने कहा कि हजारों आवाजों और उनके कष्ट को देखने और समझने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। उन्होंने कहा कि सीनेट बिल-403 निराधार था। वह हिंदू धर्म और दक्षिण एशियाई समुदाय के बारे में झूठे दावों पर आधारित था।

एक के बाद एक भूकंप के तीन झटकों से थर्राया अफगानिस्तान; 2000 से ज्यादा की मौत, कई घायल

काबुल ।

पश्चिमी अफगानिस्तान में आए भूकंप के कई झटकों से दर्जनों लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने 2000 मृतकों का आंकड़ा जारी किया है। भूकंप से हेरात प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित है। भूकंप के कारण सैकड़ों घर तबाह हो गए हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

देश के राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने दो हजार लोगों के मारे जाने और सैकड़ों अन्य के घायल होने का अनुमान लगाया है। अफगानिस्तान के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके बाद 12.19 बजे 5.6 तीव्रता और 12.42 पर तीसरा भूकंप आया, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.3 दर्ज की गई।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप का केंद्र हेरात से 40 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। दोपहर 11 से एक बजे के बीच 4.6 से 6.3 तीव्रता के कुल पांच झटके आए।

भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित हेरात प्रांत के सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक मोहम्मद तालेब शाहिद ने बताया फिलहाल मृतकों और घायलों के आंकड़े अस्पताल लाए गए लोगों के आधार पर जारी किए गए हैं। लोगों को जब मलबे से निकाला जाएगा, तब वास्तविक संख्या का पता चलेगा।

नेपाल के बझांग में 5.3 तीव्रता का भूकंप

नेपाल के सुदूर पश्चिम क्षेत्र बझांग में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र बझांग में ही था। पिछले तीन अक्तूबर को आए भूकंप के बाद यहां लगातार 13 बार झटके आ चुके हैं। भूकंप के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए।

क्यों आता है भूकंप

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

क्या है भूकंप के केंद्र और तीव्रता का मतलब

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापा जाता है भूकंप की तिव्रता और क्या है मापने का पैमाना

भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

राजस्थान की जनता भाजपा के पक्ष में मन बना चुकी है : केंद्रीय मंत्री

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि आने वाले 50 दिन के बाद राजस्थान में भाजपा की सरकार बनेगी। राजस्थान की राजनीति को राजनीति शास्त्र का विद्यार्थी होने के नाते मैं नजदीक से देख रहा हूं। भाजपा के कार्यकर्ता के नाते ही नहीं, बल्कि राजस्थान को पिछले कई सालों से राजनीतिक विश्लेषण करते हुए मैं जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूं कि राजस्थान की जनता भाजपा के पक्ष में मन बना चुकी है। केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2018 विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी बड़े-बड़े वादे और दावे करके सत्ता में आई थी। आज कांग्रेस के पास बहुमत होने के बावजूद भी यह सरकार अस्थिर, बिना निर्णय लेने वाली, भ्रष्ट और दिशाहीन सरकार दे पाई है। आज राजस्थान महिला उत्पीड़न के मामलों में देश के सभी राज्यों को पार कर चुका है, 32 हजार से अधिक बलात्कार के मामले पिछले पांच सालों में राजस्थान में हुए हैं। राजस्थान महिला सशक्तिकरण, मर्यादा और महिला गौरव के लिहाज से परंपरागत विरासत के लिए बहुत महत्वपूर्ण प्रांत है। कांग्रेस सरकार के नेतृत्व में महिलाओं पर सबसे ज्यादा उत्पीड़न के मामले हुए हैं, इसका प्रमुख कारण है रसूखदार लोगों का बलात्कार की घटनाओं में शामिल होना, जिसमें सत्ताधारी मंत्री और विधायक के पुत्र के नाम हैं। शासन में बैठे हुए नेतृत्व करने वाले लोगों के भीतर कोई नैतिकता नहीं बची है, ऐसी स्थिति में ये लोग प्रजा को कैसे दिलासा देंगे। राजस्थान में विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों जिसमें एससी-एसटी समाज का उत्पीड़न सबसे ज्यादा हुआ है, इन दिनों में जो खबरें छपी हैं इसलिए मैं राजस्थान को लेकर चिंता प्रकट करता हूं। प्रधान ने कहा कि राजस्थान में इन पांच सालों में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के 19 बार पेपर लीक हुए हैं, राज्य सरकार द्वारा कराई जाने वाली इन सभी भर्तियों के पेपर लीक होना गहलोत सरकार की प्रशासनिक दक्षता पर सवाल खड़े करती है। युवाओं के भविष्य को भी कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया, प्रदेश के नौजवानों के भविष्य को दिशाहीन कर दिया। 19 बार पेपर लीक होने का मतलब यानी हर एक क्वार्टर किसी भर्ती का पेपर लीक हुआ है। इसमें गरीब बच्चों के आत्मविश्वास को सबसे ज्यादा चोट पहुंचती है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश भ्रष्टाचार के मामलों में नंबर एक पर है, आज देश भर में राजस्थान का नाम लाल डायरी के कारण बदनाम हुआ है। किसानों की हालत राजस्थान में सबसे ज्यादा खराब है। 2018 में कांग्रेस ने किसानों का संपूर्ण कर्जा माफ करने की बात कही थी, सत्ता में आने के बाद यह घोषणा पूरी तरह झूठी घोषणा साबित हुई। इन पांच सालों में 19 हजार से ज्यादा किसानों को जमीन नीलामी के नोटिस दिए गए। हमारा देश आज बिजली के मामले में पॉवर सरप्लस देश है, लेकिन मुझे जानकारी मिली कि राजस्थान में सबसे महंगी बिजली और उस पर भी लगातार अघोषित कटौती की जाती है। महंगी बिजली के कारण समाज के सभी वर्गों को विशेष करके गरीब, किसान, स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे, उद्योग विशेष करके राजस्थान में (एमएसएमई) घरेलू और कुटीर उद्योग पूरी तरह प्रभावित हुए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने केवल वोट बैंक के लिए तुष्टीकरण के सारे पैरामीटर तोड़ दिए। राजस्थान में बहुमत पाने के बाद भी कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी कलह की वजह से आज गहलोत एक भ्रष्ट शासन करने वाले मुख्यमंत्री कहलाने लगे हैं। राजस्थान के लोगों ने उनके लंबे समय के अनुभव पर भरोसा करके वोट दिया था, लेकिन आज राजस्थान में सबसे ज्यादा किसी ने निराश किया, किसी ने राजस्थान की नई पीढ़ी को गुमराह किया तो उसके लिए केवल वर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जिम्मेदार हैं। आज भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति बन चुकी है। राजस्थान में भाजपा का जन आधार हिमालय के समान विशाल आकार का है। उन्होंने कहा कि आज जयपुर संभाग की बैठक में भाग लेने के लिए आया हूं। हमने प्रदेश की 50 विधानसभाओं को लेकर आज विशेष योजना बनाई है, क्योंकि 50 विधानसभा एक तरह से प्रदेश के राजनीतिक वातावरण का एजेंडा सेट करता है। मैंने यहां बैठक में जनता को लेकर एक समीक्षा की है, इसलिए मैं जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूं 2013 से भी बड़ा बहुमत लेकर हम सरकार बनाएंगे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक दिव्य दृष्टि वाली सरकार, एक सेवा की योजना और राजस्थान के कार्यकर्ता और राजस्थान की जनता का आशीर्वाद भाजपा को दिख रहा है। दूसरी और केवल गहलोत के नेतृत्व में एक भ्रष्ट सरकार दिख रही है जिसे कितनी जल्दी सत्ता से हटाया जाए प्रदेश की जनता ने उसके लिए मन बनाया हुआ है।

राजस्थान में होगा जाति आधारित सर्वेक्षण

जयपुर (हिंस)। सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी। सर्वेक्षण में राज्य के समस्त नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर के सम्बंध में जानकारी एवं आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा इनका विशेष अध्ययन कराया जाकर वर्गों के पिछड़ेपन की स्थिति में सुधार लाने के लिए विशेष कल्याणकारी उपाय और योजनाएं लागू की जाएगी। इससे सभी वर्गों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा द्वारा इस सम्बंध में आदेश जारी किया गया है। सर्वेक्षण कार्य आयोजना (आर्थिक एवं सांख्यिकी) विभाग द्वारा नोडल विभाग के रूप में संपादित किया जाएगा। साथ ही, सभी जिला कलेक्टर सर्वेक्षण के लिए नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम, ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के अधीनस्थ कार्मिकों की सेवाएं ले सकेंगे। कार्य के लिए नोडल विभाग द्वारा प्रश्नावली तैयार की जाएगी। इसमें उन समस्त विषयों का उल्लेख होगा, जिससे प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर की संपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। सर्वेक्षण से प्राप्त सूचनाएं एवं आंकड़े ऑनलाइन फीड किए जाएंगे। इसके लिए सूचना, प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा पृथक से विशेष सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप बनाया जाएगा। सर्वेक्षण से प्राप्त संकलित की गई सूचनाएं विभाग सुरक्षित रखेगा।

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए जेजेपी जारी करेगी घोषणा पत्र

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर जननायक जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी है। रविवार को जयपुर में जेजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने राजस्थान कार्यकारिणी के साथ अहम बैठक कर चुनावी मंथन किया। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला की अध्यक्षता में हुई बैठक में राजस्थान में संगठन मजबूती, विधानसभा चुनाव, डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के रोड शो कार्यक्रम आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और कई अहम फैसले लिए गए। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि राजस्थान की जनता के हित में जेजेपी प्रदेश में परिवर्तन लाना चाहती है। उन्होंने कहा कि यहां जेजेपी जनता से बकायदा वादा करके चुनावी मैदान में उतरेगी। अजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी राजस्थान चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी करेगी ताकि जेजेपी की सरकार में हिस्सेदारी होने के बाद उन वादों को पूरा करके जनता को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि जेजेपी ने बैठक में फैसला लिया है कि उनकी अध्यक्षता में एक कमेटी पार्टी का घोषणा पत्र तैयार करेगी। अजय चौटाला ने कहा कि इस कमेटी में उनके साथ वरिष्ठ नेता डॉ. केसी बांगड़, राजस्थान से जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष पृथ्वी मील, प्रदेश प्रधान महासचिव रामनिवास यादव, महिला प्रदेश अध्यक्ष रीटा चौधरी, पूर्व विधायक प्रतिभा सिंह और संजय चोपड़ा शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी घोषणा पत्र में राजस्थान के युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार, महिलाओं को सम्मान, किसानों की आर्थिक स्थित मजबूत करने आदि अहम विषयों को ध्यान में रखते हुए घोषणा पत्र बनाएगी, जिसमें हर वर्ग का खासा ध्यान रखा जाएगा। कार्यकारिणी की बैठक में जेजेपी प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने पार्टी पदाधिकारियों को पार्टी की नीतियों और प्रचार-प्रसार के कार्यक्रमों के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि जेजेपी की सीकर में हुई सफल और विशाल रैली के बाद प्रदेश के लोग बदलाव के लिए जेजेपी के साथ निरंतर जुड़ रहे है। इसी कड़ी में हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला सीकर की सफल रैली के लिए स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त करने के लिए राजस्थान में आ रहे है। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के रोड शो कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार हो गई है। दुष्यंत चौटाला 13 अक्तूबर को नोहर और सूरतगढ़, 14 अक्तूबर को दातारामगढ़, 19 अक्तूबर को कोटपूतली और 20 अक्तूबर को भरतपुर में रोड शो के कार्यक्रम करेंगे तथा क्षेत्रीय लोगों से रूबरू होंगे।

पंजाब : मुख्यमंत्री ने विरोधियों को दी खुली बहस की चुनौती

पंजाब दिवस पर 1 नवंबर को चंडीगढ़ में बहस होने की अटकलें

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत ने विपक्ष के सभी नेताओं को पंजाब के मुद्दों पर खुली बहस की चुनौती दी है। मुख्यमंत्री ने 1 नवंबर को पंजाब दिवस के मौके पर बहस करने का न्यौता दिया है। विपक्ष की बयानबाजियों को मुख्यमंत्री ने रोजाना की किच-किच करार दिया है। मुख्यमंत्री की इस चुनौती के बाद पहली बार चंडीगढ़ में खुली बहस के लिए मंच भी लगाए जाने की अटकलें हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को एक्स पर पोस्ट करके कहा कि *भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल और कांग्रेस के राजा वड़िंग व प्रताप बाजवा को मेरा खुला निमंत्रण है। वह रोज-रोज की घिसी-पिटी बातों की बजाय पंजाबी लोगों और मीडिया के सामने आकर बैठें कि उन्होंने पंजाब को कैसे लूटा। भाई-भतीजे, साले, दोस्त, मुलाहजे, टोल प्लाजा, युवा किसान, व्यापारी-दुकानदार, गुरुओं की वाणी, नहरों का पानी...आइए सभी मुद्दों पर लाइव बहस करें।* मुख्यमंत्री ने कहा कि आप अपने साथ कागज ला सकते हैं, लेकिन मैं मुंह जुबानी बोलूंगा। 1 नवंबर को *पंजाब डे* वाला दिन अच्छा रहेगा। आपको तैयारी के लिए समय भी मिल जाएगा। मेरी तो पूरी तैयारी है क्योंकि सच बोलने के लिए रट्टा नहीं लगाना पड़ता। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से 10 सवाल पूछे हैं। राजा वडिंग ने कहा कि अगर वे सवालों के जवाब देंगे तो वे इस डिबेट का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। इस डिबेट से पहले लोगों को पंजाब की सही स्थिति का पता होना जरूरी है। मुख्यमंत्री की चुनौतीपर प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि यह बहस सरकारी इमारत (विधानसभा) में नहीं, बल्कि किसी ऐसी सांझी आम जगह पर होनी चाहिए। बहस की अगुवाई सुप्रीम कोर्ट का कोई रिटायर्ड जज या चार राजनीतिक दलों की करना चाहिए। अकाली दल प्रधान सुखबीर बादल ने कहा कि उन्हें चैलेंज मंजूर है। 1 नवंबर अभी बहुत दूर है, मैं तुम्हारे घर 10 अक्तूबर को आ रहा हूं। हिम्मत होगी तो बाहर आकर मिलना। पंजाब के पानी सहित राज्य के हर मुद्दे पर सीधी बात करेंगे, वह भी मीडिया के सामने। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने शायराना तरीके से भगवंत मान को जवाब दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि तू इधर-उधर की बात न कर, ये बता कि काफिला क्यों लूटा। पंजाब के हर मुद्दे पर बहस करने के लिए हम हर समय तैयार हैं। पहले आप यह तो बताओ कि पंजाब के पानी के गंभीर मसले पर आपने किस दबाव या सियासी हितों की पूर्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट में घुटने टेके। पंजाब जवाब मांग रहा है।

जनसंवाद कार्यक्रम से समस्याओं का तेजी से सुधार किया जा सकता है : मनोहर लाल

कार्यक्रम के दौरान मौके पर परिवार पहचान पत्र और पेंशन कार्ड बनाए गए

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर रविवार दोपहर को यमुनानगर के दशहरा मैदान में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप पहुंचे। जहां पर उन्होंने जनता की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यमंत्री ने दिव्यांगो को ट्राई साइकल वितरित की और स्वयं सहायता समूह द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मंच पर सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा और मेयर मदन चौहान, जिला अध्यक्ष राजेश सपरा ने मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाकर और पुष्प गुच्छ देकर उनका भव्य स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह जनसंवाद कार्यक्रम एक परिवार जैसा कार्यक्रम होता है। आपस में बातचीत करना ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनता के लिए स्कीमों में सही और सरल नियम बनाए। हमारी सरकार ने योजनाओं में गलत आंकड़ों को बंद किया और हर आंकड़े को सही दर्ज किया है। मौके पर 6 लोगों का और पैंशन के लिए 60 साल से अधिक आयु के 10 लोगों का भी परिवार पहचान पत्र बनाए गए। उन्होंने कहा कि ट्राई साइकल के लिए डाटा तैयार करके उन्हें मोटोराईजड साइकल दी जायेंगी। 1 लाख 80 हजार रुपए से कम आय वाले का बिजली के बिल सालाना 20 हजार रूपये वालों का सर्वे करवाया जायेगा। 3 लाख रूपये तक आय वालों से 1500 की फीस जमा करवाने पर आयुष्मान का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आमजन की जन्मदिन का डाटा भी सरकार के पास होगा। उन्हें शुभ संदेश भेजा जाएगा। उन्होंने आज के जन्मदिन पर बच्चों को शुभ संदेश पत्र भी मंच पर दिया। चाकलेट और पंचतंत्र की कहानियों की किताबें भी दी। उन्होंने कहा कि 1200 कालोनियों को नियमित किया है। 2024 तक सभी कालोनियों को नियमित किया जाएगा और सुविधाएं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि यमुनानगर की 15 सड़कों में से 8 सड़कों पर काम शुरू हो गया है। बाकी 7 सड़कों पर काम अभी शुरू होना है। यहां पर इलाज के लिए 148715 आयुष्मान कार्ड बने है। अब तक यहां पर 45 करोड़ रूपये खर्च किया गया। लाभार्थियों ने आयुष्मान योजना के लाभ के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री ने लोगों से समस्याओं सुनकर उनका मौके पर ही समाधान करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। लकड़ी पर मार्किट फीस 2 प्रतिशत से कम कर 1 प्रतिशत किए जाने की घोषणा पर प्लाईवुड उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री की घोषणा पर धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री ने 14 आवेदकों को मौके पर ही पेंशन के प्रमाणपत्र भी दिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में आमजन शामिल रहें।

अंबाला में इलेक्ट्रिक फ्लाइंग कार फैक्टरी लगाने का प्रस्ताव

अंबाला (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज से रविवार को उनके आवास पर विनाटा एयरोमोबिलिटी के फाउंडर व सीईओ योगेश रामानाथन ने मुलाकात की है। इस दौरान अंबाला में रिंग रोड के आसपास *हाईब्रिड इलेक्ट्रिक फ्लाइंग कार* की फैक्ट्री स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। दुबई से आए योगेश रामानाथन ने गृह मंत्री अनिल विज के समक्ष अंबाला में फैक्ट्री लगाने के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि कंपनी देश में हाईब्रिड इलेक्ट्रिक कार की दूसरी फैक्टरी स्थापित करना चाहती है और वह चाहते हैं कि हरियाणा के अंबाला में यह स्थापित हो। गृह मंत्री अविज ने सीईओ योगेश को आश्वस्त किया कि फैक्ट्री लगाने में हरियाणा सरकार की ओर से जो संभव सहायता होगी, वह दी जाएगी। उन्होंने कंपनी अधिकारियों को फैक्टरी लगाने के आवेदन से जुड़े दस्तावेज जमा कराने को कहा। उल्लेखनीय है कि अंबाला में बहुत जल्द डोमेस्टिक एयरपोर्ट (सिविल एन्कलेव) स्थापित होने वाला है और आगामी 15 अक्तूबर को पहले नवरात्र के दिन डोमेस्टिक एयरपोर्ट के निर्माण कार्य का शिलान्यास होना है। एयर कनेक्टिविटी मिलने पर अब बड़ी कंपनियां अंबाला की ओर रुख कर रही हैं। सीईओ योगेश रामानाथन ने गृह मंत्री अनिल विज ने धन्यवाद जताते हुए कहा कि हमारी कंपनी एशिया की पहली हाइब्रिड फ्लाईंग कार को डवलप कर रही है। सीईओ ने बताया कि गृहमंत्री अनिल विज से काफी विस्तृत चर्चा हुई है और कंपनी के प्रस्ताव पर उन्होंने सहयोग देने का आश्वासन दिया है। कंपनी यहां फैक्टरी स्थापित करने के लिए कागजी कार्रवाई जल्द शुरू कर देगी। सीईओ योगेश ने बताया कि हाईब्रिड इलेक्ट्रिक फ्लाइंग कार यानी उड़ने वाली कार है। उड़ने वाली कारें दुनिया का भविष्य हैं और देश में भी इसकी शुरूआत हो चुकी है। कंपनी ने फ्लाइंग कार निर्माण की फैक्टरी चेन्नई में लगाई है जोकि अभी आकार में छोटी है। मगर, कंपनी अंबाला में बड़ी फैक्टरी लगाने की योजना है। सीईओ के मुताबिक फ्लाइंग कार का इस्तेमाल यात्रियों को ले जाने, एयर एंबुलेंस और कारगो ट्रांसपोर्टेशन में भी किया जाएगा। यह कार जमीन पर भी चल सकेगी और आसमान में उड़ान भर सकेगी।

प्रदेश में होगा राजस्थान टैलेंट सर्च एग्जाम

जयपुर (हिंस)। नेशनल टैलेंट सर्च एग्जाम की तर्ज पर प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों के लिए राजस्थान टैलेंट सर्च एग्जाम का आयोजन होगा। इसमें चयनित 10 हजार विद्यार्थियों को कक्षा 11 व 12 में प्रतिमाह 1250 और स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए प्रतिमाह 2000 रुपए की छात्रवृति मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इस परीक्षा के लिए कक्षा 10वीं में पहली बार प्रविष्ठ हो रहे विद्यार्थी पात्र होंगे। परीक्षा हिंदी व अंग्रेजी माध्यम में होगी। परीक्षा के लिए नोडल एजेंसी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर को बनाया गया है। परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होंगे। पहला, मानसिक योग्यता परीक्षा और दूसरा, शैक्षिक योग्यता परीक्षा का होगा। इसमें विद्यार्थी नि:शुल्क आवेदन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट वर्ष 2023-24 में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

राज्यपाल ने महिला अपराधों की रोकथाम और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पत्र लिखा

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर पिछले 48 घंटों में प्रदेश में महिलाओ के प्रति घटित गंभीर प्रकृति के अपराध की घटनाओं को चिंताजनक बताते हुए इन पर अंकुश लगाने, आपराधिक गतिविधियों को रोके जाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मिश्र ने रविवार को नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में राज्य के प्रमुख विपक्षी दल के प्रतिनिधिमंडल द्वारा राजभवन में उपस्थित होकर दिए ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री को यह पत्र लिखा है।

भाजपा किसी वर्ग की विरोधी नहीं : मंत्री कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। जगाधरी विधानसभा के गांव जाटों वाला में रविवार को अल्प अल्पसंख्यक मोर्चा सम्मेलन आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुस्लिम समाज के लोगो ने कैबिनेट मंत्री का जोरदार स्वागत किया। कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने कहा कि बीजेपी को मुस्लिम विरोधी कह कर कुछ लोग बहकाने और केवल और केवल झूठ बोलने का काम करते है। ढोल नगाड़ों के साथ सैंकड़ों ट्रैक्टर और मोटरसाइक्लो पर अल्पसंख्यक मोर्चा के काफिले के साथ सम्मेलन में पहुंचे। जगाधरी विधानसभा में इस सम्मेलन ने भीड़ के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम को लेकर सभी में भारी उत्साह था जो जगह थी वह भी कम पड़ गई। लोग इस बात से बेहद खुश हैं मौजूदा सरकार ईमानदारी से काम कर रही है। सब योजनाओं से प्रदेश की जनता बेहद खुश है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज के लोग लगातार भाजपा के साथ जुड़ रहे है इससे भारतीय जनता पार्टी को बहुत मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा सबका साथ सबका विकास अगर कोई भी पीछे रह जाएगा तो देश कैसे आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री ने देश के सभी जिलों का सर्वे करवाया। उस सर्वे में जो जिले पीछड़े थे उनमें से एक जिला मेवात भी था। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री को बुलाकर कहा कि मेवात सब जिलों के बराबर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी वर्ग के विरोधी नहीं है। इस मौके पर अल्पसंख्यक समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल रहें।

पिछड़ा वर्ग कर्मचारियों को भी दिया जाए पदोन्नति में आरक्षण : हनुमान वर्मा

हिसार (हिंस)। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता हनुमान वर्मा ने सरकार की उस घोषणा पर सवाल उठाया है, जिसमें अनुसूचित जाति एक व बी वर्ग को पदोन्नति में 20 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि जब एससी वर्ग को ए और बी में आरक्षण 20 प्रतिशत दिया गया, तब पिछड़ा वर्ग को भी तो ए और बी में 27 प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं। सरकार ने 27 प्रतिशत आरक्षण ना करके पिछड़ा वर्ग पर कुठाराघात किया है। हनुमान वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार यूं तो पिछड़ा वर्ग की हितैषी होने का ढोंग करती है परंतु जब पिछड़ा वर्ग को कुछ देने की बात आती है तो सरकार को कभी पिछड़ा वर्ग की याद नहीं आती। सरकार तुरंत प्रभाव से पिछड़ा वर्ग का ए और बी क्लास में 27 प्रतिशत आरक्षण पूरा करे नहीं तो पिछड़ा वर्ग हितैषी होने का ढोंग बंद करें। उन्होंने जो एमपी, एमएलए और मंत्री पिछड़ा वर्ग से सरकार में बैठे हैं और ऐसे में जब ऐसा कोई मामला सामने आता है फिर चुप क्यों हो जाते हैं। क्या उनको इसके लिए एमपी या एमएलए बनाया था कि वह पिछडा वर्ग के हक अधिकार जब सरकार छीने तो वो चुप्पी साध ले? कुसूर सरकार का कम और उन पिछड़ा वर्ग के नेताओं का ज्यादा है। शायद उनके निजी स्वार्थ इतने आड़े आ जाते हैं कि पिछड़ा वर्ग पर हो रहे अन्याय की आवाज उठाने की बजाय वो चुपचाप मूकदर्शक बनकर अन्याय को सहन ही नहीं करते अपितु उस अन्याय में सरकार के सहभागी बन जाते हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि पिछड़ा वर्ग के ए और बी ग्रुप के कर्मचारियों की पदोन्नति में 27 प्रतिशत आरक्षण तुरंत लागू किया जाए।

सीमावर्ती जैसलमेर के नाचना क्षेत्र से चार संदिग्ध पकड़े गए

जैसलमेर (हिंस)। राजस्थान के सरहदी जिले जैसलमेर के नाचना क्षेत्र में शनिवार शाम मिलिट्री इंटेलीजेंस ने अवैध रूप से सेना की ड्रेस बेचते चार संदिग्धों को पकड़ा। सैन्य सूत्रों ने रविवार को बताया कि पकड़े गए चार आरोपितों के नाम राजाराम (47), गगन (19), अमीन (38) और जयपाल हैं। चारों संदिग्ध सूरतगढ़ के निवासी हैं। इनके पास मिली कार में भारी संख्या में सेना की डुप्लीकेट ड्रेस, बेल्ट, जुराब आदि अन्य सामान बरामद किए गए।

सीमापर से आया एक और ड्रोन, 42 करोड़ की हेरोइन व अफीम बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने सीमा पार से ड्रोन की घुसपैठ को असफल बनाते हुए एक ड्रोन और उससे बंधी हेरोइन व अफीम को बरामद किया है। बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 42 करोड़ रुपए आंकी गई है। बरामद ड्रोन को एफएसएल जांच के लिए भेज दिया है। बीएसएफ अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बीएसएफ को ड्रोन के भारतीय सरहद में आने की सूचना मिली थी। इसके बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। यह ड्रोन अमृतसर के सरहदी गांव हरदो रत्न से जब्त किया गया है। यह एक बड़ा ड्रोन है, जो भारी खेप को भी उड़ा कर सरहद पार करवाने में सक्षम है। इस ड्रोन के साथ 6.3 किलोग्राम हेरोइन की खेप बंधी हुई थी। जिसकी इंटरनेशनल वैल्यू 42 करोड़ के करीब आंकी गई है। वहीं इस खेप में अफीम को भी जब्त किया गया है, जिसका वजन 60 ग्राम था। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

आवास ऋण पर ब्याज सब्सिडी का दिवाली तोहफा देगी सरकार, 50 लाख तक के कर्ज पर छूट संभव

नई दिल्ली।

मोदी सरकार दिवाली से पहले शहरी गरीबों और मध्य वर्ग को अपने घर का सपना पूरा करने के लिए आवास ऋण पर ब्याज सब्सिडी योजना का तोहफा देगी। यह सब्सिडी योजना 60,000 करोड़ रुपये की होगी। इसके तहत 50 लाख रुपये तक के आवास ऋण पर प्रतिवर्ष 3 से 6 फीसदी तक ब्याज में छूट मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वतंत्रता दिवस पर की गई घोषणाएं लागू करने की तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई उच्चस्तरीय बैठक में योजना का अंतिम खाका तैयार किया गया।

बैठक में पीएम मोदी ने खासतौर पर गरीबों, निम्न मध्य वर्ग व मध्य वर्ग से जुड़ी घोषणाओं को पूरा करने के संदर्भ में हुई तैयारियों का जायजा लिया। पीएम को बताया गया, ब्याज सब्सिडी योजना को व्यय वित्त समिति (ईएफसी) ने इसी हफ्ते आवास व शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी है। पीएम ने इस दौरान घरों में सौर ऊर्जा सुनिश्चित करने संबंधी घोषणा से जुड़ी योजना की भी समीक्षा की। उन्हें बताया कि योजना के लिए भी नीति बना ली गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बैठक के संदर्भ में कहा, पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर की गई घोषणाओं को लागू करने की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की है। इसमें गरीब व मध्य वर्ग को घर मुहैया कराने संबंधी घोषणा पूरी करने की तैयारियों का जायजा लिया गया। बैठक में घरों में सौर ऊर्जा उपलब्ध कराने संबंधी घोषणा को अमल में लाने की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

यह है योजना

योजना 2028 तक लागू रहेगी। इसे प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से अलग लागू किया जाएगा। इसके तहत 50 लाख तक के लोन पर तीन से छह फीसदी तक ब्याज पर छूट मिलेगी। सब्सिडी की रकम सीधे बैंक खाते में डाली जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

देश की पहली बड़ी निजी सोने की खदान में अगले साल से शुरू होगा उत्पादन

नई दिल्ली। डेक्कन गोल्ड माइंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) हनुमा प्रसाद ने कहा कि आंध्र प्रदेश में देश की पहली बड़ी निजी सोने की खदान में पूर्ण पैमाने पर उत्पादन अगले साल के अंत तक शुरू हो जाएगा। प्रसाद ने कहा कि जोन्नागिरी स्वर्ण परियोजना को लेकर शुरुआती स्तर पर काम पहले ही शुरू हो चुका है। काम पूरा होते ही उत्पादन शुरू हो जाएगा, जिसके बाद प्रति वर्ष करीब 750 किलोग्राम सोने का उत्पादन होगा। डेक्कन गोल्ड माइन्स लिमिटेड (डीजीएमएल) कंपनी की जियोमिसोर सर्विसेज इंडिया लिमिटेड में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो जोन्नागिरी में निजी क्षेत्र की पहली सोने की खदान पर काम कर रही है। बता दें, खदान में अब तक कुल करीब 200 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। वर्तमान में प्रति माह लगभग एक किलोग्राम सोने का उत्पादन कर रही है। सोने की खदान आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में तुग्गली मंडलम के भीतर जोन्नागिरी, एर्रागुडी और पगदिराई गांवों के पास स्थित है। प्रसाद ने बताया कि भारतीय खदान में, जोन्नागिरी परियोजना के तहत निर्माण कार्य चल रहा है। अगले साल अक्तूबर-नवंबर के आसपास यहां उत्पादन शुरू हो जाएगा। प्रबंध निदेशक ने बताया कि किर्गिस्तान में कंपनी की एक अन्य सोने की खनन परियोजना के तहत उत्पादन 2024 अक्तूबर या नवंबर में शुरू होने की संभावना है। उसमें डीजीएमएल की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि अल्टीन टोर गोल्ड परियोजना के तहत प्रति वर्ष करीब 400 किलोग्राम सोने का उत्पादन होगा।

म्यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट : क्या है इन दोनों में अंतर, किसमें निवेश करके मिल सकता है शानदार रिटर्न

नई दिल्ली। आज के समय में लोगों को सेविंग करना बहुत जरूरी होता है। आज सेविंग को बढ़ाने के लिए निवेश काफी अच्छा ऑप्शन है। आप कई जगह पर निवेश करके अच्छा रिटर्न का लाभ पा सकते हैं। आप जब भी निवेश करें तो इस बात का विशेष ध्यान दें कि आपको कितना रिटर्न मिलेगा और आपका निवेश किया गया राशि कितना सुरक्षित है कई लोग एफडी और म्यूचुअल फंड में निवेश करना काफी पसंद करते हैं। अगर आप इन दोनों में निवेश करना का सोच रहे हैं तो आपको जरूर जान लेना चाहिए कि इन दोनों में से आपके लिए कौन-सा बेस्ट है म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले निवेशकों की संख्या में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। इसमें निवेश करके आप मोटा रिटर्न पा सकते हैं। यहां निवेश करने से पहले आपको कई बातों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। आपको कितना रिटर्न मिलेगा यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शेयर बाजार कैसा चल रहा है। जिस तरह शेयर बाजार में शेयरों को खरीदा जाता है। यह भी उसी तरह है इसमें कोई फंड ना खरीदकर फंड में निवेश करना चाहिए। म्यूचुअल फंड में आपको कई चार्ज का भुगतान करना होगा। फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करना पारंपरिक तौर पर लोगों को पसंद है। इसमें किसी उद्देश्य से निवेश किया जा सकता है। आप बैंक में जाकर आसानी से इसमें निवेश कर सकते हैं। आम जनता एफडी पर काफी भरोसा करते हैं।

टॉप-10 कंपनियों में से पांच का एमकैप 86,234.73 करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। देश में टॉप-10 कंपनियों में से पांच का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह अवकाश अवधि में 86,234.73 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे अधिक लाभ में रही। वहीं, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस लाभ में रहे, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और भारती एयरटेल पिछड़ गए। पिछले हफ्ते बीएसई बेंचमार्क 167.22 अंक या 0.25 फीसदी चढ़ गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 32,730.22 करोड़ रुपये बढ़कर 13,24,649.78 करोड़ रुपये हो गया, जो टॉप-10 कंपनियों में सबसे ज्यादा है। बजाज फाइनेंस ने 21,697.96 करोड़ रुपये जोड़े जिससे इसका मूल्यांकन 4,94,884.37 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 18,057.94 करोड़ रुपये बढ़कर 6,13,655.04 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 7,730.16 करोड़ रुपये बढ़कर 5,87,104.12 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 6,018.45 करोड़ रुपये बढ़कर 11,63,164.31 करोड़ रुपये हो गया।

मूडीज ने जारी की नई रिपोर्ट

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली।

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने अपने रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा के बाद भी पेट्रोल-डीजल के दामों में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं होगा। अगले साल देश में आम चुना होने वाले हैं। देश में सरकारी तेल कंपनियों में से तीन राज्य स्वामित्व वाली ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने 18 महीने से पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखने का फैसला लिया है। देश की ईंधन खुदरा विक्रेताओं में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) शामिल है। यह लगभग 90 फीसदी बाजार को नियंत्रित करती हैं। इस साल अगस्त में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें में इजाफा देखने को मिली है। इसके बाद खुदरा विक्रेताओं का मार्जिन फिर से नकारात्मक हो गया है।

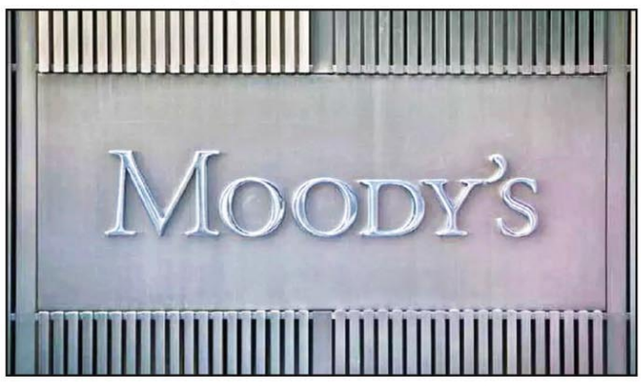

मूडीज की रिपोर्ट - मूडीज ने अपने रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत में तीन सरकारी स्वामित्व वाली तेल विपणन कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल के प्रॉफिट कम कर देगा। ओएमसी का मार्केटिंग मार्जिन उनकी शुद्ध वास्तविक कीमतों और अंतरराष्ट्रीय कीमतों के बीच का अंतर काफी कम हो गया है। अगस्त के बाद से डीजल पर विपणन मार्जिन नकारात्मक हो गया है, जबकि पेट्रोल पर मार्जिन उसी अवधि में काफी कम हो गया है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ी हैं। मूडीज ने कहा कच्चे माल की लागत में वृद्धि सितंबर में कच्चे तेल की कीमत लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से अधिक होने के बाद आई है, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में औसतन 78 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) द्वारा दिसंबर 2023 तक प्रति दिन लगभग 1 मिलियन बैरल के उत्पादन में कटौती के विस्तार के साथ, इसी अवधि में रूस के प्रति दिन लगभग 300,000 बैरल के विस्तारित निर्यात कटौती ने तेल की कीमतों को बढ़ा दिया है। बहरहाल, वैश्विक विकास कमजोर होने के कारण तेल की ऊंची कीमतें लंबे समय तक कायम रहने की संभावना नहीं है। ओएमसी के विपणन मार्जिन में गिरावट को सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) में वृद्धि से कुछ हद तक कम किया गया है। योजनाबद्ध रिफाइनरी बंद होने से क्षेत्र में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई। रेटिंग एजेंसी को उम्मीद है कि जीआरएम और परिवहन ईंधन की अंतरराष्ट्रीय कीमतें बाद की तिमाहियों में नरम हो जाएंगी क्योंकि चीन की आर्थिक मंदी पर चिंता के कारण मांग कम हो गई है, जबकि आपूर्ति बढ़ गई है क्योंकि निर्धारित रखरखाव गतिविधियों के पूरा होने के बाद रिफाइनरियां ऑनलाइन वापस आ गई हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के बीच कम अंतर से ओएमसी के विपणन घाटे में कमी आएगी, लेकिन उनकी समग्र लाभप्रदता कमजोर रहेगी क्योंकि खुदरा बिक्री कीमतें अपरिवर्तित रहने की संभावना है।

अप्रैल-जून तिमाही में बहुत मजबूत आय के बाद, ओएमसी का परिचालन प्रदर्शन अगले 12 महीनों में कमजोर होने की उम्मीद है क्योंकि तेल की कीमतें मौजूदा ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। फिर भी, तीन कंपनियों की वित्तीय वर्ष 2024 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) की कमाई मजबूत और ऐतिहासिक स्तर से अधिक रहेगी, भले ही वित्तीय वर्ष 2024दूसरी छमाही में कच्चे तेल की कीमतें 85 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के मौजूदा स्तर पर रहें। मूडीज ने कहा वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में ओएमसी की असाधारण रूप से मजबूत कमाई के लिए जिम्मेदार है। अकेले पहली तिमाही में तीन कंपनियों का ईबीआईटीडीए पिछले कुछ वर्षों के उनके औसत वार्षिक ईबीआईटीडीए के करीब था। वित्त वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में कच्चे तेल की कीमतें 100 अमेरिकी डॉलर के आसपास बढ़ने पर घाटा होगा। पेट्रोल और डीजल के लिए मजबूत विपणन मार्जिन ने वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में मजबूत परिचालन प्रदर्शन को बढ़ावा दिया। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि तीन ओएमसी में से, आईओसीएल और बीपीसीएल एचपीसीएल की तुलना में कच्चे तेल की कीमतों में किसी भी और वृद्धि को झेलने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में मजबूत आय और वित्त वर्ष 2023 की तुलना में कच्चे तेल की कम कीमतों ने ओएमसी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को कम कर दिया है और उन्हें पिछले कुछ महीनों में अपनी उधारी कम करने की अनुमति दी है। इस बीच, इस साल की शुरुआत में बजट में घोषित तेल विपणन क्षेत्र के लिए भारत सरकार के 30,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत समर्थन से ओएमसी के लिए नकदी प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा और आंशिक रूप से उनकी पूंजीगत व्यय की जरूरतों को पूरा किया जाएगा। इस आशय के लिए, आईओसीएल और बीपीसीएल ने पहले ही सरकार को राइट्स इश्यू की घोषणा कर दी है।

इसको लेकर मूडीज ने कहा कि हालांकि उसने इसे अपने अनुमानों में शामिल नहीं किया है क्योंकि इस समय ऐसी आय का समय और मात्रा अनिश्चित बनी हुई है।

अनिल अंबानी की रिलायंस जनरल इंश्योरेंस को जीएसटी डिपार्टमेंट ने जारी किया कारण बताओ नोटिस, अब करना होगा 922.58 करोड़ का भुगतान

नई दिल्ली।

उद्योगपति अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी को जीएसटी डिपार्टमेंट की ओर से 922.58 करोड़ रुपये की कुल वैल्यू के कई कारण बताओ नोटिस मिले हैं। रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी, रिलायंस कैपिटल की सहायक कंपनी है। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि कंपनी को कुल चार कारण बताओ नोटिस मिले हैं। इसमें एक नोटिस 478.84 करोड़ रुपये, 359.70 करोड़ रुपये, 78.66 करोड़ रुपये और चौथा 5.38 करोड़ रुपये का है। ये नोटिस कंपनी के कारोबार जैसे री-इंश्योरेंस और को-इंश्योरेंस को लेकर हैं।

रिलायंस कैपिटल के नतीजों पर दिख सकता है असर टैक्स एक्सपर्ट के अनुसार, आरजीआईसी के ऑडीटर्स को नोटिस में दर्ज राशि को 30 सितंबर के नतीजों में आकस्मिक देनदारी के रूप में दिखाना होगा।

आरजीआईसी, रिलायंस कैपिटल का हिस्सा है। कंपनी एनसीएलटी के माध्यम से ऋण समाधान प्रक्रिया से गुजर रहा है। रिलायंस कैपिटल की कुल वैल्यू में आरजीआईसी की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है।

कब मिला ये नोटिस

जानकारी के मुताबिक, आरजीआईसी को 28 सितंबर को 478.84 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। ये नोटिस री-इंश्योरेंस पर कमीशन को लेकर है। जीएसटी के नोटिस जारी करने वाली एजेंसी डीजीजीआई का कहना है कि री-इंश्योरेंस पर कमाया गया कमीशन कंपनी की आय का हिस्सा है। इस कारण कंपनी को इस पर जीएसटी देना होगा।

ऐसा 359.70 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस को-इंश्योरेंस को लेकर मिला है। तीसरा नोटिस आईटीसी को लेकर है। यह करीब 78.66 करोड़ रुपये का है। चौथा नोटिस जीएसटी के नॉन पेमेंट को लेकर है जो कि करीब 5.38 करोड़ रुपये का है।

भारत में कोयले के आयात में आई गिरावट, अगस्त महीने में 12 फीसदी घटा

नई दिल्ली।

इस साल अगस्त में भारत का कोयला आयात में गिरावट देखने को मिली है। पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने की तुलना में 12.08 प्रतिशत घटकर 18.26 मिलियन टन (एमटी) रह गया। आपको बता दें कि पिछले साल अगस्त में कोयले का आयात 20.77 मीट्रिक टन था। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार अप्रैल से अगस्त के दौरान कुल कोयला आयात भी 10.3 प्रतिशत घटकर 103.93 मीट्रिक टन हो गया।

ये एक साल पहले की अवधि में 115.93 मीट्रिक टन था। एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड एक अग्रणी बी2बी ई-कॉमर्स फर्म है। अगस्त में कुल आयात में से गैर-कोकिंग कोयले का आयात 10.52 मीट्रिक टन था, जबकि एक साल पहले यह 13.85 मीट्रिक टन था। कोकिंग कोयले का आयात 4.62 मीट्रिक टन था, जो वित्त वर्ष 2013 के अगस्त में रिपोर्ट की गई मात्रा के बराबर है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अगस्त अवधि के दौरान गैर-कुकिंग कोयले का आयात 62.87 मीट्रिक टन था, जो कि एक साल पहले की अवधि में आयातित 80.64 मीट्रिक टन से कम है। अप्रैल-अगस्त 2023-24 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 25.75 मीट्रिक टन था, जो अप्रैल-अगस्त 2022-23 में दर्ज 23.16 मीट्रिक टन से अधिक है। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया का योगदान 80 प्रतिशत से अधिक है। केंद्र ने 2023-24 के लिए कुल कोयला उत्पादन लक्ष्य 1012 मीट्रिक टन को अंतिम रूप दिया है।

भारत का अग्रणी क्रिप्टो एक्सचेंज बना काईनबीएक्स, काईनमारकेटकैप पर हासिल की टॉप 100 रैंकिंग

नई दिल्ली।

काईनबीएक्स भारत का सबसे विश्वसनीय और तेजी से बढ़ता हुआ एक्सचेंज, क्रिप्टो पारिस्थितिकी तंत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एक्सचेंज ने केवल अपनी स्थिति को सबसे विश्वसनीय क्रिप्टो प्लेटफॉर्म के रूप में मजबूत किया है, बल्कि काईनमारकेटकैप पर लक्जरी टॉप 100 क्रिप्टो एक्सचेंज की सूची में भी उत्कृष्टता की निरंतर क्रेस्ट में उत्कृष्ट हुआ है। पिछले चार वर्षों में, काईनबीएक्स ने एक अद्वितीय रूप से बदलाव किया है, एक प्रतिभाशाली स्टार्टअप से वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज में बदल गया है। इस यात्रा को सुरक्षा, पारदर्शिता, और उपयोगकर्ता-केंद्रितता के लिए अटल प्रतिबद्धता ने चिन्हित किया है, जिससे काईनबीएक्स को निरंतर विकसित हो रहे क्रिप्टो परिदृश्य में अपने साथियों से अलग किया गया है। 1.5 मिलियन से अधिक व्यक्तियों के उपयोगकर्ता बेस और 120 से अधिक सूचीबद्ध क्रिप्टोक्यूरेंसी की मजबूत पोर्टफोलियो के साथ। यह महत्वपूर्ण वृद्धि काईनबीएक्स के प्रति क्रिप्टो समुदाय का विश्वास और विश्वास दर्शाती है, जो भारत में व्यापार और निवेश के लिए इसे अपना पसंदीदा प्लेटफॉर्म मानते हैं। काईनबीएक्स टीम विभिन्न समुदायों के साथ सक्रिय रूप से भागीदारी कर रही है, ताकि क्रिप्टो स्वीकृति को बढ़ावा दिया जा सके, और एक सुरक्षित पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित किया जा सके। उपयोगकर्ता अनुभव को ऊंचा करने के लिए रोमांचक नए विकास पाइपलाइन में हैं, जो सबसे विश्वसनीय और तेजी से बढ़ते हुए क्रिप्टो एक्सचेंज की वैश्विक पदचिह्न को विस्तारित करने के लिए तैयार हैं। कोइनबीएक्स के बारे में काईनबीएक्स भारत का सबसे विश्वसनीय और तेजी से बढ़ता हुआ क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज है, जो व्यक्तियों को डिजिटल संपत्ति क्षेत्र में अन्वेषण, निवेश, और समृद्धि में सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। पारदर्शिता, उपयोगकर्ता-केंद्रितता, और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के प्रति गहरे जुनून के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध, काईनबीएक्स वैश्विक उपयोगकर्ताओं के लिए क्रिप्टोक्यूरेंसी व्यापार के लिए पसंदीदा प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है।

भारत में बिजली खपत लगभग 8 प्रतिशत बढ़ी, आर्थिक गतिविधियों में तेजी के संकेत

नई दिल्ली।

भारत की इकोनॉमी लगातार बढ़ रही है। सरकार का दावा है कि आने वाले दिनों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसी बीच एक और उत्साह बढ़ाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इस वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में देशभर में बिजली खपत लगभग आठ प्रतिशत बढ़ी है। अप्रैल से सितंबर की अवधि में भारत में लगभग 847 बिलियन यूनिट (बीयू) बिजली खपत हुई। सरकार के अनुसार, बिजली खपत का बढ़ना देश में आर्थिक गतिविधियों में तेजी को दिखाता है।

10 फीसद से अभी अधिक हो सकती थी डिमांड

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-सितंबर 2022 के दौरान बिजली की खपत 786 बिलियन यूनिट्स थी। इस साल 61 बीयू अधिक बिजली की खपत हुई। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अप्रैल, मई और जून में भारत के बड़े हिस्से में बेमौसम बारिश हुई। इससे बिजली की खपत पर सीधा असर पड़ा। बारिश के प्रभाव पर विशेषज्ञों का मानना है कि देश में बिजली खपत की वृद्धि दोहरे अंक में जाने की आशंका भी थी, यानी खपत 10 फीसद से अधिक भी बढ़ सकती थी।

पंखे, कूलर और एसी ने छुड़ाए पसीने!

औद्योगिक जगत की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखने वाले जानकारों के हवाले से बताया, असामान्य रूप से उच्च आर्द्रता स्तर के कारण अगस्त में बिजली की मांग के साथ-साथ खपत में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया। पंखे, कूलर और एयर कंडीशनर जैसे उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ने के कारण बिजली की खपत तेजी से बढ़ी। ये भी रोचक है कि बिजली की डिमांड बढ़ने के साथ-साथ उपभोक्ताओं पर बिजली बिल का दबाव भी बढ़ा। इस अवधि में कई राज्यों में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 500 से 1000 रुपये से अधिक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ा। कॉमर्शियल यूनिट में बिल और भी अधिक आए।

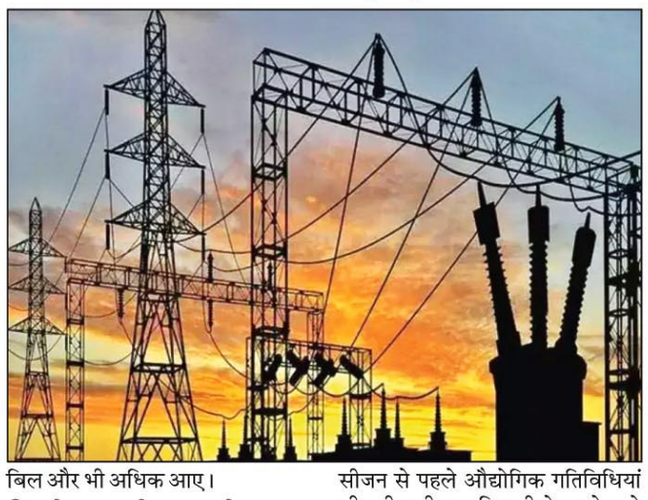

पिछले साल की तुलना में कितनी डिमांड बढ़ी

जानकारों का मानना है कि अगस्त और सितंबर में बिजली की खपत बढ़ी, मुख्य रूप से आर्द्र मौसमऔर त्योहारी सीजन से पहले औद्योगिक गतिविधियां भी बढ़ी, नतीजतन बिजली से चलने वाले उद्योगों के सीधे असर के कारण बिजली की खपत बढ़ी। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि अप्रैल-सितंबर 2023 के दौरान बिजली की अधिकतम मांग 241 गीगावॉट के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक जा पहुंची। पिछले साल इसी अवधि में यानी वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही में बिजली की अधिकतम डिमांड 215.88 गीगावॉट थी।

सरकार का अनुमान और कुल बिजली खपत का अंतर

बिजली मंत्रालय ने अनुमान लगाया था कि गर्मियों के दौरान देश की बिजली की मांग 229 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी। हालांकि, बेमौसम बारिश के कारण अप्रैल-जुलाई में मांग अनुमानित स्तर तक नहीं पहुंची। बिजली की अधिकतम मांग जून में 224.1 गीगावॉट की नई ऊंचाई तक जा पहुंची।

सितंबर में रिकॉर्ड ऊंचाई पर बिजली की डिमांड

जुलाई में बिजली की डिमांड गिरकर 209.03 गीगावॉट पर आ गई। अगस्त में अधिकतम बिजली की मांग 238.19 गीगावॉट तक पहुंच गई। देशभर में बिजली की डिमांड इस साल सितंबर में लगभग 240 गीगावॉट की रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंच गई। 24 घंटे बिजली सप्लाई का लक्ष्य, सरकार के बड़े फैसले

इसके अलावा, मंत्रालय ने सूखे ईंधन की किल्लत से बचने के लिए घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को भी मिश्रण का निर्देश दिया है। मिश्रण के लिए कोयले का आयात करना भी अनिवार्य बनाया गया है। विशेषज्ञों ने कहा कि इन उपायों से देश में कोयले का आयात भले ही बढ़ गया हो, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए देश में चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना जरूरी है।

भारत में बिजली उत्पादन पर रिपोर्ट

अगस्त, 2023 के लिए जारी केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 424 गीगावॉट की बिजली उत्पादन क्षमता स्थापित की है। इसमें 206 गीगावॉट कोयला आधारित, 47 गीगावॉट बड़े पनबिजली और लगभग 132 गीगावॉट नवीकरणीय (सौर, पवन ऊर्जा) शामिल हैं।

जया से बहुत डरते हैं अमिताभ बच्चन, केबीसी के मंच से किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। मेगा स्टार अमिताभ बच्चन अपनी पत्नी जया बच्चन से बहुत डरते हैं। उन्होंने यह खुलासा कौन बनेगा करोड़पति के मंच से किया। दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बताया कि कैसे उनकी पत्नी और एक्ट्रेस जया बच्चन उनके प्रति सख्त हैं। क्विज-बेस्ड रियलिटी शो के 15वें सीजन के 40वें एपिसोड में, होस्ट बिग बी ने छत्तीसगढ़ के सिमगा से जया पटेल का हॉट सीट पर स्वागत किया। कंटेस्टेंट से बात करते हुए, अमिताभ ने कहा कि आप एक शिक्षक हैं। आप क्या सख्त है या उदार? कंटेस्टेंट ने जवाब दिया, सर, मैं पढ़ाते समय सख्त हूं। लेकिन मेरे दो नाम हैं। मैं जूही और जया हूं, इसलिए, जब मैं जया हूं, मैं सख्त हूं। और जब मैं जूही हूं तो मैं सामान्य हूं। सर, मेरा भी एक सवाल था। अभिनेता ने कहा कि मुझे पता है कि आप क्या पूछने जा रहे हैं। कंटेस्टेंट ने हंसते हुए जया बच्चन का जिक्र करते हुए पूछा, सर, जया नाम के साथ आपका अनुभव कैसा रहा? इस पर, शोले के अभिनेता ने कहाः ठीक है, मेरा अनुभव, यह जय-जू है। वह सख्त भी है और उदार भी। 80 वर्षीय अभिनेता ने कहा, मुझे घर भी जाना है। मैं पिटना नहीं चाहता। इसलिए, जब वह सख्त हो तो बेहतर होगा कि आप अंदर ही रहें। अमिताभ ने कहा कि अपने कमरे में बंद रहें या कुछ देर के लिए बाहर चले जाएं। जब वह उदार होती है तो बहुत अच्छा होता है। वह अपने बच्चों और बाकी सभी लोगों के प्रति इसी तरह का व्यवहार रखती है। उन्होंने आगे कहा, वह मेरे प्रति काफी सख्त हैं। आपने मुझसे यह क्यों पूछा? जब मैं उनके साथ यह शो देखूंगा तो वह मुझे डांटेंगी। अमिताभ ने कहा, इससे मुझे डर लगता है इसलिए मैं अपनी निजी जिंदगी के बारे में ज्यादा बात नहीं करता। बता दें कि जया बच्चन समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद हैं। वह शोले, चुपके-चुपके, कोरा कागज और सिलसिला जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं।

मिशन रानीगंजः साधारण व्यक्ति की असाधारण कहानी

-श्रमिकों के प्रति खदान मालिकों की बेरूखी भी दिखाई

मुंबई (ईएमएस)। एक ओर जहां फिल्म मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू एक साधारण व्यक्ति के असाधारण साहस की कहानी बयां करती है, वहीं दूसरी तरफ इसमें खदान में काम करने वाले लोगों के दयनीय जीवन और उनके जीवन के प्रति खदान मालिकों की बेरूखी भी दिखाई गई है, जिसे देखकर आपका दिल पसीज जाएगा। हालांकि ऐसे ही विषय पर काला पत्थर जैसी फिल्म पहले भी बन चुकी है लेकिन जहां वो फिल्म काल्पिनक थी, वहीं यह फिल्म सत्य घटना पर आधारित है।अक्षय कुमार ने जसवंत सिंह गिल का किरदार बखूबी निभाया है, जिस तरह वह अपनी सूझबूझ और मेहनत से लोगों को बाहर निकालते हैं वह देखने लायक है। फिल्म देखकर ऐसा लगता है कि वे फिल्म के खत्म होने तक फिल्म के किरदार में ही रहे हों। फिल्म में ऐसे कई दृश्य हैं, जहां अक्षय कुमार ने अपने बेहतरीन अभिनय की मिसाल पेश की है। उनकी पत्नी के रूप में परिणीति चोपड़ा ने भी शानदार अभिनय किया है। इसके अलावा फिल्म को सपोर्ट करने के लिए कई बेहतरीन कलाकार हैं जिन्होने अपने अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है। पवन मल्होत्रा और रवि किशन का काम भी काफी अच्छा है। फिल्म में दिबयेन्दू भट्टाचार्य ने भी काम किया है, जो पश्चिमी बंगाल के जाने- माने एक्टर हैं। इस फिल्म में भी उन्होंने शानदार काम किया है। फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई ने किया है, जो इससे पहले 1920 लंदन और रुस्तम का निर्देशन कर चुके हैं। यह अक्षय कुमार की दूसरी फिल्म है, जिसका उन्होंने निर्देशन किया है। वे अपने काम में माहिर हैं और कलाकार से काम लेने के अलावा उन्होंने स्क्रीनप्ले कहीं भी कमजोर नहीं और नीरस नहीं पड़ने दिया। वर्ष-1989 का रानीगंज और कोयले की खदान में काम करने वाले मजदूरों के जीवन को उन्होंने बखूबी पर्दे पर पेश किया है। फिल्म के संवाद भी शानदार हैं। एडिटिंग का काम भी परफेक्शन के साथ किया गया है। वहीं इमोशन के साथ थ्रिल को उन्होंने अंत तक बेहतरीन तरीके से बरकरार रखा है। मानवता और अदम्य साहस की यह कहानी हर भारतीय को देखनी चाहिए। जो आपके अंदर जुनून, जोश और जज्बा की अलख पैदा करेगी। कुल मिलाकर कहें तो यह फिल्म आपको अपने परिवार के साथ थिएटर्स में जाकर जरूर देखनी चाहिए। बता दें कि कहानी वर्ष 1989 की है, जब रानीगंज की कोयले की खदान में काम करते हुए एक लैंडस्लाइड होती है और इस हादसे में कई लोग खदान में फंस जाते हैं। जसवंत सिंह गिल नामक एक व्यक्ति, जिसका इस हादसे से कोई लेना-देना भी नहीं होता और वह इस खदान से कोसों दूर होता है लेकिन फिर भी अपने मन में इन लोगों को बचाने की ठान लेता है। रानीगंज आकर वह अपने अदम्य साहस और बुद्धि से 65 लोगों को खदान से बाहर निकालने में सफल हो जाता है। यही इस फिल्म की कहानी है।

राज कुंद्रा ने उड़ाया मजाक, तो आगबबूला हुईं उर्फी जावेद

-राज को बता दिया दूसरों को नंगा करके पैसे कमाने वाला

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा ने एक स्टैंड-अप कॉमेडियन के रूप में डेब्यू किया है, जिसके वीडियो खूब वायरल भी हो रहे हैं। राज कुंद्रा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने स्टैंडअप कॉमेडी के कुछ स्निपेट शेयर किए हैं। एक वीडियो में वो बिग बॉस ओटीटी 1 में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद का नाम लेकर मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं। राज कुंद्रा की ये मजाक एक्ट्रेस को बिलकुल अच्छी नहीं लगी और भड़क गईं। राज कुंद्रा ने मजाक-मजाक में उर्फी जावेद को लेकर जो बातें कह डाली, वो सुन वो गुस्से से तमतमा गई हैं। एक्ट्रेस ने बेबाकी से इसका जवाब सोशल मीडिया पर ही दिया और जमकर शिल्पा के पति की अलोचना कर डाली। दरअसल, स्टैंड अप कॉमेडी में राज कुंद्रा ने अपना मजाक बनाते-बनाते उर्फी जावेद को भी लपेटे में ले लिया। वीडियो में राज बोलते हुए नजर आ रहे हैं- पिछले 2 सालों में अगर मुझे किसी ने प्यार दिया है तो वो है पैपराजी, क्योंकि पैंप्स के लिए दो ही स्टार हैं। एक मैं और दूसरी उर्फी जावेद... मीडिया यही देखती है कि राज कुंद्रा अब क्या पहनेगा और उर्फी जावेद अब क्या नहीं पहनेगी। राज कुंद्रा ने मजाक मजाक में बातें तो कह डालीं, जिसपर वहां बैठी ऑडियंस ने भी खूब तालियां बजाई, लेकिन उर्फी जावेद गुस्से से तमतमा गईं। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर राज की वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है- दूसरों को नंगा करके पैसे कमाने वाला अब मेरे कपड़ों पर कॉमेंट करेगा। हालांकि, इस स्टैंड अप कॉमेडी में राज कुंद्रा ने अपना मजाक भी उड़ाया है। राज कुंद्रा ने कहा है कि उन्हें शिल्पा का पति, मास्क मैन और सस्ता कान्ये वेस्ट के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि राज कुंद्रा जब से जेल से बाहर आए हैं, तब से वह मास्क लगाकर मुंह छिपाए घूम रहे हैं। सोशल मीडिया पर हालांकि उनके मास्क की काफी सुर्खियां बटोरते हैं।

आपके बिना हमेशा अधूरी हूं मां: दिव्या खोसला

एक्ट्रेस दिव्या खोसला कुमार की मां का बीते महीने 6 जुलाई को निधन हो गया था। एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर मां संग जुड़ी यादें शेयर करती रहती हैं। वहीं अब एक बार फिर एक्ट्रेस ने एक भावुक पोस्ट शेयर कर अपना दुख बयां किया। बीते 5 अक्टूबर को दिव्या खोसला कुमार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मां संग कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें से एक तस्वीर दिव्या को अपनी मां को गले लगाते हुए देखा जा सकता है और दोनों कैमरे के सामने मीठी मुस्कान बिखेर रही हैं जबकि दूसरी तस्वीर दिव्या की अपनी मां के साथ बचपन की तस्वीर है। इसके साथ उन्होंने दिल तोड़ देने वाला कैप्शन लिखा। दिव्या ने लिखा- आज तीन महीने हो गए मम्मा आपको नहीं देखा .. आपकी ओर से एक शब्द भी नहीं... कभी-कभी मैं भगवानजी से कहती हूं कि मैं अपनी दहलीज पार कर चुकी हूं और मुझे आपकी सख्त जरूरत है.. यकीन नहीं होता तुम्हारे बिना जीवन कैसा है.. मेरा दिल हमेशा तुम्हारे लिए तरसता है मां...तुम्हारे बिना हमेशा अधूरी रहूंगी।

जब भी मैं पीछे रह जाती हूं तो भयानक लगता है

- खुलकर बोलीं आलिया भट्ट की बहन शाहीन

मुंबई (ईएमएस)। आलिया भट्ट की बहन शाहीन ने कहा कि बचपन में मुझे लगता था कि खुद को साबित करने का एकमात्र तरीका बुद्धिमान और मेहनती होना है। शाहीन भट्ट कहती हैं, जब भी मैं इसमें पीछे रह जाती हूं तो यह वास्तव में बुरा लगता है, यह भयानक लगता है। एमटीवी क्वेश्चन मार्क्स वर्कशॉप में शाहीन ने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का सामना करने के बारे में बात की हैं। पैनल चर्चा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर केंद्रित थी और माता-पिता इसमें प्रमुख भूमिका कैसे निभाते हैं। चर्चा के दौरान शाहीन ने अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बात की और कहा, मैंने अपने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में बात करने की कभी योजना नहीं बनाई थी, लेकिन इस एक अच्छे दिन, मैं बिस्तर पर लेटी हुई थी और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए एक तस्वीर ढूंढने की कोशिश कर रही थी। मुझे एहसास हुआ कि मैं दुनिया के साथ साझा करने के लिए जो महसूस कर रही थी उसके बिल्कुल विपरीत केवल खुश तस्वीरें खोज रही थी, जिससे मुझे समझ आया कि मैं इस बारे में बात करना चाहती हूं कि मैं वास्तव में कैसा महसूस कर रही हूं। मुझे इस तरह महसूस होने का कारण यह है कि कोई भी इसके बारे में बात करना पसंद नहीं करता है और आप कैसा महसूस कर रहे हैं? के बारे में आपकी प्रतिक्रिया हमेशा यही होती है, ओह, मैं अच्छा हूं। शाहीन ने अपने बचपन और माता-पिता के बारे में भी बात करते हुए कहा, एक बच्चे के रूप में मुझे लगता था कि खुद को साबित करने का एकमात्र तरीका बुद्धिमान और मेहनती होना है। हर बार मुझे इसकी कमी महसूस होती थी, बहुत बुरा लगता था, भयानक लगता था। मैं इस तथ्य के लिए वास्तव में भाग्यशाली महसूस करती हूं कि मेरे पास ऐसे सहायक माता-पिता हैं जिन्होंने हमेशा मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए कहा है और जो भी परिणाम आएगा वह उनके लिए ठीक है, इतना ही नहीं उन्होंने कभी भी मुझ पर शीर्ष रैंकिंग वाला छात्र बनने के लिए दबाव नहीं डाला।

खूफिया, है सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्म

बालीवुड की फिल्म खूफिया में तब्बू, अली फजल, वामिका गब्बी और आशीष विद्यार्थी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी खूफिया पूर्व रॉ यूनिट चीफ अमर भूषण की किताब एस्केप टू नोवेयर से इंस्पायर्ड है। यह फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। इसमें कोई शक नहीं है कि तब्बू एक शानदार एक्ट्रेस हैं। हर बार वह अपने काम यह साबित भी करके दिखाती हैं लेकिन खूफिया में पूरी लाइमलाइट वामिका गब्बी ले जाती हैं। उनकी अदाकारी, हाव-भाव और चेहरे की मासूमियत आपको हैरान कर देगी। वहीं अली फजल ने भी बेहतरीन काम किया है। स्क्रीन पर उनकी प्रेजेंस बढ़िया लगती है।छोटे-छोटे सीन में उनकी मेहनत साफतौर पर झलकती है। वहीं फिल्म में थ्रिल और सस्पेंस दर्शकों को अंत तक इससे बांधें रखता है। मकबूल, हैदर जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले विशाल भारद्वाज हर बार अपने डायरेक्शन से दर्शकों को इम्प्रेस कर लेते हैं। इस बार भी उन्होंने बेहतरीन काम किया है।

राजवीर-पालोमा की फिल्म 'दोनों' ने कमाए सिर्फ 30 लाख रुपये

सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर और पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा ने एक ही फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। उनकी पहली फिल्म 'दोनों' शुक्रवार (6 अक्टूबर) को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस फिल्म का निर्देशन सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश बड़जात्या ने किया है। फिल्म की पहले दिन की कमाई सामने आ गई है। 'दोनों' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म का प्रमोशन आमिर खान, सलमान खान और अनुपम खेर ने किया था, लेकिन लगता है फिल्म को कुछ खास फायदा नहीं हुआ। फिल्म ने पहले दिन महज 35 लाख रुपये का कलेक्शन किया, जो कि बहुत कम है। फिल्म को ओपनिंग-डे पर 'मिशन रानीगंज' और भूमि पेडनेकर की 'थैंक यू फॉर कमिंग' से मुकाबला करना पड़ा। तीनों में से फिल्म दोनों का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सबसे कम था। सनी के बड़े बेटे करण देओल ने 2019 में फिल्म 'पल पल दिल के पास' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। सनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने पहले दिन 1.3 करोड़ रुपये की कमाई की और फ्लॉप रही। उस फिल्म के मुकाबले राजवीर की फिल्म काफी कम कमाई कर पाई है। जहां लड़के की फिल्म ने कुछ लाख से ओपनिंग की, वहीं सनी ने इस साल ब्लॉकबस्टर फिल्म 'गदर 2' दी। 'दोनों' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। जिसकी एक शादी की पृष्ठभूमि है। राजवीर और पलोमा देव और मेघना का किरदार निभाते हैं। इस फिल्म की कहानी ये है कि ये दोनों एक शादी में मिलते हैं और प्यार हो जाता है। फिल्म ने पहले दिन तो कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया लेकिन दो दिन के वीकेंड में फिल्म कितनी कमाई करती है ये देखना अहम होगा।

दोनो के मेकर्स ने होस्ट की ग्रैंड स्क्रीनिंग

फिल्म दोनो के मेकर्स ने बीते दिन इसकी ग्रैंड स्क्रीनिंग होस्ट की थी जिसमें तमाम बॉलीवुड सेलेब्स ने शिरकत की थी। स्क्रीनिंग में सुपरस्टार आमिर खान और सलमान खान भी शामिल हुए और इस दौरान दोनों एक दूसरे को गर्मजोशी मिलते नजर आए, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों के प्रीमियर में सलमान खान और आमिर खान एक दूसरे को कसकर गले लगाते हैं। इस दौरान आमिर ने अपने बेटे जुनैद को भी सलमान से मिलवाते हैं और फिर तीनों एक साथ मीडिया के सामने पोज देते है। लुक की बात करें तो इस दौरान सलमान खान ऑल ब्लैक आउटफिट में नजर आए। वहीं, आमिर इवेंट में कैजुअल स्ट्राइप्ड शर्ट में नजर आए। वीडियो में सलमान खान और आमिर खान को एक साथ देख फैंस काफी खुश हो रहे हैं। कई लोग दोनों खान की दोस्ती की खूब तारीफ कर रहे हैं तो कई कह रहे हैं कि दोनों ने फिल्म अंदाज अपना-अपना की याद दिला दी।

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने मुंबई में खरीदा आलीशान ऑफिस

अभिनेता मनोज बाजपेयी और उनकी पत्नी ने मिलकर मुंबई में एक आलीशान ऑफिस खरीदा है। उन्होंने यह ऑफिस मुंबई के महंगे इलाके ओशिवारा में खरीदा है। इस ऑफिस की कीमत 31.08 करोड़ रुपये है। जिस बिल्डिंग में मनोज वाजपेयी ने ये आलीशान ऑफिस लिया है, उसी बिल्डिंग में कई बॉलीवुड एक्टर्स के भी ऑफिस हैं। हाल ही में मनोज बाजपेयी के ऑफिस की जानकारी सामने आई है। यह ऑफिस एक्टर मनोज बाजपेयी और उनकी पत्नी शबाना रजा ने मिलकर खरीदा है। जिसका कुल क्षेत्रफल 7620 वर्ग फुट है। यह ऑफिस मुंबई के ओशिवारा वीरा देसाई मार्ग पर "सिग्नेचर" बिल्डिंग की 12वीं मंजिल पर स्थित है। इसके साथ ही उन्हें 12 कारों की पार्किंग की सुविधा भी मिली है। हाल ही में उनकी पत्नी ने 1.86 करोड़ की स्टांप ड्यूटी चुकाई है। इस 28 मंजिला आलीशान इमारत में अमिताभ बच्चन, सारा अली खान, कार्तिक आर्यन जैसे बॉलीवुड कलाकारों ने भी अपना ऑफिस खरीदा है। इस बिल्डिंग का काम हाल ही में पूरा हुआ है और कलाकार इस जगह पर स्पॉट होते नजर आ रहे हैं। इस बिल्डिंग में अमिताभ बच्चन का ऑफिस 21वीं मंजिल पर है और इसकी कीमत 28.73 करोड़ रुपये है तो वहीं चौथी मंजिल पर स्थित अभिनेता कार्तिक आर्यन के ऑफिस की कीमत 10.9 करोड़ है। वहीं सारा अली खान ने भी इसी फ्लोर पर एक ऑफिस लिया है, जिसकी कीमत 9 करोड़ रुपये है। एक्ट्रेस काजोल ने इसी बिल्डिंग में अगस्त महीने में एक ऑफिस खरीदा है और आठवीं मंजिल पर बने इस ऑफिस की कीमत 7.64 करोड़ है। तो वहीं अजय देवगन ने 16वीं और 17वीं मंजिल पर 5 यूनिट ऑफिस स्पेस भी खरीदा है। यह ऑफिस 45 करोड़ का है। इन एक्टर्स के साथ-साथ यहां साजिद नाडियाडवाला, रिलायंस एंटरटेनमेंट, बनीजे के प्रोडक्शन ऑफिस भी हैं।

सूडोकु नवताल- 6577

कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6576 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्दजाल - 7324

सा	द	गा	वि	ग	म	हे	श	भू	प	ति	
दें	नि	ल	क	श्व	दों	अं	जु	जॉ	र्ज	ड़	
क	स	या	ल	र्म	ना	स	या	दी	ख	क	
ध	न	रा	ज	पि	ल्लै	थ	र	ल	श	गो	
क	री	दो	ग	क	बा	र	आ	ग	झ	पी	
जी	श्री	ना	थ	इ	इ	उ	द्दा	नं	घ	चं	
ज	दा	ल	चुं	सं	चुं	म	र	कौ	द	द	
क	ही	ग	र	मे	ग	क	फ	या	श	फु	
क	द	र	प	न	भू	स	रा	औ	प	ले	
क	र	ल	खा	व	टि	ना	चि	ओ	प	ला	
क	क	ल	प	न	या	स	व्य	न	प	या	

शब्द जाल में 10 खिलाड़ियों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर एवं तिरछे भी हैं.

सानिया, अंजु जॉर्ज, धनराज पिल्लै, सचिन, बाइचुंग भूटिया,गोपीचंद फुलेला, विश्वनाथ आनंद, श्रीनाथ, जहीर खान, महेश भूपति.

शब्दजाल - 7323 का हल

त	स	आ	त्म	ली	न	षा	गु	बा	प	दे	
क	अ	अ	त्म	त	अ	ला	र	न	द	जू	
ओ	स	आ	क	प्र	न	भि	द	नं	जू	व	
जी	अ	चा	आ	र	ति	गु	आ	प	दे	न	
व	अ	र्य	त	अ	ला	ष्ठा	न	श	म	क	
न	आ	चा	र	वा	न	द	शा	च	व	त	
वा	अ	सौ	र	जा	ला	गु	आ	प	दे	आ	
ह	आ	मो	व	आ	वा	द	ह	यु	व	ग	
क	जा	ह	व	प	गो	द	व	प	र	र	
र	दी	ब्ब	फा	प	स	श	ह	वि	बा	क	
स	बा	तें	व	न	ज	द	आ	गा	ह	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6277

	3		4	1		2
4	28		25		36	
	5			6	7	4
	28	5	35	3	39	
3	2		6		5	
	32	3	42	5	32	
1	5			4		3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6276 का हल

6	3	5	7	4	1	2
1	28	3	40	5	31	7
2	1	7	6	3	5	4
7	34	6	31	2	30	3
3	6	2	4	1	7	5
5	30	4	28	6	35	1
4	5	1	3	7	2	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

बंद होने के कगार पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स फेलोशिप, रोकी गई खिलाड़ियों की सुविधा

गोरखपुर।
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने दो वर्ष पहले शुरू की गई स्पोर्ट्स फेलोशिप को बंद करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। जिन खिलाड़ी छात्रों को फेलोशिप के तहत भोजन व अन्य सुविधाएं विश्वविद्यालय की ओर से दी जा रही थीं, उन्हें बंद दिया गया है और खिलाड़ियों की क्षमता और योग्यता की जांच के लिए कमेटी बना दी गई है। गुरु गोरखनाथ के नाम पर स्पोर्ट्स फेलोशिप की शुरुआत विश्वविद्यालय की ओर से 2020 में की गई थी। यह फेलोशिप 100 छात्र खिलाड़ियों को दी जानी थी। फेलोशिप के तहत खिलाड़ियों को मुफ्त शिक्षा, प्रशिक्षण, भोजन और किट सहित अन्य सुविधाएं दी जाने का प्रविधान किया गया था। फेलोशिप के लिए सत्र 2021-22 के 16 और 2022-23 में छह खिलाड़ी छात्रों का चयन किया गया। उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान की जाने लगीं। नियम के अनुसार इस फेलोशिप के लिए चयनित खिलाड़ियों के प्रदर्शन की हर वर्ष समीक्षा की जानी थी, लेकिन ऐसा हो न सका। फेलोशिप के नाम पर विश्वविद्यालय का धन खर्च होता रहा पर खिलाड़ी प्रदर्शन के मानक पर खरे नहीं उतरे। खिलाड़ी छात्रों के भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में की गई थी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने अग्रिम धनराशि उपलब्ध करा दी थी। बीते दिनों जब अग्रिम धनराशि समाप्त हो गई तो खिलाड़ियों का भोजन रोक दिया गया तो उन्होंने इसकी शिकायत कुलपति प्रो. पूनम टंडन से की। कुलपति ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पूछताछ की तो पता चला कि जिन खिलाड़ियों को विश्वविद्यालय फेलोशिप दे रहा है, वह फेलोशिप के मानक पर प्रदर्शन नहीं कर रहे और इसे लेकर हर वर्ष समीक्षा भी नहीं की गई है। कुलपति ने संपूर्ण प्रक्रिया की जांच के लिए कमेटी गठित करने का निर्णय लिया। ऐसे में अब इस फेलोशिप को आगे जारी रखने पर तभी निर्णय लिया जाएगा, जब कमेटी इसे लेकर सकारात्मक निर्णय देगी, जिसकी संभावना नहीं के बराबर है। विश्वविद्यालय की सूत्रों की मानें तो विश्वविद्यालय ने इस बंद करने का ले लिया है। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने कहा कि गुरु गोरक्षनाथ स्पोर्ट्स फेलोशिप के चयनित खिलाड़ियों की क्षमता और योग्यता की जांच के लिए एक कमेटी गठित कर दी गई है। यह कमेटी सभी खिलाड़ियों का बीते दो वर्ष का प्रदर्शन रिकार्ड देखेगी, साथ ही अकादमिक योग्यता व कक्षा में उपस्थिति की जांच भी करेगी।

न्यूज ब्रीफ

धनराज पिल्लै ने हरमनप्रीत को हॉकी का धोनी कह दिया, इस जीत ने 1998 की याद दिला दी

नई दिल्ली । एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की सफलता ने महान फॉरवर्ड खिलाड़ी

धनराज पिल्लै को 1998 की जीत याद दिला दी और उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत सिंह की तारीफ कर उन्हें भारतीय हॉकी का महेंद्र सिंह धोनी करार दिया है। भारत ने हांगझोउ में फाइनल में गत चैम्पियन जापान को 5-1 से हराकर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता और पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया। 1998 बैंकाक एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान रहे धनराज ने कहा, मुझे खुशी इस बात की है कि हम पूरी तरह दबदबा बनाकर चारों क्वार्टर में उनसे बेहतर खेले। फाइनल में 5-1 से जीतना आसान नहीं होता। पिछली बार इसी जापान टीम ने हमें हराया था।'' चार ओलंपिक, चार विश्व कप, चार एशियाई खेल और चार चैम्पियंस ट्रॉफी खेल चुके 55 वर्ष के इस धुरंधर ने हांगझोउ खेलों में सर्वाधिक 13 गोल करने वाले हरमनप्रीत की तारीफ कर कहा, बहुत हद तक हरमनप्रीत की कप्तानी को भी श्रेय जाता है। वह भारतीय हॉकी का धोनी है। अपना काम करता है और पीछे से गाइड करता रहता है। जज्बात उस पर हावी नहीं होते और दबाव में भी शांत रहता है। उन्होंने कहा, इस टीम में श्रीजेश (पीआर), मनप्रीत (सिंह) ,ललित (उपाध्याय), रोहिदास (अमित) जैसे सीनियर खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा तालमेल बनाया। मुझे फाइनल देखते हुए 1998 याद आ गया। यह जीत इतिहास में लिखी जाएगी। लड़के एकजुट होकर खेल और इतने गोल किये।'' धनराज की कप्तानी में 1998 एशियाई खेलों के फाइनल में दक्षिण कोरिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। कोरिया के बढ़त लेने के बाद निर्धारित समय में धनराज के गोल पर ही भारत ने बराबरी की थी। उन्होंने कहा, 1998 में मेरे पास ऐसी ही मजबूत टीम थी। आशीष बलाल और एबी सुबैया जैसे अनुभवी गोलकीपर थे।फुलबैक में लाजरूस बारला, दिलीप टिर्की , डिफेंस में संदीप सोमेश, बलबीर सिंह सैनी , मोहम्मद रियाज थे, तब फारवर्ड लाइन में मुकेश कुमार, मैं , समीर दाद, बलजीत ढिल्लों जैसे खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, जब भारतीय टीम कल पोडियम पर स्वर्ण पदक पहने खड़ी थी, तब मैं 25 साल पीछे चला गया। पदक जीतने के बाद मैं सुबैया और बलाल को पकड़कर मैं रो रहा था। धनराज ने कहा, मुझे 19 साल हो गए हॉकी छोड़े लेकिन हॉकी को फॉलो करना नहीं छोड़ा। मैंने बहुत सारे स्टेडियम में तिरंगा हाथ में लेकर मैदान का चक्कर काटा है। तिरंगे को देखते हुए टीम जब राष्ट्रगान गाती है, तब अलग ही माहौल होता है। एक खिलाड़ी ही समझ सकता है कि उस समय खिलाड़ी के मन में क्या चलता है। कई ओलंपिक क्वालीफायर से गुजर चुके धनराज ने कहा कि वह यही दुआ कर रहे थे कि भारतीय टीम हांगझोउ से ही पेरिस का टिकट कटा ले। उन्होंने कहा ,'' एशियाड के जरिये ओलंपिक क्वालीफाई करने से बहुत राहत मिलती है। क्वालीफाइंग का दबाव इतना रहता है कि तैयारियों पर फोकस नहीं कर पाते। मुझे पुराने ओलंपिक क्वालीफायर याद आ रहे थे और मैं यही प्रार्थना कर रहा था कि हम हांगझोउ से ही क्वालीफाई कर लें।'' ओलंपिक के लिये टीम को इससे दुगुनी तैयारी की सलाह देकर पिल्लै ने कहा, मैं यही कहूंगा कि अभी तक जो तैयारी आपने की है,उससे दुगुनी तैयारी ओलंपिक के लिए करनी होगी। वहां विश्व चैम्पियन टीमों से , आस्ट्रेलिया, नीदरलैंड , जर्मनी जैसी टीमों से खेलना है। उन्होंने कहा ,'' इसके अलावा यह भी दबाव भी रहेगा कि पदक का रंग बदलना है। पिछला कांस्य था तब अब रजत या स्वर्ण जीतने का दबाव होगा।

कांसे की लड़ाई में भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान को 2-1 से हराया; कुश्ती में दीपक ने जीता रजत

हांगझोऊ । भारतीय महिला हॉकी टीम ने सेमीफाइनल हारने के दो दिन बाद ही जबर्दस्त जुझारूपन के साथ वापसी करते हुए जापान को 2-1 से हराकर एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीत लिया। हूटर के साथ ही मैदान पर अपने आंसुओं पर काबू नहीं रख सकीं कोच यानेके शॉपमैन और उल्लास में उछलती खिलाड़ियों को देखकर जाहिर हो गया कि इस कांस्य के टीम के लिए क्या मायने हैं। सेमीफाइनल में चीन से 0-4 से हारने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करने की भारत की उम्मीदें ध्वस्त हो गई थी। इसके बावजूद टीम ने जापान की चुनौती का डटकर सामना करते हुए कांस्य पदक का मुकाबला जीता। दीपक पूनिया की 86 किग्रा भारवर्ग के फाइनल में ईरान के अपने आदर्श खिलाड़ी हसन यजदानी के सामने एक नहीं चली जिससे भारतीय पहलवानों ने एशियाई खेलों की कुश्ती प्रतियोगिताओं में यहां छह पदकों के साथ अपने अभियान का अंत किया।

एशियाई खेल 2023

107 पदक जीतने पर पीएम मोदी ने खिलाड़ियों को जमकर सराहा, लिखा- आपने देश को गौरवान्वित किया

नई दिल्ली ।
एशियाई खेल 2023 में भारत का अभियान खत्म हो चुका है। भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 107 पदक अपने नाम किए। इसमें 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। यह एशियाई खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले भारत ने 2018 में सबसे ज्यादा 70 पदक जीते थे। वहीं, स्वर्ण पदक जीतने के मामले में भी भारतीय खिलाड़ियों ने इस बार इतिहास रचा है। अब तक भारत ने एशियाई खेलों में सबसे ज्यादा 16 स्वर्ण 2018 में जीते थे। इस बार भारत ने 28 स्वर्ण जीतने में सफलता हासिल की है।

पूरा देश खिलाड़ियों के इस शानदार प्रदर्शन की तारीफ कर रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी खिलाड़ियों की दिल खोलकर तारीफ की है। पीएम मोदी ने लिखा एशियाई खेलों में भारत के लिए यह कितनी ऐतिहासिक उपलब्धि है! पूरा देश इस बात से बेहद खुश है कि हमारे अविश्वसनीय एथलीटों ने अब तक के सर्वाधिक 107 पदक जीते हैं, जो पिछले 60 वर्षों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हमारे खिलाड़ियों के अटूट संकल्प, अथक उत्साह और कड़ी मेहनत ने देश को गौरवान्वित किया है। उनकी जीत ने हमें याद रखने के क्षण दिए हैं, हम सभी को प्रेरित किया है और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।

भारत के 100 पदक होने पर भी पीएम मोदी ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी थी और कहा था कि भारत लौटने पर 10 अक्तूबर को वह सभी खिलाड़ियों का स्वागत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया था,''हर अद्भुत प्रदर्शन ने इतिहास रचा और हमारा हृदय गर्व से भर दिया। मैं दस अक्तूबर को हमारे एशियाई खेलों के दल का स्वागत करूंगा और खिलाड़ियों से बात करूंगा।

पीएम मोदी ने कहा था कि भारत के लोग रोमांचित हैं कि हमने 100 पदकों की उपलब्धि हासिल की। उन्होंने कहा ,''एशियाई खेलों में भारत के लिये महत्वपूर्ण उपलब्धि। मैं हमारे शानदार खिलाड़ियों को बधाई देता हूं जिनके प्रयासों से भारत ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

आजादी के 75वें वर्ष के अमृतकाल में देश ने 19वें एशियाई खेलों में पदकों का शतक पूरा किया है। स्पर्धाओं के 13वें दिन भारत ने हॉकी के स्वर्ण सहित नौ पदक जीतकर पदकों की संख्या 95 तक पहुंचाई। 14वें दिन मिले 12 पदकों ने भारत के कुल पदकों की संख्या 107 तक पहुंचा दी।

भारत को पहले दिन पांच, दूसरे दिन छह, तीसरे दिन तीन, चौथे दिन आठ, पांचवें दिन तीन, छठे दिन आठ, सातवें दिन पांच, आठवें दिन 15, नौवें दिन सात, दसवें दिन नौ, 11वें दिन 12, 12वें दिन पांच, 13वें दिन नौ और 14वें दिन 12 पदक मिले। 14वें दिन पांचवां पदक जीतने के साथ ही भारत के पदकों का शतक हो गया। भारत के पदकों का शतक कराने में तीरंदाजी और एथलेटिक्स में मिले पदकों का योगदान सबसे ज्यादा रहा।

शतरंज में दोनों वर्गों में चांदी, तीरंदाजी में ओजस और ज्योति ने लगाई स्वर्णिम हैट्रिक

हांगझोऊ ।
भारत की पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने वहां एशियाई खेलों में रजत पदक जीते। टीम ने अपने अंतिम दौर के मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 4-0 से हराया। ग्रैंडमास्टर हरिका द्रोणावल्ली, अंतरराष्ट्रीय मास्टर वैशाली रमेशबाबू, अंतरराष्ट्रीय मास्टर वंतिका अग्रवाल और महिला ग्रैंडमास्टर सविता श्री बस्कर ने अपनी अपनी बाजियां आसानी से जीती। भारतीय महिला टीम ने इस तरह से 15 अंकों के साथ अपने अभियान का अंत किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन ने 17 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पुरुष टीम ने फिलीपीन के खिलाफ 3.5-0.5 की जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती और हरिकृष्ण पेंटाला ने अपनी-अपनी बाजियां जीती जबकि आर प्रज्ञाननंदा ने अपनी बाजी ड्रॉ कराई। भारत स्वर्ण पदक विजेता ईरान के बाद दूसरे स्थान पर रहा। कंपाउंड तीरंदाज ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा ने एशियाड में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगा दी। ओजस ने एकल के फाइनल में अपने सीनियर अभिषेक वर्मा को 149-147 से पराजित किया, जबकि ज्योति ने महिलाओं के फाइनल में कोरिया की सो चेईवान को 149-145 से पराजित किया। विश्व चैंपियन अदिति स्वामी ने रातिह जिलीजाती को 146-140 से हराकर महिला एकल का कांस्य जीता। तीरंदाजों ने इस एशियाड में 5 स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य समेत कुल नौ पदक जीते। यह भारत का एशियाई खेलों में यह तीरंदाजी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इंचियोन एशियाड में व्यक्तिगत रजत जीतने वाले अभिषेक दूसरे सेट में 8 पर निशाना लगा दिया, जो उन्हें भारी पड़ गया। ओजस इस पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त फॉर्म में रहे हैं, जिसके बलबूते उन्होंने अपने आदर्श को हराकर स्वर्ण जीता। ज्योति को अब तक विश्वास नहीं हो रहा है कि उन्होंने एक एशियाड में तीन स्वर्ण जीत लिए हैं। ज्योति और ओजस ने इससे पहले टीम और मिश्रित स्पर्धा के स्वर्ण भी जीते थे। इन दोनों ने इस एशियाड में देश के लिए सर्वाधिक तीन स्वर्ण पदक जीते।

मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक बोले- हॉकी का पदक खास, ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों का बढ़ेगा आत्मविश्वास

नई दिल्ली ।
ऐतिहासिक...एशियाई खेलों में पदकों के शतक से पूरे देश का सीना चौड़ा हो गया। जब पदक के साथ राष्ट्रगान की धुन बजती है और तिरंगा ऊपर उठता है...वह सबसे बड़ा लम्हा होता है। हांगझोऊ में भारतीय खिलाड़ियों के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ने राष्ट्र भावना को चरम पर पहुंचा दिया है। यकीन मानिये, यह खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को उस स्तर तक पहुंचा देगा, जहां वे अगले वर्ष पेरिस में होने जा रहे ओलंपिक में देश के लिए अपना सब कुछ झोंक देंगे। मुझे बाबूजी (मेजर ध्यानचंद) ने एक कहानी बताई थी, जो इस वक्त याद आ रही है। 1936 के बर्लिन ओलंपिक में भारत ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए हॉकी का स्वर्ण जीता था और बाबूजी रो रहे थे। दरअसल, उन्हें इस बात का मलाल था कि उनकी टीम के जीतने पर भी देश का नहीं, बल्कि अंग्रेजों की गुलामी में जकड़े ब्रिटिश इंडिया का झंडा लहराया गया। उम्मीद है कि एशियाड में भारत का प्रदर्शन देश में खेलों की बयार को और आगे बढ़ाएगा।

रुकें नहीं, थमें नहीं...बढ़ते रहें

भारतीय हॉकी टीम को एशियाड का स्वर्ण पदक जीतते देखना सबसे ज्यादा सुकून देने वाला लम्हा रहा। भारतीय हॉकी अब पटरी पर लौट चुकी है। हमें अब रुकना नहीं है। पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुट जाना है। बस अति आत्मविश्वास से बचना होगा क्योंकि टोक्यो ओलंपिक का पदक जीतने के बाद हम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं खेले। मैं वैसे भी भारतीय टीम को एशिया के स्तर से काफी ऊपर मानता हूं, लेकिन इन खेलों का दबाव बड़ी चीज होती है। हम पांच साल पहले जकार्ता में इसी दबाव में मलयेशिया के आगे बिखर गए थे और फाइनल में भी नहीं पहुंच पाए थे। मेरे शिष्य विवेक सागर ने हांगझोऊ जाने से पहले आशीर्वाद लिया था। मैंने उनसे कहा कि स्वर्ण लेकर ही आना। विवेक ने जीतते ही फोन कर बताया, मैंने वादा पूरा कर दिया।

चेल्सी की लगातार दूसरी जीत, बर्नले को 4-1 से रौंदा; रहीम स्टर्लिंग ने किया कमाल

नई दिल्ली ।
चेल्सी ने प्रीमियर लीग में बर्नले को 4-1 से हराया और लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मौरिसियो पोचेतीनो के नेतृत्व में इस टीम ने दमदार वापसी की है और नए अवतार में चेल्सी की टीम कमाल कर रही है। इसका एक और उदाहरण देखने को मिला। पहले हाफ में विल्सन ओडोबर्ट के एक गोल से पिछड़ने के बाद, लंदन की टीम ने चार गोल किए और दमदार जीत दर्ज की। यह सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर चेल्सी की लगातार तीसरी जीत थी। वहीं, प्रीमियर लीग में मार्च के बाद पहली बार इसे टीम ने लगातार दो मैच जीते हैं।

अमीन अल दखिल के आत्मघाती गोल ने हॉफ टाइम तक स्कोर बराबर कर दिया था और ब्रेक के बाद चेल्सी ने कोल पामर के पेनल्टी के माध्यम से बढ़त ले ली। रहीम स्टर्लिंग और निकोलस जैक्सन ने भी गोल दागकर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। फिलहम के खिलाफ 2-0 की जीत के बाद, चेल्सी इस सीजन लीग में अपनी दूसरी जीत हासिल करना चाह रही थी।

इस मैच में चेल्सी की शुरुआत अच्छी नहीं थी। 15वें में ओडोबर्ट ने गोल दागकर बर्नले को 1-0 से आगे कर दिया था और हॉफ टाइम से थोड़ी देर पहले तक यही स्कोर रहा। चेल्सी की टीम पिछड़ रही थी, लेकिन बर्नले के आत्मघाती गोल ने चेल्सी को वापसी का मौका दे दिया।

मार्क कुकुरेला और गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज के बीच शॉट लगाया। 42वें मिनट में स्टर्लिंग का क्रॉस अल दखिल से टकराकर नेट में चला गया और चेल्सी ने बराबरी कर ली। दूसरे हाफ की शुरुआत में बॉक्स के किनारे पर विटिन्हो द्वारा स्टर्लिंग को फाउल किया गया और रेफरी

स्टुअर्ट अटवेल ने पेनल्टी का इशारा किया। वीएआर की लंबी जांच के बाद पेनल्टी मिली और पामर ने पेनल्टी को अपने पहले गोल में बदल दिया।

कॉनर गैलाघेर ने 65वें में मिनट में स्टर्लिंग का रन निकाला और वह आत्मविश्वास के साथ गोल कर दिया। इसके साथ ही चेल्सी की बढ़त और ज्यादा हो गई। बर्नले के प्रशंसक 74वें में बाहर निकलने की ओर बढ़ने लगे जब स्टर्लिंग ने पामर को पास दिया। यह मैच का आखिरी गोल रहा।

एशियाई खेल : अनहत सबसे युवा तो जग्गी सबसे उम्रदराज भारतीय पदक विजेता

हांगझोऊ ।
जैसे ही भारत हांगझू में 19वें एशियाई खेलों में 100 पदक के आंकड़े पर पहुंचा, स्क्वैश खिलाड़ी अनहत सिंह और ब्रिज के दिग्गज जग्गी शिवदासानी ने एक इतिहास रच दिया। 15 साल की उम्र में अनहत, हांगझोउ में पदक जीतने वाले सबसे कम उम्र की भारतीय हैं, जबकि जग्गी, 65 की उम्र में एशियाई खेलों के इस संस्करण में पदक जीतने वाले सबसे उम्रदराज भारतीय बने। अनहत, जिनका जन्म 13 मार्च 2008 को हुआ था, उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने महिला टीम और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीता था। शिवदासानी, जिनका जन्म 16 फरवरी 1958 को हुआ था, ने ब्रिज में पुरुष टीम स्पर्धा जीतने वाली भारतीय टीम के हिस्से के रूप में रजत पदक जीता। अभय सिंह के साथ मिश्रित युगल में कांस्य पदक का जीतने के बाद अनहत ने कहा, सामान्य तौर पर पदक जीतना वास्तव में बहुत अच्छा था।

इतनी उम्र में कांस्य पदक जीतना बहुत बड़ी बात है। इससे मुझे थोड़ी खुशी होती है, लेकिन यह बेहतर होता अगर हम स्वर्ण पदक जीतते या रजत। एशियाई खेलों में जग्गी का यह दूसरा पदक है। वह उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2018 में इंडोनेशिया में कांस्य पदक जीता था जब ब्रिज ने खेलों में पदार्पण किया था।

शिवदासानी ने कहा कि यह 2018 से भारत के लिए एक सुधार है और इसलिए वे फाइनल हारने से निराश नहीं हैं। उन्होंने कहा, आप बहुत निराश नहीं हो सकते। हमें पिछली बार (जकार्ता-पालेमबांग 2018 में) कांस्य पदक मिला था, और शुरुआत में, अगर आपने मुझसे कहा होता कि हमें रजत पदक मिलेगा, तब मैंने इस ले लिया होता और कहा होता चलो नहीं खेलें। दिलचस्प बात यह है कि स्क्वैश और ब्रिज दोनों ओलंपिक खेलों का हिस्सा नहीं हैं, इन दोनों खेलों को नियंत्रित करने वाले दोनों अंतरराष्ट्रीय महासंघों ने दर्जा पाने के लिए कई प्रयास किए हैं। शिवदासानी ने कहा कि ब्रिज को ओलंपिक खेल के रूप में मंजूरी मिल गई है, लेकिन वह स्लॉट का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि अगर ओलंपिक में जगह मिलती है, तब वह वहां मौजूद रहने वाले हैं, या नहीं। उन्होंने कहा, इस एक ओलंपिक खेल के रूप में मंजूरी दे दी गई है, लेकिन जाहिर तौर पर इसके लिए कोई जगह नहीं है। मुझे नहीं पता कि मैं अभी भी आसपास रहूंगा या नहीं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह एक ओलंपिक खेल बन जाएगा। कुछ मौकों पर स्क्वैश ओलंपिक खेलों में शामिल होने के करीब पहुंच गया है। स्क्वैश 2012 लंदन गेम्स और 2016 रियो डी जेनेरो गेम्स के लिए शामिल होने से चूक गया जैसे कि गोल्फ और रग्बी सेवन्स को चुना गया।

फैशन डिजाइनर हैं रचिन रवीन्द्र की गर्लफ्रेंड, इंस्टाग्राम पर हो रहीं पॉपुलर

नई दिल्ली । क्रिकेट विश्व कप के ओपनिंग मुकाबले में इंगलैंड पर न्यूजीलैंड की जीत दिलाने वाले रचिन रवीन्द्र की गर्लफ्रेंड इन दिनों काफी चर्चा में है। दरअसल उनकी इंस्टाग्राम पर पॉपुलर्टी और हॉट लुक को देखकर हर कोई रचिन की पसंद को सराहने में लगा हुआ है। गौरतलब है कि रचिन ने साथी डेवोन कॉनवे के साथ मिलकर शतक लगाए और अपनी टीम को 9 विकेट से जिता दिया। रचिन भारतीय मूल के होने के कारण पहले से चर्चा में रहे हैं। न्यूजीलैंड की टीम जब भारत में टेस्ट खेलने आई थी तो रचिन ने कानपुर टेस्ट में 91 गेंदों पर 18 रन बनाकर अपनी टीम को हार से बचा लिया था। बहरहाल, रचिन की गर्लफ्रेंड प्रीमिला मोरार की बात करें तो वह एक भारतीय मूल की लड़की हैं। प्रोमिला इंस्टाग्राम पर अपनी लुक के कारण खूब पॉपलुर रहती हैं। प्रीमिला मोरार के इंस्टाग्राम के मुताबिक वह एक फैशन डिजाइनर हैं। वह अपना लहंगा भी खुद डिजाइन करती हैं। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र ऑकलैंड के पुकेकोहे ईस्ट की प्रीमिला मोरार को डेट कर रहे हैं।

मोलर गर्भधारण बन सकता है समस्या का कारण

मोलर गर्भधारण, गर्भावस्था की एक दुर्लभ समस्या को कहा जाता है। यह समस्या गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की गलती या कमी रह जाने के कारण उत्पन्न होती है, जिस कारण से नाल का निर्माण करने वाली कोशिकाओं में खराबी आ जाती है।

मोलर गर्भधारण मोलर गर्भाधान को कभी-कभी हाइडेटिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। जो कि गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स नाम की कई स्थितियों के समूह का एक हिस्सा होता है। सामान्यतः ये हानिकारक नहीं होते हैं। यह गर्भाशय से आगे तक भी फैल सकते हैं। हांलाकि इनका अपचार किया जा सकता है। भ्रूण के विकास में आने वाली समस्या गर्भधारण की दर को कम करने वाली विकृति में मोलर गर्भधारण भी एक है। यह समस्या आमतौर पर गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उत्पन्न होती है। मोलर गर्भाधान हाइडेटिडिफॉर्म मोल के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य गर्भावस्था में निषेचित अंडे में पिता और मां दोनों के 23-23 क्रोमोजोम मौजूद होते हैं। लेकिन, एक संपूर्ण मोलर गर्भाधान में निषेचित अंडे में माता का कोई क्रोमोजोम नहीं होता, किंतु पिता के शुक्राणुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। जिस कारण से पिता के क्रोमोजोम की संख्या भी दुगुनी हो जाती है। ऐसा होने पर निषेचित हुए अंडे में माता का एक भी क्रोमोजोम नहीं होता पर पिता के क्रोमोजोम के 2 सेट आ जाते हैं।

जानें कुछ और ऐसी ही महत्वपूर्ण बातें

- मोलर गर्भधारण की स्थिति में महिला का कोई क्रोमोसोम निषेचित अंडे में मौजूद नहीं होता और पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या अधिक होने से क्रामोजोम की संख्या दुगुनी हो जाती है।
- मोलर गर्भधारण होने पर त्रुटिपूर्ण ऊतकों का गुच्छा बनने लगता है जो कि अल्ट्रासाउंड में आसानी से दिखाई देता है।
- बी रक्त वाली महिलाओं में मोलर गर्भधारण की आशंका ज्यादा होती है।
- मोलर गर्भधारण में शुरूआती अवस्था सामान्य गर्भधारण के लक्षणों जैसी ही होती है लेकिन कुछ समय के अंतराल के बाद रक्तस्राव होने लगता है।
- गर्भावस्था में रक्तस्राव हमेशा किसी गंभीर रोग का लक्षण नहीं होता, पर यह मोलर गर्भधारण का लक्षण हो सकता है।
- मोलर गर्भधारण के बारे में आप अल्ट्रासाउंड स्कैन के माध्यम से पता कर सकते है।
- मोलर गर्भधारण का पता रक्तजांच के माध्यम से एचसीजी स्तर पता करके भी लगा सकते हैं। ऐसे में एचसीजी स्तर अधिक तेजी से बढ़ने लगता है।
- मोलर गर्भधारण के दौरान 6 से 16वें हफ्ते के बीच रक्त स्राव शुरू हो जाता है और उल्टियां आने लगती हैं, उदर में सूजन आना इत्यादि लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं।
- मोलर गर्भधारण का पता चलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- मोलर गर्भधारण में त्रुटिपूर्ण ऊतकों को हटाया जाता है जिसके लिए डी एंड सी (डायलेशन एंड क्युरेटेज) शल्य-चिकित्सा की जाती है या फिर दवाईयों के जरिए भी इसे दूर किया जा सकता है।
- इलाज के बाद दोबारा मोलर गर्भधारण न हो, इसके लिए लगभग 6 महीने तक निगरानी रखना आवश्यक है।
- मोलर गर्भधारण के इलाज के दौरान दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ समय का अंतराल जरूरी है। जैसे 6 महीने तक लगातार जांच उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर ही पुनः गर्भधारण की सोचें।

कैसी हो पानी की बोतल...

अक्सर लोग बोतल से पानी पी लेते हैं तो कुछ लोग प्लास्टिक के गिलास में पानी पीते हैं। बोतल और गिलास में बहुत वैराइटी आती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी बोतल पानी पीने के लिए हेल्दी हैं। बीपीए यानी बिसफेनोल ए एक खतरनाक रसायन है जो कि पानी के साथ मिलकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी आप प्लास्टिक की बोतल खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें की आपकी बोतल बीपीए मुक्त हो। कांच की बोतल को नैचुरल चीजों जैसे लाइम और रेत से बनाया जाता है। इसलिए कांच की बोतल का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। कांच की बोतल में पानी कितने ही दिन तक रखें लेकिन पानी का स्वाद नहीं बदलता जबकि प्लास्टिक की बोतल में पानी का स्वाद बदल जाता है। सूरज की किरणों से प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन काफी जल्दी पानी में मिल जाता है। ऐसे में प्लास्टिक की बोतल में पानी है तो उसे धूप से बचाएं। प्लास्टिक की बोतल को यदि ठीक से साफ ना किया जाए तो उसमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं। वैसे भी प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल साफ करना ज्यादा आसान होता है। छोटे बच्चों को भी कांच की बोतल से ही दूध पिलाना बेहतर होता है। यूं तो कांच की बोतल टूटने का डर बरकरार रहता है। ऐसे में आप ऐसी कांच की बोतल लें जिस पर सिलिकॉन की एक परत चढ़ी हो जो कांच को जल्दी टूटने से बचाती हैं। प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए कड़े क्लीनर्स का इस्तेमाल न करें। खासतौर पर उन बोतलों को जिनमें पॉलीकार्बोनेट हो क्योंकि इससे पॉलीकार्बोनेट जल्दी टूटता हैं। गर्म पानी या तरल पदार्थों को प्लास्टिक की बोतलों में न रखें क्योंकि प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन इनमें मिक्स हो जाता है जिससे तरल पदार्थ खराब होने की आशंका रहती है। हर तरह की प्लास्टिक की बोतल को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जैसे कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल, मिनरल पानी की बोतल। यदि आप गौर करेंगे तो इन बोतलों के नीरे सिरे पर एक त्रिकोण बना होता है जिस पर 1 लिखा होता है। इसका मतलब है कि इस बोतल का इस्तेमाल सिर्फ एक बार हो सकता है। इन बोतलों का दोबारा इस्तेमाल करने से आप बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं।

एक वक्त था जब लड़कियों की दुनिया शादी और शौहर के साथ जिंदगी बिताने के ख्वाबों में जाकर खत्म हो जाया करती थी। लेकिन यह वक्त दूसरा है और लड़कियों के ख्वाब दूसरे। इन दिनों दुनिया में अविवाहित महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी है। यह ट्रेंड एशिया के देशों सहित तमाम मुल्कों में देखने को मिल रहा है। अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है।

घर और रिश्तों की परिभाषा बदली...

ताइवान की नई नेता त्साई इंग-वेन पर चीन की सरकारी मीडिया में लिखे गए एक लेख पर बवाल मच गया है। लेख में कहा गया है कि शादीशुदा न होने के कारण त्साई इंग-वेन की काम करने की शैली उग्र है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लेख में कहा गया है कि वेन पर परिवार का भावनात्मक बोझ नहीं है इसलिए उनके काम करने की आक्रामक शैली है। कई महिलाएं त्साई की दृढ़ता और जोश की वजह से उनकी प्रशंसक हैं, खास कर इस तथ्य को लेकर भी कि वो बहुत मजबूत और आजाद महिला हैं और उन्हें किसी ऐसे पुरुष की जरूरत नहीं जो उनपर शासन करे। वास्तव में एशिया में महिलाओं का शादी से भागने का एक कारण यह भी है कि यहां एक शादीशुदा कामकाजी महिला के लिए ज्यादा मुश्किलें होती हैं। महिलाओं की प्राथमिकता अपने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का ध्यान रखना होती है। काम के साथ-साथ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने इस रोल को भी कामयाबी के साथ निभाएं। वैसे तो यह दुनिया की हर महिला की परेशानी है, लेकिन एशियन महिलाओं पर यह बोझ ज्यादा लाद दिया जाता है।

आजादी का सेलिब्रेशन

अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है। पैसिफिक माइक्रेमार्केटिंग नामक अनुसंधान संस्था के अनुसार ज्यादा से ज्यादा महिलाएं जीवन भर अविवाहित रहने का फैसला कर रही हैं। ऐसे में बाजार और सरकार दोनों को यह स्वीकार करना होगा कि घर का मतलब अब पति-पत्नी और बच्चे नहीं रह गया है। शादी न करने का एक कारण यह भी है कि एशियन महिलाएं अपनी आजादी को इंजॉय करने लगी हैं। वे अपनी आजादी को सेलिब्रेट करने लगी हैं, पर इससे कई सामाजिक समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। अगर पश्चिमी देशों से तुलना की जाए तो एशिया के देश अपनी पेंशन और सोशल प्रोटेक्शन में बहुत कम इन्वेस्ट करते हैं। वे यह कल्पना कर लेते हैं कि बुढ़ापे या बीमार पड़ने पर उनका परिवार उनकी देखभाल कर लेगा। अब इस बात को इतनी आसानी से नहीं लिया जा सकता है। शादियों की संख्या में कमी आने से बर्थ रेट में भी गिरावट आई है। ईस्ट एशिया में 1960 के दौरान प्रत्येक महिला के 5.3 बच्चे होते थे जो कि अब 1.6 रेश्यो है। जिन देशों में शादियों की संख्या में गिरावट हो रही है, वहां फर्टिलिटी रेट 1.0 है। शादी करने से कोई भी व्यक्ति ज्यादा सोशल बनता है, लेकिन शादियों में कमी आने से सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव आता है। शादियों में कमी से क्राइम रेट में इजाफा होता है। शादी होने से व्यक्ति फैमिली के साथ जुड़ा रहता है।

क्या बदलाव की गुंजाइश है ?

एशियाई देशों की सरकारों को अब इस भूल में नहीं जीना चाहिए कि उनके यहां फैमिली लाइफ पश्चिममी देशों से बेहतर है क्योंकि उनका यह भ्रम कभी भी टूट सकता है। दरअसल एशियाई देशों में जिस तरह से तेजी से सामाजिक बदलाव हो रहे हैं उससे इन देशों को अब संभलने की जरूरत है और इन बदलावों से कैसे निपटा जाए, सोचने की जरूरत है। क्या एशिया में शादियां दोबारा प्रचलन में आ सकती हैं? कुछ रास्ते हैं, जिनसे ऐसा हो सकता है। इसके लिए सरकार को भी कानून बनाने पड़ेंगे। महिलाएं शादी में तभी बंधना चाहेंगी जब उन्हें पता होगा कि अगर शादी काम नहीं करती तो वह इससे कभी भी आजादी पा सकती हैं। परिवार कानून के अंतर्गत तलाक लेने वाली महिला को संपत्ति का अच्छा खासा शेयर मिले। एशियाई देशों की सरकारों को ऐसे कानून बनाने चाहिए, जिसमें वे अपने कर्मचारियों को मेटरनल के साथ-साथ पेटरनल लीव भी दें। यानी बच्चे के पैदा होने के बाद मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टियां मिलें, जिससे पति-पत्नी दोनों मिलकर बच्चे की देखभाल कर सकें। इन कोशिशों से फैमिली लाइफ को प्रमोट करने में काफी मदद मिलेगी और महिलाओं के ऊपर से अतिरिक्त बोझ भी थोड़ा कम होगा।

महंगाई भी बनी वजह

अविवाहित महिलाओं की बढ़ती संख्या के पीछे लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अस्थिरता और आज की चमक-धमक वाली लाइफ स्टाइल भी है, जिसे शादी करके और परिवार बढ़ाकर मेंटेन करना बहुत मुश्किल है। यह आर्थिक जिम्मेदारी को बढ़ाने वाला काम है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कई युवक और युवतियां मकानों की बढ़ती कीमतों, घरों के बढ़ते किराए और महंगाई के चलते शादी की जिम्मेदारी उठाने से बचते हैं। वे अकेले रहकर ज्यादा पैसा जोड़ना चाहते हैं और इस तरह शादी की उम्र बीतती रहती है।

सामाजिक कारण भी

सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि महिलाओं के शादी देर से करने के पीछे मुख्य वजहों में से एक सामाजिक स्थितियां भी हैं। उनके मुताबिक शादी की महंगी आलीशान पार्टियां, शादी के बाद बढ़ने वाला खर्च और करियर को बिना किसी रोक-टोक को आगे ले जाने की इच्छा ने लड़कियों में शादी के प्रति गंभीरता को खत्म कर दिया है। मनोवैज्ञानिक महिलाओं के भीतर शादी के प्रति इस नीरसता के पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारणों को गिनाते हैं। वे कहते हैं कि आज के हाईटेक होते समाज में इस तरह की मानसिकता स्त्री और पुरुषों दोनों में ही सामान्य है।

भारत में भी सिंगल पेरैंट

इक्कीसवीं सदी में शब्दकोश में सिंगल पेरैंट के नाम से एक नया शब्द जुड़ गया है। भारत में भी सिंगल पेरैंट का रिवाज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। पहले बीमारी, युद्ध, मृत्यु के कारण सिंगल पेरैंट होना विवशता थी। तब विधवा या विधुर बच्चों का पालन करते थे। बच्चे वाली विधवा या बच्चे वाले विधुर को सिंगल पेरैंट के नाम से नहीं पुकारा जाता था। पहले कुंआरी मां की कल्पना भी नहीं की जाती थी, सभ्य समाज में कुंआरी मां बहुत घृणात्मक शब्द गिना जाता था, परंतु अब यह एक सामान्य शब्द है। अब इसे पसंद किया जाने लगा है। केवल इतना ही नहीं, अब तो यह रिवाज और स्टेटस सिंबल बन गया है। वैसे तो उस समय कोई कुंआरी मां नहीं थी, यदि होती भी तो ऐसी महिला को कोई किराए पर भी मकान नहीं देता था। यही स्थिति कुंआरे पुरुष की भी थी, परंतु अब समय बदल गया है। उस समय केवल विवाहित दंपती को ही बच्चे पैदा करने का अधिकार था। पति-पत्नी दोनों मिल कर बच्चों का पालनपोषण करते थे। पहले जब 2 विवाहित महिलाएं मिलती थीं, एक महिला अपने लड़के की ओर संकेत करती हुई कहती थी, इस के पिता बाहर गए हुए हैं, कहना नहीं मानता तथा बहुत परेशान करता है। कहने का तात्पर्य है कि माता-पिता दोनों मिल कर ही बच्चों का पालनपोषण करने में समर्थ थे, अकेले नहीं। यद्यपि माता की गरिमा पृथ्वी से भी भारी है तो पिता का सम्मान आकाश से भी उच्चतर है। इस के विपरीत अब सिंगल मदर सहर्ष फुलटाइम काम भी करती है तथा बच्चों को पालती भी है।

भारत की स्थिति

जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 39 फीसदी की वृद्धी हुई है। वर्ष 2001 में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 51.2 मिलियन पाई गई थी जबकि 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़े बढ़ कर 71.4 मिलियन हुए हैं। अकेली रहने वाली महिलाओं में विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, अविवाहित एवं पति से अलग रहने वाली महिलाएं शामिल हैं। एकल महिलाओं की संख्या में वृद्धि की कारण पति की मृत्यु होना, पति से अलग होना एवं तलाक लेना है। 20 से 24 की आयु वर्ग की महिलाओं (16.9 मिलियन) में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 23 फीसदी है। यह आंकड़े संकेत है कि देश में लड़कियों की विवाह की उम्र और उपर हुई है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 1990 में जहां लड़कियों की शादी की आयु 19.3 वर्ष थी वहीं 2011 में यह बढ़ कर 21.2 वर्ष हुई है। 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के बाद सबसे अधिक अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 से 64 के आयु वर्ग में है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या सात मिलियन है। 2001 से 2011 के बीच 25 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि (68 फीसदी) देखी गई है, वहीं 20 से 24 आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी दर्ज की गई है। यह आंकड़े निश्चित तौर पर विवाह व्यवस्था में विकार का संकेत देती है। ग्रामीण इलाकों में विधवाओं की संख्या, 29.2 मिलियन, सबसे अधिक दर्ज की गई है। वहीं अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.2 मिलियन पाई गई है। शहरी इलाकों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। यहां भी विधवा महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, 13.6 मिलियन है जबकि अविवाहित महिलाओं की संख्या 12.3 मिलियन दर्ज की गई है। देश के ग्रामीण इलाकों में करीब 44.4 अकेले रहने वाली महिलाएं रहती हैं यानी देश की 62 फीसदी अकेले रहने वाली महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हालांकि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है, शहरों में अकली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 58 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2001 में शहरी इलाकों में ऐसी महिलाओं की संख्या 17.1 मिलियन थी जबकि 2011 में यह बढ़ कर 27 मिलियन हुए हैं।

चीन की स्थिति

चीन के शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन में तेज आर्थिक प्रगति के बीच महिलाओं का वित्तीय विकास तेजी से हो रहा है। इस बीच ऐसी महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है जो शादी करने की बजाए अकेले जिंदगी गुजारना पंसद करती हैं। आर्थिक तरक्की के बीच महिलाओं को स्वतंत्र होकर रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां के पारंपरिक समाज में उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। जनगणना के मुताबिक शंघाई में पांच लाख से अधिक अविवाहित महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच है। एक शोधकर्ता का कहना है, चीन के समाज में अब भी अविवाहित महिलाओं को 'एलियन' माना जाता है। यहां का मीडिया भी 30 पार कर चुकी अवविवाहित महिलाओं को अकेला करार देता है। युवा अविवाहित महिलाएं अब समाज में प्रचलित अपमानजनक लेबल शेंग नू या लेफ्टओवर वुमन को सख्ती से नकार रही हैं। वे साफ कर रही हैं कि अविवाहित महिलाएं कैसे अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का आनंद ले रही हैं। अपनी पहचान को केवल शादी से जुड़ा न मानते हुए वे पूरे समाज को इसे नए नजरिए से दिखा रही हैं। सफल अविवाहित लड़कियों पर एक खास उम्र तक शादी कर लेने का दबाव उन्हें पावर वुमन मानने के बजाए लेफ्टओवर वुमन की संज्ञा देने से नहीं चूकता। चीन के कई शहरों में लगने वाले शादी के बाजार भी अपने आप में अनोखे होते हैं। यहां शादी के लायक लड़के-लड़की के माता-पिता उनके इश्तेहार लगाते हैं।

जापान की स्थिति

जापानी महिलाएं जो कि ऑफिस में एक हफ्ते में 40 घंटे काम करती हैं, वहीं उन्हें 30 घंटे घर का काम भी करना पड़ता है। उनके पति घर का काम सिर्फ 3 घंटे करते हैं। ऑफिस और घर संभालने के साथ-साथ बच्चों को देखना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। इस साल एक सर्वे के अनुसार जापानी पुरुषों की अपेक्षा बहुत कम जापानी महिलाएं शादी को लेकर पोजिटिव महसूस करती हैं। बाहर के वर्क कल्चर ने शादी को लेकर महिलाओं को अकेले रहने का एक विकल्प दे दिया है। ज्यादातर महिलाएं फाइनैंशली इंडिपेंडेंट हैं और इस वजह से वे आसानी से अकेले जिंदगी गुजार सकती हैं। महिलाओं में बढ़ते एजुकेशन के ग्राफ ने भी शादियों की संख्या घटाई है। आज कई एशियन महिलाएं बेहद पढ़ी लिखी हैं और वे शादी को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं होती हैं।

सऊदी अरब का हाल

चौंकाने वाली बात यह है कि अविवाहित महिलाओं की संख्या के मामले में सऊदी अरब दूसरे पायदान पर है। एक तरह से सऊदी अरब दुनिया में अविवाहित महिलाओं और पुरुषों का गढ़ बनता जा रहा है। सऊदी समाज में हो रहे इस बदलाव को समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक दोनों ही अलग-अलग निगाह से देखते हैं। सऊदी सरकार के विवाहित महिलाओं और पुरुषों की संख्या को लेकर जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 1995 के बाद से देश में अविवाहित महिलाओं की संख्या में तकरीबन 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये पिछले दो दशकों में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों की मानें तो अविवाहित महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में अन्य देशों की तुलना में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है। उनके मुताबिक अकेले रहने वाली स्त्रियों की संख्या में अब तक की यह सबसे बड़ी बढोतरी है। सऊदी समाज में लगातार बढ़ती अविवाहित महिलाओं की संख्या के पीछे समाजशास्त्रियों की अपनी-अपनी राय है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लड़कियां शादी का फैसला मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करने लगी हैं, जब तक वे खुद को शादी के लिए इस स्तर पर तैयार नहीं पातीं तब तक वे शादी जैसे बंधन में बंधने से हिचकने लगी हैं।

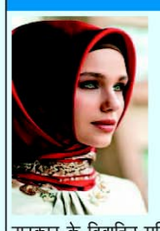

अब बन गई सेकेंड स्किन...

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम त्वचा विकसित की है, जिसे आप किसी टाइट कपड़े की तरह शरीर पर पहन सकते हैं। मजे की बात यह कि कोई इसे देख नहीं पाएगा यानी यह कृत्रिम त्वचा तकरीबन अदृश्य होगी। शोधकर्ताओं ने इसे 'सेकेंड स्किन' नाम दिया है, क्योंकि इसे मूल त्वचा के ऊपर धारण किया जाएगा। इससे आपकी झुर्रियां नहीं दिखेंगी और आप अपनी वास्तविक उम्र से काफी जवां दिखेंगे। इसलिए इसे लेकर दुनियाभर में व्यापक जिज्ञासा है।

उम्र बढ़ने के साथ इंसान की त्वचा ढीली पड़ने लगती है और उसके अनेक हिस्सों में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसा किसी बीमारी के कारण नहीं होता, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन, ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएं, त्वचा की कसावट को बरकरार रखना चाहती हैं, ताकि ढलती उम्र में भी वे युवा दिख सकें।

इसके लिए महिलाएं अनेक प्रकार की कॉसमेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं। साधन संपन्न परिवारों की महिलाएं इसके लिए नवीनतम तकनीक आधारित स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं।

अब इनके नए विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 'सेकेंड स्किन' का विकास किया है, जिसे शरीर पर धारण किया जा सकेगा।

क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर

वैज्ञानिकों ने एक्सपीएल यानी क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर के रूप में इलास्टिक की तरह पहना जानेवाला एक नया प्रोडक्ट तैयार किया है, जिसमें प्राकृतिक त्वचा की तरह अनेक गुण मौजूद हैं और यह बिल्कुल उसका डुप्लीकेट प्रतीत होता है। एक्सपीएल एक ट्यूनेबल पॉलिसाइलोक्सेन आधारित मैटेरियल है, जिसे खास इलास्टिसिटी और ऐसे अनेक गुणों के साथ इंजीनियर्ड किया जा सकता है। एक्सपीएल को बिना किसी हीट या लाइट मीडिएटेड एक्टिवेशन के प्रयुक्त किया जा सकता है। हाल ही में इनसानों पर इसका एक पायलट अध्ययन किया गया है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि त्वचा के खिंचाव की दशा में एक्सपीएल के टेन्सिल मॉड्यूल्स ने ठीक वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी सामान्य प्राकृतिक त्वचा देती है। वैज्ञानिकों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है। इसके विकास से यह उम्मीद भी जगी है कि जल्द ही हम सनबर्न से सुरक्षा के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा एक्जिमा जैसी त्वचा की बीमारियों का इलाज भी इससे मुमकिन होगा। हालांकि, सामान्य लोगों में इसके प्रति जो उत्साह पैदा हुआ है, वह कुछ अलग तरीके का देखने में आ रहा है। उन्हें यह एहसास काफी गुदगुदाता है कि वे सुबह में इस डुप्लीकेट त्वचा को पहन लेंगे और दिनभर पहनने के बाद रात में उसे निकाल देंगे।

आंखों के नीचे पहला परीक्षण

शोधकर्ताओं ने इसका सबसे पहला परीक्षण इंसान की आंखों के हिस्से में किया है, जिससे बेहद आशाजनक नतीजे सामने आए हैं। शोधकर्ताओं को इससे एक नई उम्मीद जगी है कि वे शरीर के अन्य भागों में ढीली पड़ चुकी या झुर्रियोंवाली त्वचा को ठीक कर पाएंगे। इस शोध टीम में शामिल अमेरिका के मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेनियल एंडरसन का कहना है कि ओरिजनल स्किन पर पहनी जानेवाली यह अदृश्य परतवाली त्वचा मूल त्वचा को किसी प्रकार के बाहरी खराब असर से बचाती है, जिसके लिए आम तौर पर लोग दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि भविष्य में यदि इसे किसी अन्य कम्पोनेंट के साथ मिला कर कोई नया उत्पाद बनाया जाएगा, तो वह इनसान की त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, मौजूदा समय में त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए ज्यादातर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सही नहीं माना जाता और अनेक लोगों में उसका साइड इफेक्ट देखा गया है।

सुरक्षित रसायनों का इस्तेमाल

त्वचा रूपी इस 'सेकेंड स्किन' को बनाने में इस्तेमाल किए गए तत्व और रायायनिक पदार्थों को अमेरिका की संबंधित एजेंसी 'फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने सुरक्षित बताया है। इसमें इस्तेमाल किए गए केमिकल्स साइलोक्सेंस हैं, जिसमें ऑक्सीजन का एक अणु और सिलिकॉन के दो अणु होते हैं। शोधकर्ताओं ने इनके आण्विक गुणों में सुधार करते हुए इनका एक बड़ा समूह तैयार किया और इन्हीं गुणों के आधार पर इस उत्पाद को विकसित करने में कामयाब हुए। उन्होंने इसे दो प्रक्रियाओं में विभाजित किया। पहला, पॉलिमर को अप्लाई किया, जो पूरी तरह से द्रव है। हालांकि, सीरीज में यह ज्यादा मजबूत नहीं होते, लेकिन अगले चरण में इसे दूसरे प्रोडक्ट के साथ जोड़ दिया जाता है। सीरीज की केमिस्ट्री में सुधार लाते हुए शोधकर्ता सेकेंड स्किन के गुणों में विविधता ला सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल किया जाना है। बायोटेक्नोलॉजी विधा से संबंधित कैंब्रिज की एक निजी कंपनी लिविंग प्रूफ ने अपनी प्रयोगशाला में इसे विकसित किया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)